हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,मंगलवार 17 सितम्बर 2024 वर्ष : 02 अंक :125 पृष्ठ -14 PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 मूल्य - ₹ 3 पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

समुद्री मार्ग से दुनिया का चक्कर लगाएंगी नौसेना की दो महिला अधिकारी, तीन साल से खुद को कर रही थीं तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली:

की आरक्षण खत्म करने पर की गई टिप्पणी देश में सकारात्मक कार्रवाई के लिए 'एक खतरा'

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका के जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में हाल ही में एक बातचीत के दौरान आरक्षण पर अपनी टिप्पणी से विवाद खड़ा कर दिया। भारत में आरक्षण के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, "हम आरक्षण को खत्म करने के बारे में तब सोचेंगे जब भारत एक उचित स्थान होगा और भारत एक उचित स्थान नहीं है।" इस टिप्पणी ने न केवल सकारात्मक कार्रवाई के प्रति कांग्रेस पार्टी के दृष्टिकोण के बारे में, बल्कि भारत की सामाजिक व्यवस्था पर इसके व्यापक प्रभाव के बारे में भी व्यापक बहस छेड़ दी है।

आरक्षण और सकारात्मक कार्रवाई के साथ कांग्रेस का एक जटिल रिश्ता रहा है। हालाँकि, कांग्रेस ने कई मौकों खुद

आखिर कौन सा था वो दांव, 48 घंटे के भीतर मोदी के 2 बड़े विरोधी बैकफुट पर आ गए, करने लगे इस्तीफे की बात

ममता बनर्जी का बड़ा वोट बैंक महिलाओं का है। इस वक्त कोलकाता रेप मर्डर केस को लेकर महिलाएं भी सड़क पर हैं। आने वाला बंगाल का चुनाव 2026 में है और ममता बनर्जी अपनी कुर्सी को बरकरार रखना चाहती हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली: इस वक्त देश की राजनीति का मिजाज बिल्कुल बदला नजर आ रहा है। पिछले 48 घंटों में दो राज्य के मुख्यमंत्री बैकफुट पर नजर आ रहे हैं, जिससे लगने लगा है कि देश में अलग तरह की राजनीति देखने को मिल सकती है। अरविंद केजरीवाल ने ऐलान किया कि मैं दो दिन के अंदर इस्तीफा दे दूंगा। ऐसे में अब ममता बनर्जी का भी जिक्र होने लगा है। ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल पिछले कुछ घंटों में दो ऐसे चेहरे नजर आ रहे हैं जो खुद कुर्सी छोड़ने की बात कह रहे हैं। बता दें कि ट्रेनी डॉक्टर्स को धरने पर बैठे हुए 35 दिन गुजर चुके हैं। ममता दीदी लगातार कोशिश कर रही हैं कि वो बातचीत की टेबल पर बैठें। लेकिन ममता दीदी चाहती थी कि बंद कमरे में मीटिंग हो और इसकी किसी को कानों-कान भनक तक ना लगे। लेकिन डॉक्टर्स लाइव स्ट्रिमिंग की बात पर अड़ गए। मंगलवार के दिन 2 घंटे तक खाली कुर्सियों के सामने ममत बनर्जी ने इंतजार भी किया। फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि

लोगों की खातिर इस्तीफा देने को तैयार हूं। ममता बनर्जी ने एक तरह से इमोशनल कॉर्ड खेलने की कोशिश की। ममता बनर्जी का बड़ा वोट बैंक महिलाओं का है। इस वक्त कोलकाता रेप मर्डर केस को लेकर महिलाएं भी सड़क पर हैं। आने वाला बंगाल का चुनाव 2026 में है और ममता बनर्जी अपनी कुर्सी को बरकरार रखना चाहती हैं। ममता आम जनमानस के जरिए ये मैसेज पहुंचाना चाहती हैं कि मैं मुलाकात करना चाहती हूं। दो बार बातचीत के लिए टेबल पर बैठ चुकी हूं लेकिन डॉक्टर्स नहीं आए और उन्हें ही विलेन बनाने की कोशिश हो रही है। हालांकि ताजा घटनाक्रम में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को कोलकाता में अपने आवास पर बातचीत के लिए पांचवां और अंतिम निमंत्रण भेजा है। ममता बनर्जी ने डॉक्टरों को शाम 5 बजे बैठक के लिए बुलाया गया है।इस घटनाक्रम के अगले दिन ही अरविंद केजरीवाल भरे मंच से ऐलान कर देते हैं कि मैं दो दिन बात इस्तीफा दे रहा हूं। हालांकि दोनों के इस्तीफे की बात में फर्क ये है कि ममता बनर्जी कह रही हैं कि आप कहे तो मैं इस्तीफा दे दूंगी। अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफे के लिए दो दिन की टाइमलाइन भी बता दी है। बात अरविंद केजरीवाल की करें तो बीच के 15 दिन निकाल ले जिस दौरान वो जमानत पर चुनाव प्रचार के लिए बाहर आए थे तो पूरे छह महीने तिहाड़ से काट कर आए हैं। अब वो नवंबर में चुनाव कराए जाने की बात कह रहे हैं। ममता बनर्जी का बड़ा वोट बैंक महिलाओं का है। इस वक्त कोलकाता रेप मर्डर केस को लेकर महिलाएं भी सड़क पर हैं। आने वाला बंगाल का चुनाव 2026 में है और ममता बनर्जी अपनी कुर्सी को बरकरार रखना चाहती हैं।

फिर आतंकवाद फैलाना चाहते हैं नेहरू-गांधी व अब्दुल्ला परिवार, हम ऐसा होने नहीं देंगे: अमित शाह

एजेंसी

जम्मू कश्मीर: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू कश्मीर में एक रैली के दौरान कहा कि हमने आतंकवाद को उस स्तर तक दफनाने का संकल्प लिया है कि वह फिर न लौट पाए। अमित शाह ने नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस पर अपने परिवार की सरकारह्न बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे जम्मू कश्मीर में सत्ता में नहीं आ सकते। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अनुच्छेद-370 इतिहास बन गया है, वापस नहीं आ सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर को फिर से आतंकवाद की ओर धकेलना चाहते हैं। शाह ने कहा कि हमने विभाजन के दिन देखें, 1990 में आतंकवाद के दिन देखें। चंद्रिका शर्मा हों या परिहार बंधु हों... सभी ने कुर्बानियां दीं। उन्होंने कहा कि मैं आज इस क्षेत्र सहित जम्मू-कश्मीर की जनता से वादा करता हूं कि हम आतंकवाद को इतना नीचे दफन करेंगे कि कभी बाहर नहीं आ पाएगा। उन्होंने कहा कि 1990 की तरह आज भी प्रयास हो रहे है, यहां आतंकवाद को फिर से मजबूत करने के।

भाजपा नेता ने कहा कि एक ओर वे लोग (नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस) आतंक से लैस जम्मू-कश्मीर बनाना चाहते हैं, तो दूसरी ओर मोदी जी 'विकसित कश्मीर' बनाना चाहते हैं।

नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस ने यहां कुछ वादें किए हैं कि उनकी सरकार आएगी तो आतंकवादियों को छोड़ देंगे। मैं आज आप लोगों को कहता हूं कि ये नरेन्द्र मोदी सरकार है, किसी की हिम्मत नहीं है, भारत की भूमि पर आतंकवाद फैलाए।

Haryana: CM पद को लेकर कई दावेदार, बढ़ी भाजपा की टेंशन, नेताओं को कैसे मनाएगी पार्टी

एजेंसी

हरियाणा: हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी चर्चा तेज है। भाजपा और कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला माना जा रहा है। इन सब के बीच भाजपा में सीएम पद को लेकर भी बयान सामने आ रहे हैं। पहले राव इंद्रजीत सिंह और अब अनिल विज के बयान से भाजपा की टेंशन बढ़ सकती है। दोनों ने सीएम पद को लेकर अपना-अपना दावा ठोक दिया है। वहीं, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्पष्ट कर दिया है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राज्य में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं और

उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी राज्य में जीत की हैट्रिक बनाएगी। 2024 के हरियाणा चुनाव के लिए भाजपा के प्रभारी प्रधान का बयान पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल विज के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर पार्टी 5 अक्टूबर के चुनाव के बाद सत्ता में लौटती है तो वह सीएम पद के लिए दावा करेंगे। विज की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने करनाल में संवाददाताओं से कहा कि 'एक पार्टी कार्यकर्ता होने के नाते उन्होंने ऐसा कहा होगा, लेकिन नायब सिंह सैनी भाजपा के सीएम का चेहरा हैं। प्रधान ने विश्वास जताया कि भाजपा हरियाणा विधानसभा चुनावों में विजयी होकर हैट्रिक बनाएगी और कहा, पिछले 10 वर्षों के ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, हमें फिर से हरियाणा में सेवा करने का मौका मिलेगा।

केजरीवाल पर मनोज तिवारी का वार, मैंने सिनेमा में काम किया है पर उनसे बड़ा अभिनेता नहीं देखा

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे से ऐलान के बाद से भाजपा उनपर हमलावर है। भाजपा इसे एक्टिंग बता रही है। वहीं, भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने भी केजरीवार पर बड़ा वार किया है। मनोज तिवारी ने कहा कि भारत के इतिहास में आपको कोई भी ऐसा मुख्यमंत्री नहीं मिलेगा जिसे न्यायालय द्वारा उसके पद से हटाया गया हो। उन्होंने कहा कि और संविधान का राज है। संविधान कहता है कि अगर कोई मुख्यमंत्री जेल जाता है तो उसे

इस्तीफा दे देना चाहिए ताकि पार्टी से कोई और सीएम पद संभाल सके।अपना हमला जारी रखते हुए भाजपा नेता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल का अहंकार दिल्ली की समस्याओं से भी बड़ा है। उन्होंने दावा किया कि एक तरह से उन्हें मुख्यमंत्री

प्रदर्शन अब भी जारी, बातचीत के लिए ममता बनर्जी ने जूनियर डॉक्टरों को फिर बुलाया

एजेंसी

पश्चिम बंगाल: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों को फिर से कोलकाता स्थित अपने आवास पर बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि यह पांचवां और अंतिम निमंत्रण है। बंगाल के मुख्य सचिव ने डॉक्टरों से खुले दिमाग के साथ चर्चा के लिए बनर्जी से उनके कालीघाट आवास पर मिलने का आग्रह किया। इससे पहले, डॉक्टर ने आरोप लगाया था कि उन्होंने राज्य सरकार द्वारा निर्धारित सभी शर्तों को स्वीकार कर लिया था, लेकिन अंतिम समय में सरकार ने उन्हें ठुकरा दिया।इस बीच, सीबीआई अधिकारियों ने कहा कि आरजी कर

मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के जवाब पॉलीग्राफ टेस्ट और स्तरित आवाज विश्लेषण के दौरान भ्रामक पाए गए। 9 अगस्त को अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले की जांच सीबीआई कर रही है। वहीं, प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों का राज्य के स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय स्वास्थ्य भवन के बाहर आठवें दिन भी धरना जारी रहा और लगातार 36वें दिन उन्होंने काम बंद रखा।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शनिवार को कनिष्ठ चिकित्सकों के धरनास्थल पर अचानक पहुंची थीं और उन्हें उनकी मांगों पर गौर करने तथा दोषी पाए जाने वाले हर व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया था लेकिन गतिरोध को दूर करने के लिए प्रस्तावित वार्ता विफल होने के बाद प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि मुख्यमंत्री के आवास पर तीन घंटे तक इंतजार करने के बाद उन्हें कार्यक्रम स्थल से चले जाने को कहा गया।

बदरिया मस्जिद पर पत्थरबाजी, वीएचपी के 5 सदस्यों को किया गया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली: विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल समेत हिंदू समर्थक संगठनों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में दक्षिण कन्नड़ जिले के बीसी रोड पर एकत्र हुए। बंतवाल टाउन म्युनिसिपल काउंसिल (टीएमसी) के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद शरीफ के एक कथित वाइस मैसेज के सामने आने के बाद हंगामा हुआ, जिसमें वीएचपी मंगलुरु मंडल के संयुक्त सचिव शरण पंपवेल को ईद

मिलाद जुलूस के दौरान उनका सामना करने की चुनौती दी गई थी। इससे पहले, शरण पंपवेल ने नागमंगला में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए दंगों की निंदा करते हुए चेतावनी दी थी कि अगर हिंदू अपना मन बना लेते हैं तो ईद मिलाद जुलूस की अनुमति नहीं दी जाएगी। उनके बयान का जवाब देने के लिए शरीफ ने कथित वॉयस मैसेज भेजा था, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वहीं कटिपल्ला में बदरिया मस्जिद पर कथित तौर पर पथराव करने के आरोप में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) से जुड़े पांच हिंदू समर्थक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

भुवनेश्वर में मंगलवार को बंद रहेंगे सभी स्कूल और कॉलेज, जानिए क्या है कारण

एजेंसी

ओडिशा: ओडिशा सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राज्य यात्रा के मद्देनजर राजधानी भुवनेश्वर के सभी स्कूलों और कॉलेजों में 17 सितंबर को छुट्टी की घोषणा की है। इस संबंध में ओडिशा के मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा एक आदेश जारी किया गया है। आधिकारिक आदेश में लिखा है कि भुवनेश्वर महानगरीय क्षेत्र के सभी स्कूलों और कॉलेजों में 17 सितंबर को पूर्ण अवकाश रहेगा। प्रधानमंत्री इस यात्रा के दौरान भुवनेश्वर

में 'सुभद्रा योजना' का शुभारंभ करेंगे। इसके लिए भुवनेश्वर में एक बड़ी बैठक होगी।इसे देखते हुए, राज्य सरकार ने फैसला किया है कि उस दिन भुवनेश्वर के सभी स्कूल और कॉलेज पूरी तरह से बंद रहेंगे और सरकारी कार्यालय दिन के पहले भाग के लिए बंद रहेंगे। प्रधान मंत्री कार्यालय द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, सुभद्रा योजना सबसे बड़ी, एकल महिला केंद्रित योजना है। इस योजना का उद्देश्य एक करोड़ से अधिक महिलाओं को कवर करना है। योजना के तहत, 21 से 60 वर्ष की आयु के सभी पात्र लाभार्थियों को 2024-25 से 2028-29 के बीच 5 वर्षों के लिए 50,000/- रुपये मिलेंगे।

जमात के उम्मीदवारों को राशीद के समर्थन पर बोलीं महबूबा,

दिल्ली ने बहुत सारे आजाद उम्मीदवार बंटवारे के लिए डालें

एजेंसी

जम्मू कश्मीर चुनाव को लेकर एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में लोकसभा सदस्य शेख अब्दुल रशीद उर्फ ?इंजीनियर रशीद के नेतृत्व वाली अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) और जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) के पूर्व सदस्यों के बीच विधानसभा चुनाव के लिए एक गठबंधन हुआ। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने आवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) और जमात-ए-इस्लामी के बीच चुनावी गठबंधन पर कहा कि मैंने भी कोशिश की थी कि हम लोग इकट्ठा चलें। लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस को अच्छा नहीं लगा। उन्हें लगा कि अगर कुछ सीटें किसी और को देंगे तो कहीं कुर्सी हमारे हाथ से न निकल जाए। हम लोगों को इकट्ठा चलना चाहिए था। दिल्ली ने बहुत सारे आजाद उम्मीदवार यहां वोटों का बंटवारा करने के लिए डाले हैं, वो वोट नहीं बंटते।महबूबा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि यह भाजपा के लिए शर्म की बात है जो कहती रही है कि स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन वे पिछले 10 वर्षों में जम्मू कश्मीर में चुनाव नहीं करा सके। लोग नाराज हैं, उनका दम घुट रहा है। वे चाहते हैं कि एक ऐसी सरकार बने जो उनकी चिंताओं को दूर कर सके और उनकी मुश्किलों को खत्म कर सके। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी केवल नालियों और गलियों के निर्माण के लिए चुनाव नहीं लड़ रही है।

हरियाणा में INLD का हुआ उदय, जाट-दलितों के वोट के लिए अभय सिंह चौटाला ने बनाया

एजेंसी

हरियाणा: अभय सिंह चौटाला और गोपाल कांडा की सिरसा के रामनगरियां गांव के पास श्री तारा बाबा की कुटिया में 12 सितंबर को मुलाकात ने हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 की पूरी फिजा बदलकर रख दी है। इस मुलाकात से बसपा और इंडियन नेशनल लोकदल के बाद हरियाणा लोकहित पार्टी का भी साथ मिल गया। हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में 5 अक?टूबर को मतदान और 8 अक?टूबर को मतगणना है। हरियाणा कांग्रेस का इस बार के चुनाव में पूरा ह्यसियासी खेलह्न बिगड़ने वाला है। राज्य के जाने-माने जाट नेता और इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) का चेहरा अभय सिंह चौटाला हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में वापसी के लिए कमर कस रहे हैं। चौटाला का जोर हरियाणा में आईएनएलडी के पुराने दबदबे को दुबारा हासिल करने पर है। राजनीति के जानकार

हरियाणा चुनाव 2024 में क्छछऊ के बहुजन समाज पार्टी (BSP) और हरियाणा लोकहित पार्टी (HLP) के साथ गठबंधन को मास्टरस्ट्रोक के तौर पर देख रहे हैं। इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य जाट और अनुसूचित जाति (एससी) दोनों के वोटों को एकजुट करना है। जिससे हरियाणा में खास तौर पर बागड़ अंचल में एकमुश?त वोट लिए जा सके।रणनीतिक गठबंधनचौटाला की पार्टी इनेलो को लोकहित पार्टी से गठबंधन का लाभ ग्रामीण और कृषि प्रधान जाट समुदाय से मिलना तय है जबकि एससी मतदाताओं के बीच बीएसपी की मजबूत पकड़ का फायदा मिलेगा। हरियाणा की राजनीति के जानकार इस गठबंधन को बड़ी सियासी ताकत के रूप में देख रहे हैं, जो इस क्षेत्र के मतदाताओं की उम्मीदों को पूरा कर सकने वाला है। पहले मतदाताओं के सामने बागड़ अंचल में सिर्फ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ही एक विकल?प था। इसलिए वे कांग्रेस का हाथ मजबूरी में थामते थे, मगर अब क्छछऊके उदय ने नए सियासी समीकरण बना दिए। हालांकि, क्छछऊके उदय और सिरसा से गोपाल कांडा जैसे प्रमुख क्षेत्रीय खिलाड़ियों के समर्थन के साथ यह गठबंधन राजनीतिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से बदलने की क्षमता रखता है।बागड़ क्षेत्र की कथित उपेक्षा ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कार्यकाल के दौरान कांग्रेस द्वारा इस बदलाव को और बढ़ावा दिया है।

अंजुमन इत्तेहाद-ए-मिल्लत के बैनर तले मधुबनी के आयोजन में जश्न-ए मिलादुन्नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के जन्म दिन पर एक विशाल शांतिपूर्ण जुलुस ए मोहम्मदी नी काला गया

पुर्व मंत्री सह बिधायक समीर महासेठ एवं मेयर अरुण राय ने मोहम्मद पैगम्बर साहब के जन्म दिन पर आपसी भाईचारगी रखने का पैगाम दिया ।साथ ही सभी मुस्लिम समुदाय के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएँ दिया ।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी शहर से लेकर गांव मेंभी सोमवार को अंजुमन इत्तेहाद-ए-मिल्लत बैनर तले मधुबनी के आयोजन में जश्न-ए मिलादुन्नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के जन्म दिन पर एक विशाल शांतिपूर्ण जुलुश ए मोहम्मदी बड़ा बाजार मस्जिद चौक से निकाला गया ।जिसकी अध्यक्षता अंजुमन इत्तेहाद-ए-मिल्लत के बाणी अमानुल्लाह खान ने किया। जुलुस की सरपरास्त मौलाना जमीरुद्दीन, हाफिज मो० शकील, मौलाना अंजारुल हक, मौलाना गुलाम मुतुर्जा, मौलाना अमजाद रजा, मौलाना-' अब्दुल मन्नान मिस्वाही, मौलाना आलम रजा, मौलाना अब्दुल खालिक, मौलाना- मंजूर आलम, मौलाना अबुल हक्कानी, मौलाना निजामुद्दीन, मौलाना मो० अफाक मौलाना ओवैस रजा, मौलाना अब्दुल मजीद नुरानी, मौलाना मुजीबुर्र रहमान, हाफिज मो० एकबाल, हाफिज चाँद रजा, हाजी रेहान आलम, समीतू ?लाह- खान उर्फ झुन्ना खान, हैदर अली खान, डॉ० मासुक अंजुम, मो० केशर एकवाल मिन्टु, मो० जमील अंसारी, मौलाना रजी आलम, मौलाना जाहिद रजा, मौलाना शोएब, हाफिज गुलाम नबी, मौलाना इम्तियाज मंजरी, मो उसमान, मो० साबिर हुसैन, ने किया। बताते चले की बानीए इसलाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का जन्म अरब के मशहुर शहर मकका शरीफ में 20 अप्रैल 570 ई० यानि 12 रबीउल अव्वल सोमवार के दिन सुबहे सादिक खानदाने कुरैश में हुआ ।आपके पिता का नाम हजरत अब्दुल्लाह आपके दादा का नाम हजरत- अब्दुल मोत्तलीब और माता का नाम हजरत आमीना है ।आपका खानदान कुरैश है ।आपके जन्म लेते ही पुरे विश्व में एक जबरदस्त परिवर्तन दिखने लगा। हजरत मोहम्मद साहब के जन्म के बाद ही अत्याचार, अन्याय का अन्त हुआ। गमजदा लोगों के चेहरा खुशियों से खिल गया ।महिलाओं को जीने का आधिकार मिला अज्ञानता को मिटाकर ज्ञान का दिप जलाया ।आपके जन्म लेने से पहले ही अन्य

महाराजगंज मे जशने ईद मिलादुन्नाबी हर्षोउलाश और शांतिपूर्ण तरीके से मनाया गया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज 16 सितम्बर सोमवार ।महाराजगंज में जशने ईद मिलादुन नबी सह जूलूस ए मोहम्मदी शांति और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाया गया गया। जिसमे भारी संख्या में जायरीन शाही जामा मस्जिद महाराजगंज में एकत्रित होकर नारो और नतिया कलाम पढ़ते हुए और घोड़ा ऊंट मदीना मनौवरा की झांकी लेकर शहर के विभिन्न मार्गो और चौक चौराहों से गुजरते हुए जुलूस का काफिला शाही जामा मस्जिद मे

पहुंच कर जशने ईद मिलाद का प्रोग्राम मस्जिद मे मौलानाओं द्वारा तेलावते से शुरू कर मोहम्मद साहब के रास्ते पर चलने को बताया गया ।और दूर दराज से आए सभी अकीदत मंद जायरीन को तबरुख और खाना तकसीम किया गया। जिसमें एराकिने कमीटी के सभी मेंबरान अपने अपने जिमेदारी पर मुस्तैद थे। वही जूलूस ए मोहम्मदी में महाराजगंज अनुमंडल प्रशासन, अनुमंडल पदाधिकारी अनिल कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राकेश कुमार रंजन, थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार,महाराजगंज प्रखण्ड विकाश पदाधिकारी,अंचल पदाधिकारी, खुद पैदल चल कर फ्लैग मार्च और जूलूस का मॉनिटरिंग कर रहे थे

धर्मो की पुस्तकों में उनके जन्म लेने की भविष्यवाणी मिलती रही, कमोबेस एक लाख 24 हजार त्रिऋषि मुनियों ने भी ये खबर अपने स्तर से प्रकाशित करते रहे आप मा के पेट में तीन महिना के थे तो आपके पिता का देहांत हो गया। आपके 6 वर्ष बाद आपकी माता भी इस दुनिया से चल बसी। जन्म के 6 वर्ष फिर आपके दादा और चाचा अबु तालीब ने पालन-पोषण किया। जब आप बड़े हुए तो आप लोगों को इस्लाम धर्म के बारे में बताया की ऐ दुनिया के लोगों अल्लाह एक है उसी की ईबादत और उसी की पूजा करो उसी के सामने सर झुकाओ जिसने तुमको पैदा किया जिस अलाह ने चाँद, सुरज जमीन, आसमान और दुनिया की बहुत साड़ी नेमत पैदा किया। विश्व की रचना किया वही रोजी, रोटी देता है वही सबको पैदा करता है वही सबको मारता भी है उन्होंने ऐलान किया के ऐ लोगों अल्लाह से डरो और अल्लाह का हुक्म मानो। उन्होंने यह भी बताया माँ, बाप पड़ोसी कमजोर वर्गो के साथ अच्छा वर्ताव करो पैगम्बर मोहम्मद साहब के आने से पहले लोग बेटियों (बालिकाओं) को जमीन के अंदर जिदा गार देते थे प्यारे नबी ने बताया के बेटी रहमत है घर की जीनत है इसके रहने से मानव जाति का विकाश होगा। आपको अल्लाह के तरफ से एक किताब भी मिली जिसका नाम कुरआन शरीफ है जो दुनिया के लिए हेदायत है। अल्लाह ने प्यारे पैगम्बर को रहती दुनिया के लिए रहमत बनाकर भेजा।

ताजपुर में हर्षोल्लास से मनाया गया पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्मदिन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर) : - जिले के ताजपुर प्रखंड एवं नगर परिषद दरगाह मुहल्ला एवं मुगीर्याचक में सोमवार को पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब का जन्म दिवस बड़े उत्साह और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस मौके पर ताजपुर नगर परिषद क्षेत्र के दरगाह मुहल्ला से नीम चौक होते हुए हॉस्पिटल चौक, कोल्ड स्टोर ताजपुर बाजार के विभिन्न मार्गों पर जुलूस निकाला गया। सभी मुस्लिम भाई हाथों में झंडा और माथे पर पट्टी बांधे हुए लोग पैगंबर साहब को याद करते हुए उनका जन्म दिवस मनाया। सरकार की आमद मरहबा, मुख्तार की आमद मरहबा, दिलदार की आमद मरहबा, पत्ती पत्ती फूल फूल या रसूल या रसूल की सदा से पूरा ताजपुर गुंज उठा। जुलूस का आयोजन मदरसा, मस्जिद और कई सामाजिक संगठनों के संयुक्त प्रयास से किया गया। जुलूस में मो सरफु , मो0 तबरेज आलम, कांग्रेसी नेता अबु हैदर उर्फ. मुन्ना भाई, मो अहमद बरकाती एवं मो बाबर सरफराज आलम उर्फ. निराले, अहमद रजा उर्फ. मिंटू, मो फैजान उर्फ.तमन्ने, फिरदौस रिजवी सहित हर आयु वर्ग के लोग शामिल हुए। जुलूस बाजार के चौक - चौराहों से गुजरते हुए संदेश दिया कि पैगंबर मोहम्मद साहब का जीवन और उनके उपदेश आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने पूरी दुनियां में अमन व शांति का पैगाम दिया। इस दौरान मौलाना साहब ने कहा की इस्लाम यह सिखाता है कि इंसान अल्लाह की सबसे बेहतरीन मखलूक है, यानी इंसान सर्वोपरि प्राणी है। इसलिए हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। पैगंबर साहब ने जीवनभर सामाजिक कुरीतियों, गैर बराबरी और नफरत के खिलाफ संघर्ष किया और हमें भी उनके दिखाए रास्ते पर चलना चाहिए। जुलूस का आयोजन मदरसा, मस्जिद और कई सामाजिक संगठनों के संयुक्त प्रयास से किया गया था, जिसमें हर आयु वर्ग के लोग शामिल थे। जुलूस के जरिया शहर के प्रमुख चौक-चौराहों से गुजरते हुए संदेश दिया कि पैगंबर मोहम्मद साहब का जीवन और उनके उपदेश आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक हैं।

शांतिपूर्वक बनाया गया जुलूस ए मोहम्मदी धर्मगुरु ने देशवासियों को दी बधाई साथी शांति अमन की दुआएं की

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्म दिवस को मौका पर समस्तीपुर जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में ईद ए मिलाद उन नबी के रूप में धूमधाम के साथ मनाया गया। ईद ए मिलाद उन नबी के मौके पर जुलूस ए मोहम्मदी गाजे-बाजे के साथ निकाली गई। जुलूस के माध्यम से मुस्लिम भाइयों ने अपने समाज के लोगों से नबी के रास्ते पर चलने की अपील की।इस दौरान मुस्लिम समाज के लोगों के द्वारा अपने घरों में जश्न ए मिलाद उन नबी से तहत फातेहा कराते हुए एक-दूसरे को मुबारक बाद पेश किया। जुलूस के दौरान सभी ने मिलकर देश के लोगों के लिए अमन और चैन की दुआ मांगी। उधर कल्याणपुर प्रखंड के चकमासी पंचायत के वार्ड नंबर 3 राजम जमा मस्जिद के इमाम मौलाना मसूद साहब ने लोगों को संबोधित कर बताया के प्यारे मोहम्मद सल्लल्लाहो ताला वसल्लम इस दुनिया में जब तशरीफ लाए तो लोगों

को शांति भाईचारा मोहब्बत का पैगाम दिया और गरीब मिस्कीन यतीम का मालदों को ख्याल रखने का हुक्म दिया
मौलाना मसूद सब के साथ सैकड़ो मुसलमान ने इस जुलूस से मोहम्मदी को शांति अम्ल और भाईचारे के साथ मनाया मौके पर नजरुल इस्लाम मुबारक हुसैन मोहम्मद शमी सेठ मोहम्मद जसीम सेठ मोहम्मद शरीर पूर्व मुखिया मोहम्मद आरजू पूर्व मुखिया समेत लोगों को आपस में मुबारकबाद दी
इधर मुसरीघरारी में भी पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्म दिवस को ईद ए मिलाद उन नबी के रूप में धूमधाम के साथ मनाया गया। मौके पर मौलाना शमीम रजा, मौलाना क्युम बरकाती साहब , हाफिज नसीम साहब, हाफिज इरफान साहब, मदरसा अध्यक्ष मो. नईम साहब, सचिव मो. मुमताज साहब, खजांची मो० राजा, मो० नौशाद, फणींद्र राम, अब्दुल हकीम, नुर आलम, मो. मुस्तफा, मो. ऐयाज, मो. मुश्ताक, मो.असरफ समेत अन्य उपस्थित रहे।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के एक बड़े ज़िम्मेदार की बिहार की एक बड़ी मुस्लिम शख्सियत से मुलाकात

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मुस्लिम सियासत और बिहार की राजनीति में इस वक़्त भारी उथल-पुथल चल रहा है.वक़्फ संशोधन बिल को लेकर मुसलमानों में जबरदस्त उबाल है.इमारत ए शरिया ने कल बापू सभागार में बिल के खिलाफ एक बड़ी कॉन्फ्रेन्स बुलाई. ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना अब्दुर्रहीम मुजद्दिदी भी इस कॉन्फ्रेन्स में मौजूद थे. मौलाना मुजद्दिदी ने अल-हम्द ट्रस्ट के सरपरस्त अशफाक रहमान से अनीसाबाद स्थित एक होटल में खुसूसी मुलाकात की. मुलाकात की वजह क्या हो सकती है,यह पता नहीं चल सका है मगर माना जा रहा है

कि अशफाक रहमान के जन सुराज से जुड़ने पर इमारत ए शरिया से लेकर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और मुस्लिम समुदाय में हलचल है.कारण है कि प्रशान्त किशोर को लेकर मुस्लिम समाज में संशय की स्तिथि है.पीके को नरेन्द्र मोदी और बीजेपी से जोड़ कर देखा जा रहा है.हालांकि,अशफाक रहमान से पहले कई मुसलमान जन सुराज से जुड़ कर सक्रीय रूप से काम कर रहे हैं लेकिन अशफाक रहमान के जुड़ने से मुस्लिम समुदाय चिंतित है और जन सुराज में भी चर्चा का विषय बना हुआ है.अशफाक रहमान अपनी सियासत और अपनी कयादत की बात करते हैं.अभी तक उन्होंने अपनी पहचान के साथ ही सियासत की है.समय मंथन ने अशफाक रहमान से मौलाना मुजद्दिदी से मुलाकात के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि यह शिष्टाचार मुलाकात थी.मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड तीस-पैंतीस करोड़ हिंदुस्तानी मुसलमानों का नुमाइंदा संगठन है.मौलाना साहब पटना आये तो मुलाकात की ख्वाहिश जाहिर की.वह हमारे बुजुर्ग हैं.

ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर झरिया में रक्तदान शिविर का आयोजन, बड़ी संख्या में लोगों ने लिया हिस्सा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

झरिया, नीचे कूल्हीः ईद मिलादुन्नबी के पावन अवसर पर झरिया के नीचे कूल्ही में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसका संचालन स्थानीय निवासी मोहम्मद आजाद के सौजन्य से किया गया।इस सामुदायिक पहल में झरिया और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रक्तदान किया। मोहम्मद आजाद की इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंदों की मदद करना और रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना था। रक्तदान शिविर में युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों का उत्साह देखने लायक था। रक्तदाताओं ने इसे एक नेक कार्य बताते हुए कहा कि रक्तदान से किसी की जिंदगी बचाने का सौभाग्य प्राप्त होता है।स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से आयोजित इस शिविर में रक्तदान करने वालों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के शिविर भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे ताकि समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद हो सके।मोहम्मद आजाद ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी रक्तदाताओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और लोगों से भविष्य में भी इसी तरह सहयोग की उम्मीद जताई।

जयनगर में इन्द्रपुजनोत्सव का विधिवत उद्घाटन मंत्रोच्चारण के बीच संयुक्त रूप से प्रशिक्षु डीएसपी अंकुर कुमार,बीडीओ राजीव रंजन ,नप0 कार्यपालक पदाधिकारी हिमानी कुमारी ,नगरध्यक्ष कैलाश पासवान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी जिला के जयनगर अनुमंडल के नगरपंचायत वार्ड नम्बर 06 में इन्द्रपुजनोत्सव का विधिवत उद्घाटन मंत्रोच्चारण के बीच संयुक्त रूप से प्रशिक्षु डीएसपी अंकुर कुमार,बीडीओ राजीव रंजन ,नप0 कार्यपालक पदाधिकारी हिमानी कुमारी ,नगरध्यक्ष कैलाश पासवान,पूर्व नगर उपाध्यक्ष सह संरक्षक अशोक पासवान सहित उपस्थित नेतागण द्वारा संयुक्त रूप से किया गया ।अशोक पासवान द्वारा आगन्तुक अतिथि को माला पहनाकर सम्मानित किया गया ।मंचासीन वक्ताओं ने बतलाया कि जब मिथिलांचल में अकाल

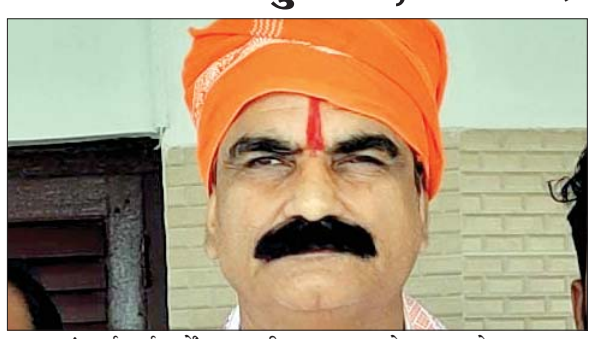

पड़ा एवं वर्षा कई वर्षों तक नही हुआ तो दरभंगा महाराज द्वारा इंद्र भगवान को प्रसन्न करने हेतु पूजा कराया गया एवं इन्द्रपुजनोत्सव का आयोजन किया ।उसके बाद वर्षा हुई और अकाल से मुक्ति हुई उसी समय से इन्द्रपुजनोत्सव का आयोजन किया गया ,वही संरक्षक सह पूर्व नगर उपाध्यक्ष अशोक पासवान के पुत्र मनोज पासवान जो इलाजरत है उसकी स्वस्थ होने की सभी वक्ताओं ने मंगल कामना किया ।मनोज पासवान की भागीदारी इस पूजा में महत्वपूर्ण होती थी ।नगरध्यक्ष एवं कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा बोला गया कि साफ सफाई सहित सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा ।प्रशिक्षु एसडीपीओ सह थानाध्यक्ष अंकुर कुमार द्वारा मेला में सुरक्षा एवं पुलिस गश्ती तेज करने की बात कहने के साथ कमलारोड ,स्टेशन रोड पर जाम की समस्या पर पुलिस तैनाती की बात कही ।बीडीओ राजीव रंजन द्वारा भी मेला पर पैनी नजर रखने सहित सरकारी लाभ उठाने के साथ शिक्षा पर चर्चा की ।वक्ताओं भूषण सिंह,राजेश सिंह,अनुरंजन सिंह,हीरा मांझी ,प्रदीप प्रभाकर,धर्मेंद्र भारद्वाज ,मोहमद जिलानी सहित अन्य लोगों ने मेला एवं इंद्र पूजा की जीवनी पर प्रकाश डाला ।अशोक पासवान ने मंच संचालन करते हुए बतलाया कि जयनगर में लगभग 75 सालों से इन्द्रपुजनोत्सव मनाया जाता रहा है ।

जुलूस ईद मिलादुन्नबी धूम धाम से निकाला गया

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी:हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलेहे वसल्लम के जन्मदिवस ईद मिलादुन्नबी के मौका पर जिला भर में खूब धूम धाम से मनाया गया सीतामढी शहर में शानो शौकत के साथ नारे तकबीर नारे रिसालत सरकार की आमद मरहबा मुख्तार की आमद मरहबा की गूंज के साथ जुलूस ऐ मोहम्मदी निकाला गया हेफाजत के पुख्ता इंतजाम किए गए थे शहर के कई मोहला से होते हुए जुलूस निकाला गया जैसे मुर्गियां चक, जानकी स्थान, होते हुए मेहसूल चोक पर खत्म होगया

राहुल गांधी के डीएनए में आरक्षण विरोधी नीतियां, देश तोड़ने वाली शक्तियों के साथ : सम्राट चौधरी

जब तक मोदी हैं तब तक कोई आरक्षण को छू भी नहीं सकता

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 16 सितंबर। बिहार के उप मुख्यमंत्री सह बिहार भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने आज आरक्षण को लेकर काँग्रेस और इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के डीएनए में ही आरक्षण विरोधी नीतियां हैं। उन्होंने कहा कि गांधी ने विदेश में जाकर लोकतंत्र का न केवल मजाक उड़ाने का काम किया बल्कि संविधान में बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर द्वारा दिए आरक्षण का भी मजाक उड़ाया। उन्होंने भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित नेहरू ने भी आरक्षण का विरोध करने के लिए सभी तत्कालीन मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा था। यही नहीं राहुल गांधी की दादी इंदिरा गांधी ने गरीबो, पिछड़ों को आरक्षण नहीं मिले इसके लिए काम किया था। राहुल गांधी के पिताजी राजीव गांधी ने जब मंडल कमीशन आया तब उसका विरोध किया। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि पूरा गांधी परिवार ने ही समय - समय पर आरक्षण का विरोध किया। जस तरह राहुल गांधी विदेश में जाकर आरक्षण का विरोध कर रहे हैं उससे साबित हो रहा है कि उनका डीएनए ही आरक्षण विरोधी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने का काम कभी आंध्र प्रदेश में तो कभी कर्नाटक में करती है। और जितने भी अल्पसंख्यक विश्वविद्यालय है वहां आरक्षण को समाप्त करने का काम कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोगों ने किया। कांग्रेस एक्सपोज हो चुकी है, यही कारण है कि जनता ने सही फैसला लेते हुए तीसरी बार नरेंद्र मोदी की सरकार बनाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते रहे हैं कि इस देश मे जब तक मोदी की सरकार है, आरक्षण को कोई छू भी नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर भाजपा जब भी सत्ता में रही आरक्षण का समर्थन किया। बिहार में जब कपूर्री ठाकुर की सरकार बनी और अति पिछड़ा को आरक्षण मिला तब भी जनसंघ के सहयोग था। मंडल कमीशन जब वी पी सिंह की सरकार ने लागू किया तब भी भाजपा समर्थन में थी।उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि आज राजद के नेता लालू यादव भी उसी राहुल गांधी की गोद मे खेल रहे हैं जो इन्हें मुखिया का चुनाव लड़ने तक का नहीं छोड़ा है। उन्होंने कहा कि लालू यादव की पार्टी 1990 से 2005 तक बिहार की सत्ता में रही लेकिन किसी को आरक्षण नहीं दिया। काँग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता चुनाव के दौरान आरक्षण और संविधान खतरे में है, कि बात करते हैं लेकिन आज राहुल गांधी के विदेश में जाकर आरक्षण समाप्त करने का बयान दे रहे उस पर कुछ नहीं बोलते। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि एक दौर में 30 वर्ष के युवा स्वामी विवेकानंद ने विदेश की धरती पर ज्ञान का अथाह समुद्र उड़ेलकर देश को गौरवान्वित किए थे और आज 54 वर्षीय युवा राहुल गांधी विदेश की धरती पर लोकतंत्र का मजाक बना रहे है। गांधी ने यह साबित किया कि वे देश तोड़ने वाली शक्तियों के साथ हैं, वह देश को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। आज के इस प्रेस वार्ता में मीडिया संयोजक दानिश इकबाल, मुख्यालय प्रभारी अरविंद शर्मा, सह मीडिया प्रभारी अमीत प्रकाश "बबलु", प्रभात मालाकार उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से बिहार भाजपा शुरू करेगी सेवा पखवाड़ा : प्रेम रंजन पटेल

सेवा पखवाड़ा के तहत विभिन्न कार्यक्रम, 2 अक्तूबर तक जारी रहेंगे

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 16 सितंबर। बिहार भाजपा 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से सेवा पखवाड़ा शुरू करेगी। इसके तहत नगर, गांव, चौपालों, सार्वजनिक स्थानों पर सेवा कार्य किया जाएगा। सेवा पखवाड़ा के तहत विभिन्न कार्यक्रम होंगे जो 2 अक्तूबर तक जारी रहेंगे। सेवा पखवाड़ा अभियान के प्रदेश संयोजक और पूर्व विधायक प्रेम रंजन पटेल ने आज प्रदेश कार्यालय में एक प्रेस वार्ता में बताया कि कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है। इसे लेकर कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी का पूरा जीवन अनुकरणीय है। उनके द्वारा गरीबो, शोषितों, दलितों के लिए योजना बनाना और उसे सरजमी पर कार्यान्वित करना एक मिसाल है।भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने बताया कि पीएम मोदी के जन्मदिन पर पूरे प्रदेश में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 17 सितंबर से 24 सितंबर तक प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व पर आधारित सचित्र प्रदर्शनी लगाई जाएगी। यह प्रदर्शनी जिला मुख्यालय, कॉलेज, संस्थान और प्रमुख स्थल पर लगाए जाएंगे। इस दौरान 17 से 19 सितंबर तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा तथा 19 से 22 सितंबर तक स्कूलों, अस्पतालों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 22 सितंबर को पेरिस पैरालंपिक 24 के प्रतिभागियों का सम्मान और दिव्यांगजनों के बीच उपकरण वितरण किया जाएगा। 23 सितंबर को आयुष्मान भारत योजना का चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा जबकि 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्म जयंती मनाई जाएगी। इसके तहत पौधरोपण किया जाएगा। इसके अलावा 26 सितंबर से 28 सितंबर तक जिलास्तर पर कला, ड्राइंग, रंगौली और निबंध प्रतियोगिता तथा 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री के ऊपर डॉ० आर बालासुब्रमण्यम द्वारा लिखित पुस्तक "ढङ्घद्यी१ ह्र३ँल्ल ळ्वौ छ्वीी१ ३ँस्त्र छ्वीूँ८ ड्ढा ठं१ील्लिर्१ ट्ढञ्जी" की विषय-वस्तु पर आधारित तथा आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत 2047, वोकल फॉर लोकल तथा मोदी सरकार की उपलब्धियों पर गोष्ठी व परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा।दो अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर स्वच्छता और सफाई अभियान, महापुरुषों की प्रतिमा की साफ सफाई , मंदिरों की सफाई और पुष्पांजलि की जाएगी।

झरिया के वासी कब पाएंगे बीसीसीएल के ओपन कास्ट कार्य के प्रदूषण से राहत?

जहांगीर की कलम से

झरिया, 16 सितंबरः झरिया के वासी पिछले कई वर्षों से बीसीसीएल (भारत कोकिंग कोल लिमिटेड) के ओपन कास्ट कोयला खनन के कारण हो रहे भीषण प्रदूषण से जूझ रहे हैं। वायु और ध्वनि प्रदूषण के कारण यहां के लोगों का जीवन दुभर हो चुका है। इन इलाकों में प्रदूषण का स्तर इतना बढ़ चुका है कि यह न केवल लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है, बल्कि वातावरण और पर्यावरण भी इसके गंभीर परिणाम झेल रहे हैं।

ओपन कास्ट कार्य और उसके दुष्प्रभाव*

बीसीसीएल के द्वारा संचालित ओपन कास्ट खनन झरिया कोयला क्षेत्र के लिए एक प्रमुख औद्योगिक गतिविधि है, लेकिन इसके दुष्प्रभाव ने स्थानीय लोगों का जीवन संकट में डाल दिया है। ओपन कास्ट खनन के दौरान भारी मात्रा में कोयला निकाला जाता है, जिससे लगातार धूल, धुआं और हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है। इनसे झरिया के वातावरण में अत्यधिक प्रदूषण फैलता है। दिन-रात चलने वाले खनन कार्यों से न केवल वायु प्रदूषण, बल्कि ध्वनि प्रदूषण भी गंभीर समस्या बन गया है।

ओपन कास्ट खनन के कारण उठने वाली धूल और कोयले के महीन कणों से हवा इतनी दूषित हो चुकी है कि श्वसन संबंधी बीमारियाँ, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और त्वचा रोग झरिया के निवासियों में आम हो चुके हैं। खासकर बुजुर्गों और बच्चों के स्वास्थ्य पर इसका गहरा असर पड़ रहा है। बारिश के दौरान धूल के कणों का जमाव सड़कों और घरों में होता है, जिससे जनजीवन और भी कठिन हो जाता है।

स्थानीय निवासियों का दर्द*

झरिया के निवासियों का कहना है कि बीसीसीएल के ओपन कास्ट खनन के कारण प्रदूषण का स्तर खतरनाक सीमा तक पहुंच गया है। एक स्थानीय निवासी, मोहम्मद असलम, जो कई वर्षों से इसी इलाके में रह रहे हैं, ने बताया, "हमारे बच्चों की सेहत पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। न सिर्फ साँस लेने में दिक्कत होती है, बल्कि हर समय घरों में धूल की परतें जमती रहती हैं। दिन में भी ऐसा लगता है जैसे हम किसी धुएँ की चादर में लिपटे हुए हों।महिलाओं और बच्चों के लिए यह स्थिति और भी कठिन हो चुकी है।

डॉक्टर की laparwahi se आंगनबाड़ी सेविका की मौत लोगों ने की जमकर बवाल, निजी अस्पताल में तोड़फोड़

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/विभूतिपुर :- विभूतिपुर प्रखंड के कापन ब्लॉक चौक के निकट स्थित निजी अस्पताल में इलाजरत एक आंगनबाड़ी सेविका की मौत से आक्रोशित लोगों ने जमकर तोड़फोड़ की। इस दौरान एक कक्ष में चिकित्सकों को भी बंधक बना हंगामा किया। सेविका ममता सैनी (28 वर्ष) प्रखंड के नरहन वार्ड-9 रामगढ़ गांव के निवासी पिन्टू कुमार राय उर्फ विशाल राय की पत्नी थी। वह नरहन रामगढ़ के आंगनवाड़ी केन्द्र 352 में कार्यरत थी।बताया गया है कई दिन पूर्व से वह बीमार चल रही थी। जिससे उसके शरीर मे खून की कमी के कारण उसे कापन चौक स्थित निजी अस्पताल में शनिवार को भर्ती कराया गया था। जहां चिकित्सक ने उसके शरीर में खून चढ़ाया गया। जिसके बाद उसकी तबीयत में सुधार हुआ था, लेकिन सुबह होते ही उसकी तबीयत फिर बिगड़ गयी। देखने के बाद डॉक्टर ने उसे रेफर कर दियादूसरे अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस भी बुलाया गया, लेकिन उस पर सवार होने के पहले ही सेविका की मौत हो गयी। जिसके बाद परिजन आक्रोशित हो गए। मौत की सूचना पर अन्य लोग भी अस्पताल पहुंच गए। उसके बाद इलाज में लापरवाही का आरोप लगा लोगों ने हंगामा करने के साथ अस्पताल में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इससे अस्पताल में अफरातफरी मच गयी। बताया गया है कि आक्रोशित लोगों ने अस्पताल में मौजूद डॉक्टर को एक कमरे में भी बंधक बना लिया।।अस्पताल में हंगामे की सूचना मिलने पर विभूतिपुर थाने की पुलिस पहुंची और लोगों को शांत कराने में जुट गयी। थानाध्यक्ष आनंद कुमार कश्यप ने लोगों को समझा बुझाकर रुम में बंद चिकित्सक को निकालकर शव को पोस्टमार्टम में भेज दिया। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. विवेक कुमार का कहना था कि वह बहुत पहले से बीमार चल रही थी। भर्ती के बाद जांच के बाद उसके शरीर में खून की कमी पाई गई। उपचार के बाद शनिवार की रात्रि में उसके हालत में सुधार भी होने लगा था। परंतु रविवार की सुबह तबियत बिगड़ने के बाद उसे रेफर कर दिया गया। एंबुलेंस पहुंचने के बाद उसकी मौत हो गई।

पीएचसी बलिया गांव से विषेश टीकाकरण अभियान का शुरूआत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज 15 सितम्बर रविवार। बिहार सरकार के स्वास्थ मंत्री श्री मंगल पाण्डेय के गांव स्थित हेल्थ एंड वेलनेश सेन्टर सह प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से सूबे के स्वास्थ मंत्री मंगल पाण्डेय के द्वारा वेब कास्टिंग के माध्यम से विषेश टीकाकरण अभियान शुभारम्भ किया।इसकी तैयारी को लेकर नोडल अधिकारी सह चिकित्सा अधिकारी सतीशचंद्र मिश्रा ने समीक्षा की। और इसकी जानकारी श्री मिश्रा ने दी और बताया की आज रविवार को पटना के फुलवारी शरीफ कुरकुरी स्वास्थ संस्थान से राज्य के सभी चयनित हेल्थ एंड वेलनेस केंद्र का वेबकास्टिंग के माध्यम से की है। बिहार के सभी जिलों में दो चयनित प्रखंडों मे दो दो हेल्थ

निवर्तमान पुलिस अधीक्षक विनय तिवारी के सम्मान में देर शाम एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन शहर के एक निजी उत्सव भवन में किया गया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

निवर्तमान पुलिस अधीक्षक विनय तिवारी के सम्मान में की देर शाम एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन शहर के एक निजी उत्सव भवन में किया गया। समारोह में समस्तीपुर के विभिन्न प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ-साथ समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग भी मौजूद थे। समारोह में विनय तिवारी के कार्यकाल की प्रशंसा और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें विदाई दी गई। इसके बाद वे रविवार को रेल एसपी का कार्यभार संभालने के लिये समस्तीपुर से मुजफ्फरपुर के लिये रवाना हो गये। रविवार की दोपहर भी समस्तीपुर शहर के कई जगहों पर लोगों द्वारा रोक-रोककर फूल-माला-पाग पहनाकर उन्हें विदाई दी गई। इस दौरान विनय तिवारी भी भावुक दिखे। उन्होंने अपने फेसबुक पर समस्तीपुर में बिताए पलों को याद करते हुए कविता भी लिखी है।

था। समस्तीपुर के साथ व्यतीत यह काल खंड अब पूर्ण हो गया है और आप सभी के साथ कार्य करके बहुत कुछ नया सीख कर व्यक्तित्व में कुछ नया समावेश भी हुआ है। जिससे जीवन के पथ पर आगे आने वाले दायित्वों का निर्वाह करने में अत्यधिक सहायता मिलेगी। सेवा के दौरान त्रुटियां भी होती हीं हैं। सहकर्मी से और स्वयं से भी। त्रुटि ही अवसर होता है कुछ सुधार करने का। जो त्रुटियां ज्ञात हो पाईं उनको सुधारने का प्रयास किया गया था। अन्य सभी प्रकार की ज्ञात अज्ञात सभी त्रुटियों पर भी समस्तीपुर का विशाल हृदय अपना प्रेम ही देगा।वैसे जीवन तो बहाव है। बहता रहता है। बहने की बात हो तो सबसे पहले बेतवा। बचपन उसी में बहते हुए निर्वाह किया है। बेतवा ने बहाया और गंगा में लाके छोड़ दिया , काशी ने गंगा से उठा कर गंडक में डुबकी लगवाई, गंडक ने गंगा सोन के संगम की उथल पुथल में तैरना सिखाया, सोन झ गंगा के संगम से बूढ़ी गंडक, बागमती , बाया ,बलान की धरती समस्तीपुर तक का रास्ता अब पूरा हो गया है।अब तक में जीवन में कुछ कुछ ही सीख पाया है। बहुत कुछ अभी भी सीखना बाकी है। जीवन है ही सीखने का दूसरा नाम। आने वाले रास्ते में जो भी चुनौतियां /दायित्व सामने आयेंगे वो और कुछ अलग और कुछ नया सिखाएंगे।प्रिय समस्तीपुरवासियों आप सभी के अभूतपूर्व सहयोग और अनंत प्रेम हेतु कोटि कोटि धन्यवाद।आप से जो सीखने को मिला, आप के जिस महान सदाचार से प्रेरणा मिली, आप के जिस अटल विश्वास से कठोर संकल्प बन पाए , आप ने जितना अधिक सहयोग किया वो अकल्पनीय और अनिर्वाचनीय है।समस्तीपुर में मिला अनुभव और यहां प्रकट हुईं अनुभूतियां जीवन को नई दिशा अवश्य प्रदान करेंगी।

आपका विधायक आपके द्वार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर :- मोरवा विधानसभा क्षेत्र के ताजपुर प्रखंड अंतर्गत गौसपुर सरसौना पंचायत में आपका विधायक आपके द्वार कार्यक्रम में सामिल हुए। जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनी और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।साथ ही पंचायत के सभी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं वार्ड अध्यक्ष का गठन किया गया।

अच्छे स्वास्थ्य का महत्व

आईशाफातमा
बड़ी दरगाह , नवादा 805110 (बिहार)

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सफलता की तुलना अक्सर भौतिक संपत्ति और उपलब्धियों से की जाती है और अच्छे स्वास्थ्य के महत्व को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। हालाँकि, स्वास्थ्य सबसे मूल्यवान संपत्ति है जिसे हासिल करने के लिए हर किसी को प्रयास करना चाहिए। यह पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति है जो किसी व्यक्ति को अच्छा जीवन जीने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाती है।

यहां हम स्वास्थ्य और धन के बीच के गहरे संबंध को समझने की कोशिश करेंगे। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि अच्छा स्वास्थ्य एक संपन्न और सार्थक अस्तित्व की नींव है।

शारीरिक स्वास्थ्यः-

शारीरिक स्वास्थ्य किसी व्यक्ति के समग्र कल्याण की नींव है। इसके बिना सभी भौतिक संपदा अपना वास्तविक मूल्य खो देती है। एक स्वस्थ शारीरिक स्थिति व्यक्ति को अवसरों का लाभ उठाने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाती है। जब किसीव्यक्ति का स्वास्थ्यअच्छा होता है, तो उसकी ऊर्जा और क्षमता बढ़ जाती है - इसके परिणामस्वरूप, विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में शामिल होने की उसकी क्षमता बढ़ जाती है, और एक सफल करियर बनता है। इसके अलावा, अच्छा स्वास्थ्य कई बीमारियों की संभावना और उनकी चिकित्सा लागत को कम कर देता है। इस प्रकार, अच्छा स्वास्थ्य वित्तीय स्थिरता में प्रभावी भूमिका निभाता है। स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने के लिए, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम दिनचर्या और पर्याप्त आराम के माध्यम से शारीरिक फिटनेस को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है।

मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्यः- शारीरिक स्वास्थ्य के अलावा, मानसिक और भावनात्मक कल्याण हमारे समग्र स्वास्थ्य में अभिन्न भूमिका निभाते हैं। जब हम मानसिक कल्याण को प्राथमिकता देते हैं, तो हम भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सकारात्मक चरित्र विकसित करते हैं। ये कारक तनाव को प्रबंधित करने, चुनौतियों पर काबू पाने और स्वस्थ रिश्ते बनाए रखने की हमारी क्षमता में स्वचालित रूप से योगदान करते हैं। मानसिक स्वास्थ्य में निवेश करने से व्यक्तिगत विकास, रचनात्मकता और नवीनता बढ़ती है।

इसके अलावा, अच्छा मानसिक स्वास्थ्य हमें अच्छे निर्णय लेने, अपने वित्त को बुद्धिमानी से प्रबंधित करने और एक सुरक्षित भविष्य के साथ-साथ अपने और अपने प्रियजनों के लिए एक आदर्श और खुशहाल रिश्ता बनाए रखने में मदद करता है.

सामाजिक संबंधः-

हम मनुष्य सामाजिक प्राणी हैं, और समाज के साथ स्वस्थ संबंध रखना हमारी भलाई के लिए महत्वपूर्ण है। मजबूत सामाजिक रिश्ते बनाए रखना हमारे मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक स्वस्थ आबादी एक समृद्ध राष्ट्र की नींव है। यदि हम शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हैं तो हम अपने राष्ट्र की वृद्धि और विकास में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। इस प्रकार हम अपने राष्ट्र के अधिक कुशल और सक्रिय नागरिक बनते हैं और अपने परिवार के साथ-साथ समाज के बेहतर विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं इसके अलावा, एक अच्छी तरह से विकसित सोशल नेटवर्क कठिन समय के दौरान सुरक्षा कवचके रूप में कार्य कर सकता है। क्योंकि, दोस्त और परिवार हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं जो भावनात्मक स्थिरता प्रदान करते हैं और हमारी समग्र खुशी में योगदान करते हैं। अच्छे सामाजिक संबंध होने से हमारे जीवन में सुधार हो सकता है और साथ ही मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, अकेलापन या इससे भी बदतर समस्याएं कम हो सकती हैं। अवसाद का खतरा भी कम हो जाता है.

आध्यात्मिक स्वास्थ्यः-

यह एक व्यक्ति की आंतरिक भलाई है जिसमें उसकी आस्था, मूल्य और ईश्वरके साथ संबंध शामिल हैं। आध्यात्मिक स्वास्थ्य महत्वपूर्ण है क्योंकि यह लोगों को उनकी आंतरिक शांति और दूसरों और उनके आसपास की दुनिया के साथ जुड़ाव की भावना खोजने में मदद करता है। यह मानसिक और भावनात्मक कल्याण में सुधार करता है, तनाव कम करता है, रिश्तों में सुधार करता है। और कृतज्ञता, दयालुता औरजनकल्याणकीभावनाओं को बढ़ाने में मदद करता है।हर किसी को आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों में भाग लेना चाहिए, जैसे ध्यान, प्रार्थना, प्रकृति में समय बिताना, ध्यान का अभ्यास करना या कल्याणकारी गतिविधियों में भाग लेना।यह निश्चित रूप से व्यक्ति को आध्यात्मिकता की भावना विकसित करने और सच्ची आंतरिक खुशी का अनुभव करने में मदद कर सकता है जिसका अंततः रोजमर्रा की जिंदगी में लाभ उठाया जा सकता है।स्वास्थ्य और शिक्षा के बीच संबंधः--अच्छा स्वास्थ्य और शिक्षा कई मायनों में जुड़े हुए हैं। जब आप स्वस्थ होते हैं, तो सीखना और पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करना आसान होता है। जब आप बीमार हों या अच्छा महसूस नहीं कर रहे हों, तो स्कूल जाना और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो सकता है। हमें स्वस्थ रखने में शिक्षा भी बड़ी भूमिका निभाती है। जब हम पौष्टिक भोजन खाने, व्यायाम करने और अपने शरीर की देखभाल करने जैसी चीजों के बारे में सीखते हैं, तो हम बेहतर स्वास्थ्य प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। जो लोग बेहतर शिक्षित होते हैं वे अक्सर स्वस्थ रहने और बीमारी से बचने के बारे में अधिक जानते हैं।

अंततः, "स्वास्थ्य ही धन है" कहावत में गहन ज्ञान है जो हर युग और संस्कृतियों पर लागू होता है। यह एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि सच्ची समृद्धि न केवल भौतिक समृद्धि में बल्कि शारीरिक और मानसिक कल्याण में भी निहित है। स्वास्थ्य और धन की परस्पर निर्भरता को पहचानते हुए, व्यक्ति अपने समग्र कल्याण को प्राथमिकता दे सकते हैं। स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और समृद्ध समाज ही समृद्ध जीवन की नींव हैं।

आइए अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें, यही वह आधार है जिस पर हम अपनी सफलता सुनिश्चित करते हैं। कुल मिलाकर, अच्छा स्वास्थ्य हमारे लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण संपत्ति है!

सीएम ने कहा था: जुलाई तक पूरा हो जमीन सर्वे

डिप्टी सीएम बोले- कोई डेडलाइन नहीं; जब तक लोग दस्तावेज से संतुष्ट नहीं होंगे, जारी रहेगा

पटना। जमीन सर्वे को लेकर लोगों में मची अफरातफरी के बीच राज्य सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जमीन सर्वे को लेकर कोई डेडलाइन नहीं है। लोगों की संतुष्टि तक सरकार सर्वे जारी रखेगी। जब तक लोग अपने सभी तरह के डॉक्यूमेंट्स उपलब्ध नहीं कराएंगे, सर्वे जारी रहेगा। पैनिक होने की जरूरत नहीं है। उपमुख्यमंत्री के इस बयान के बाद जमीन बंटवारे और अपडेट डॉक्यूमेंट्स लेकर अंचल कार्यालयों (उड ऑफिस) दौड़ रहे लोगों (रैयतों) के लिए यह राहत वाली खबर है। इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी कहा था कि जमीन सर्वे का काम जुलाई तक पूरा किया जाए। इससे पहले 3 जुलाई को सीएम नीतीश कुमार ने कहा था कि जमीन सर्वे का काम जुलाई 2025 के पहले जरूर पूरा किया जाए। यह काम विधानसभा चुनाव के पहले हर हाल में हो। दरअसल जमीन संबंधी दस्तावेज में कई पेचीदगी आ रही है। जिसके कारण पूरे राज्य में कई तरह की अफवाह भी है, जैसे पेपर कंप्लीट नहीं होगा तो जमीन सरकार की हो जाएगी। सर्वे को लेकर लोगों में तनाव है। अब डिप्टी सीएम की इस घोषणा के बाद राहत मिलेगी। राज्य के कुल 45 हजार 749 मौजों में से 38 हजार 211 मौजों में सर्वे शुरू हुआ है। सिर्फ शहरी, असर्वेक्षित (जिसका सर्वे न हुआ हो) 2611 मौजों में ही सर्वे बाद में होना है। बीते 3 जुलाई को जमीन सर्वे के लिए काट्रैक्ट पर बहाल 9888 लोगों के नियोजन पत्र वितरण

समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहा था, 'मैं हाथ जोड़ता हूं। कहिए तो पैर भी छू लूं, लेकिन जमीन सर्वे का काम जुलाई 2025 के पहले जरूर पूरा किया जाए। यह काम विधानसभा चुनाव के पहले हर हाल में हो। इसके चलते जमीन के डॉक्यूमेट और अपडेट लगान रसीद के लिए अंचल कार्यालयों में लोगों का भारी दबाव है। बड़े पैमाने पर आपसी बंटवारा नहीं होने से मामला और पेचीदा हो गया है।जस्व एवं भूमि सुधार विभाग लोगों की समस्याओं को तत्काल और तेजी से निपटाने में सफल नहीं हो पा रहा है। चार चरणों- किस्तवार, खानापुरी, सुनवाई और लगान बंदोबस्ती में सर्वे का काम पूरा होता है। सबसे पहले किस्तवार (गांव की बाउंड्री और उसके अंतर्गत खेत का नक्शा निर्माण) होता है। फिर खानापुरी (प्लॉट का मालिक तय करना) करके खानापुरी पर्चा (खेत का कागज यानि कच्चा खतियान) तैयार होता है। ये दोनों काम जमीन पर पूरा करने के बाद संबंधित गांव और खेत का खेसरा पंजी (खेत का आंकड़ा) तैयार कर खेत का नक्शा (एलपीएम- लैंड पार्सल मैप) और खेत का कागज (खानापुरी पर्चा) संबंधित जमीन मालिक को दिया जाता है। इन दोनों डॉक्यूमेंट्स के आधार पर रैयत (जमीन मालिक) को सर्वेक्षण कार्य की जानकारी प्राप्त होती है। जांच के बाद खतियान का अंतिम रूप से प्रकाशन होता है और इस तरह संबंधित गांव (मौजों) के सर्वे का काम पूरा हो जाता है। 90 साल के बाद बिहार में जमीन सर्वेक्षण के लिए साल 2011 एक्ट और साल 2012 में नियमावली बनाकर विशेष जमीन सर्वेक्षण हो रहा है। बिहार में पहला जमीन सर्वेक्षण साल 1890 के बाद शुरू हुआ था, जो 1920 यानी 30 सालों तक चला था। उस समय सर्वेक्षण में पहली बार ग्रामवार जमीन के पैमाना आधारित नक्शा और खतियान (अधिकार-अभिलेख) बनाया गया।आजादी के बाद 1952 में पुनरीक्षित (रिविजनल) सर्वे शुरू किया गया, जिसका आधार और पूरी कार्य प्रणाली कैडेस्ट्रल सर्वे के समान ही थी। फिर जमीन की संरचना और स्वामित्व में हुए बड़े बदलाव को देखते हुए आधुनिक तकनीकी आधारित जमीन सर्वेक्षण के लिए बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त अधिनियम 2011 और नियमावली 2012 बनाई गई।

संक्षिप्त डायरी

झरने पर पिकनिक मनाने गए सैलानी 16 घंटे फंसे रहे, एनडीआरएफ ने सुबह सुरक्षित निकाला

कैमूर। जिले में करकट गढ़ जल प्रपात पर एक दर्जन सैलानी मूसलाधार बारिश के बीच घंटों फंसे रहे। ये सैलानी रोहतास जिले के कोचस के निवासी हैं और रविवार की देर शाम अचानक बढ़े पानी के कारण जल प्रपात पर फंस गए थे। लेकिन एनडीआरएफ की टीम ने सोमवार की सुबह सभी को सुरक्षित निकाल लिया। जानकारी के मुताबिक, कैमूर पहाड़ियों पर लगातार मूसलाधार बारिश हो रही थी, जिससे जल प्रपात का पानी तेजी से बढ़ गया। इस वजह से सैलानी 16 घंटे तक पेड़ों के बीच और पानी की तेज धारा के बीच फंसे रहे। वहीं, जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी और एसपी ने मामेल को गंभीरता से लिया और चैनपुर पुलिस को गौतखोरों के साथ मौके पर भेजा। इसके बाद पानी की बढ़ती धारा के कारण डैम को जिलाधिकारी के आदेश पर बंद किया गया। साथ ही आरा से एनडीआरएफ की टीम रात एक बजे मौके पर पहुंची और सुबह तक सभी सैलानियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बताया जा रहा है कि सैलानियों की सुरक्षित निकासी बड़ी चुनौती थी, लेकिन कड़ी मेहनत और समन्वय के बाद सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। गौरतलब है कि करकट गढ़ जल प्रपात कैमूर जिला मुख्यालय से 45 किलोमीटर और चैनपुर थाना से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस घटना ने दिखाया कि अचानक मौसम परिवर्तन से उत्पन्न आपात स्थितियों से निपटने के लिए त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया कितनी महत्वपूर्ण होती है।

सारण में तिरंगे के अपमान को लेकर बवाल, जुलूस के दौरान प्रदर्शन का वीडियो वायरल, दो गिरफ्तार

सारण । तिरंगा के साथ एक पक्ष लोगों ने छेड़छाड़ की है। तिरंगे में अशोक चक्र की जगह पर दूसरे देश का प्रतीक चिन्ह लगा दिया गया है। घटना जिले के कोपा थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। वही इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष के दिशा निर्देश में संबंधित कोपा थाने की पुलिस ने त्वरित कार्यवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मिलाद-उल-नबी के जुलूस के दौरान राष्ट्रीय झंडा का वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद जुलूस में शामिल दो युवकों को स्थानीय थाने की पुलिस गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ चल रही है। स्थानीय कोपा थाना क्षेत्र में जुलूस के दौरान राष्ट्रीय तिरंगा के साथ छेड़छाड़ की गई। इसका वीडियो वायरल हुआ तो इलाके में हड़कंप मच गया। इधर, इस मामले में सारण के पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई करते हुए संबंधित कोपा थाने के थानाध्यक्ष को प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। पुलिस का कहना है कि राष्ट्रीय ध्वज के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ भारतीय ध्वज संहिता- 2002 का खुला उल्लंघन है। वहीं स्थानीय लोगों और दूसरे पक्ष ने इस घटना का विरोध किया और कहा कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले। राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कुछ लोग सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ना चाहते हैं। पुलिस इन पर कड़ी कार्रवाई करे। सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने बताया कि मिलाद- उल- नबी के जुलूस में तिरंगा झंडा फहराने में मामले में पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पिक अप वाहन सहित कथित झंडे को जब्त कर लिया गया है। साथ ही दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इसमें शामिल अन्य सभी व्यक्तियों को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। वही आम जनता से अपील है कि शांति बनाए रखें एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई किया जाएगा।

फतुहा रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की मांग: अधिकार एकता मंच ने किया प्रदर्शन

पटना। फतुहा स्टेशन पर मानव अधिकार एकता मंच ने यात्री सुविधा और ट्रेन ठहराव की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। केंद्र और राज्य सरकार से स्टेशन का नाम बदलकर त्रिवेणी संगम करने की मांग की है। मंच के प्रदेश अध्यक्ष राम यतन यादव ने कहा कि पटना-धनबाद एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस, जन शताब्दी, राजेंद्रनगर-बांका और बुध पूर्णिमा एक्सप्रेस का ठहराव होना चाहिए। साथ ही स्टेशन के पूर्वी छोर पर फुट ओवरब्रिज बनने से यात्रियों को सुविधा होगी। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने एक मांग पत्र फतुहा स्टेशन प्रबंधक को सौंपा है। इसके अलावा गुलजारबाग, बंका घाट, खुसरूपुर और करौटा स्टेशनों पर भी यात्री सुविधा के साथ ट्रेन ठहराव की मांग रखी है। इस मौके पर शत्रुघ्न प्रसाद सिंह उर्फ गांधी जी, विजय कुमार, रोहित कुमार, संतोष कुमार, रणवीर कुमार, विनोद दास, सत्यम कुमार, सुनीता देवी और समाजसेवी गजेंद्र प्रसाद सिंह समेत कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पत्नी का सिर काटा, हाथ में लेकर थाने आ रहा था

मधेपुरा । एक पति ने अपनी पत्नी की गला काटकर हत्या कर दी। फिर पत्नी का कटा सिर लेकर घूमने लगा। वह कटा सिर हाथों में लेकर थाने में सरेंडर करने जा रहा था, इस बीच पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ करने पर कहने लगा कि वह पत्नी का सिर थाने में ही देगा। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी पति अर्जुन शर्मा (37) ने अवैध संबंध के शक में अपनी पत्नी (35) का धारदार दबिया से गला काट दिया। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। यह घटना श्रीनगर थाना क्षेत्र के पोखरिया टोला वार्ड संख्या 2 की है। ग्रामीण मो. नजीर ने बताया कि आरोपी अर्जुन हाथ में एक झोला लेकर थाने की ओर आ रहा था। फिर झोले में कटा सिर देख सभी दंग रह गए। जब उससे पूछा गया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या क्यों कि तो उसने अवैध संबंध की बात कही। इसके बाद कटे हुए सिर के साथ उसको थाने ले जाया गया। इस दौरान वह सिर को छोड़ने के लिए भी तैयार नहीं था। ग्रामीण के मुताबिक, महिला को तीन बेटे भी हैं। हेड क्वार्टर DSP मनोज मोहन ने कहा कि सोमवार की सुबह 7 बजे श्रीनगर थानाध्यक्ष को सूचना मिली थी कि पोखरिया के वार्ड 2 निवासी अर्जुन शर्मा ने अपनी पत्नी पूजा देवी (35) की हत्या कर दी है।

खाली प्लाट पर कचरा, तो पड़ोसी करेंगे सफाई

लगेगा जुमार्ना: शहर में 128 खाली प्लॉटों पर कचरे का अंबार, एक बार निगम करेगा साफ, फिर एक्शन

पटना। शहर को साफ-सुथरा रखने के लिए पटना नगर निगम का नया एक्शन प्लान तैयार हुआ है। अब किसी भी खाली प्लॉट में कचरा फेंकने वालों पर कार्रवाई होगी। इसके लिए नगर निगम ने सर्वे कराया है। सर्वे रिपोर्ट में सामने आया है कि शहर के 128 ऐसे खाली प्लॉट हैं, जहां आसपास के लोग कचरा फेंक रहे हैं। जियो फोटो के साथ उस जगह की पहचान की गई है। इसके बाद नगर निगम ने यहां सफाई व्यवस्था के लिए नया फॉमूर्ला तैयार किया है। इसके तहत कचरा फेंकने वाले जगहों पर जाकर वहां के आसपास के पड़ोसियों से शपथ-पत्र भरवाया जाएगा। इस शपथ-पत्र में खाली प्लॉट में कचरा नहीं फेंकने पर सहमति ली जाएगी। इसके बाद निगम प्रशासन एक बार उस प्लॉट से कचरा साफ करा देगा। यदि इसके बाद फिर से उस प्लॉट में कचरा फेंका गया, तो वहां के लोगों से ही उस जगह की सफाई कराई जाएगी। इसके लिए रहवासियों का श्रमदान लिया जाएगा। इसके बाद भी लोग नहीं मानेंगे, तो निगम प्रशासन जुमार्ना भी लगाएगा। इस नई व्यवस्था को निगम प्रशासन 17 सितंबर से लागू करने जा रहा है। पटना नगर निगम के नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर ने कहा कि प्राइवेट जमीन और प्लॉट पर वहां के पड़ोसी किसी भी समय कूड़ा-कचरा फेंक देते हैं। इस संबंधित जगहों का सर्वे कराकर इसकी पहचान कर ली गई है। इसकी सफाई नगर निगम एक बार करेगा, फिर उसके बाद वहां के लोगों से श्रमदान कराकर सफाई कराई जाएगी। कचरा फेंके जाने वाले प्लॉट को साफ करने से पहले उसकी वास्तविक फोटो ली जाएगी। पहचान किए गए ऐसे प्लॉटों की पूर्ण सफाई दो अक्टूबर तक करने का लक्ष्य है। गंदगी से भरे प्लॉट को साफ करने के बाद उसकी दूसरी तस्वीर ली जाएगी। इसके बार इसे जारी किया जाएगा। सर्वे के दौरान यह पाया गया है कि खाली प्लॉट में किसी भी समय वहां के पड़ोसी कचरा फेंक रहे हैं। शहर में बाजार समिति और आसपास का एक ऐसा वार्ड है, जहां एक ही वार्ड में डेढ़ लाख से अधिक लोग निवास करते हैं। यहां काफी सघन आबादी है। निगम प्रशासन ने यहां वार्ड क्रमांक-47 में नए सिरे से साफ-सफाई करने का निर्णय लिया है।

मंत्री बिजेंद्र यादव ने पहले कहा: जदयू में नहीं हूं, फिर बोले: मजाक किया

मीटिंग के पोस्टर में फोटो नहीं होने से थे नाराज, बोले- बैठक को लेकर बताया नहीं

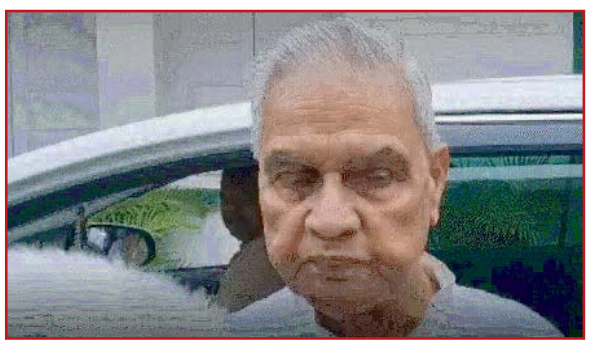

पटना । जदयू की बैठक हो रही है। कपूर्री सभागार में हुई इस मीटिंग में पार्टी के सभी सीनियर लीडर मौजूद रहे। बैठक में पहुंचने पर मंत्री बिजेंद्र यादव की नाराजगी की खबर आई। बताया गया कि पोस्टर में फोटो नहीं होने से मंत्री नाराज हो गए। उनकी नाराजगी इस बात को लेकर भी थी कि इस बैठक की पहले से कोई सूचना नहीं दी गई थी। गुस्से में उन्होंने पत्रकारों से ये तक कहा कि मैं जदयू में नहीं हूं। हालांकि बैठक में वो शामिल हुए। मीटिंग के बीच जब वो बाहर निकले तो मीडिया ने उनसे नाराजगी को लेकर सवाल किया, जिसपर जदयू के वरिष्ठ नेता ने कहा कि कोई नाराजगी नहीं है। मजाक में कह दिया था। नाराज होता तो मीटिंग में क्यों आता। इधर जदयू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह ने विजेंद्र यादव की नाराजगी पर कहा कि वो पार्टी के सीनियर लीडर हैं। अगर वो पार्टी के किसी बात से नाराज हैं, तो उस पर बात किया जाएगा। यह ठीक नहीं है। पार्टी में कहीं कोई नाराजगी नहीं है। जेपी आंदोलन से एक समाजवादी नेता के तौर अपनी राजनीति शुरू करने वाले बिजेंद्र प्रसाद यादव जेडीयू के कद्दावर नेता है। नीतीश कुमार के सबसे भरोसेमंद नेताओं में उन्हें माना जाता है। बिजेंद्र यादव सुपौल सीट से लगातार 8वीं बार विधायक बने हैं और नीतीश सरकार में कैबिनेट मंत्री। तीन दशक के सियासी सफर में बिजेंद्र यादव सिंचाई, वित्त, ऊर्जा और विधि जैसे भारी भरकम मंत्रालय का कार्यभार संभाल चुके हैं। तेजस्वी के जासूसी के आरोप पर मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि अगर किसी की जासूसी कराई जा रही है, तो सतर्क रहना चाहिए। सरकार की तरफ से कहीं किसी की जासूसी नहीं कराई जा रही है। वहीं, तेजस्वी की तरफ से अपराध का डेटा जारी करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि विधि व्यवस्था में सुधार हो रहा है। यह अपनी जगह है। सुशासन की सबसे बड़ी पहचान यही होती है कि अगर अपराध होता है, तो अपराधी जेल के अंदर होते हैं। अगर अपराध हुआ है तो कितने बड़े-बड़े कांड का खुलासा हुआ है। आनेवाले चुनाव को लेकर ये बैठक अहम मानी जा रही है। हाल में ही पार्टी में संगठन लेवल पर बड़े पैमाने पर बदलाव हुए हैं। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा की अध्यक्षता में हो रही इस बैठक में आगामी चुनाव की रणनीति पर चर्चा होगी। साथ ही पार्टी जिन सीटों पर चुनाव लड़ेगी, उम्मीदवारों के चयन को लेकर भी चर्चा की जाएगी।

सोमेश्वर नाथ मंदिर में पकड़ा गया फर्जी कुष्ठ रोगी भिखारी

मोतिहारी । अरेराज सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर में तेरस और अनंत चतुर्दशी पर लगने वाले दो दिवसीय मेले में एक फर्जी भिखारी पकड़ा गया है। जानकारी के अनुसार उसने अपने पाव में आटा, तेल और कोई केमिकल लगाया हुआ था। जबकि वह इस कदर बैठा था मानो उसे गंभीर कुष्ठ रोग हो गया है। मेला घूमने आए अरेराज बीडीओ आदित्य दीक्षित की नजर उस भिखारी पर पड़ी। जब उन्हें शक हुआ तो पूछताछ शुरू किया गया। तब जा कर इस बात का खुलासा हुआ कि यह तो पूरी तरह ठीक है। इसे कुछ नहीं हुआ है। इसके बाद उसे डाट फटकार लगाया गया और फिर उसने अपना पाव साफ किया। वहां मौजूद सभी लोग यह घटना देख कर चौक गए। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सभी कुष्ठ रोगी का सरकार मुफ्त इलाज करा रही है। इसके बाद भी यह इलाज कराने की जगह यहां बैठा था। भिखारी को फिर बीडीओ मनरेगा के तहत काम देने के लिए कहने लगे।

मांगों को लेकर राजद ने राजभवन तक किया मार्च

पटना। राजद नेताओं-कार्यकताओं ने बिहार में बढ़ते अपराध एवं गिरती विधि व्यवस्था के विरोध में रविवार को राजभवन मार्च किया। हालांकि, इसमें पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मौजूद नहीं थे। प्रदेश राजद कार्यालय से 500 मीटर दूर आयकर गोलंबर तक के मार्च में प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद और सीनियर नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी भी शामिल नहीं हुए। पार्टी के अन्य वरीय नेताओं उदय नारायण चौधरी, भोला यादव, जयप्रकाश यादव, दीनानाथ यादव ने अपराध की 105 घटनाओं की सूची राजभवन सचिवालय को सौंप उचित कार्रवाई की मांग की। आयकर गोलंबर पर बैरिकेडिंग के कारण वहीं धरना दिया।

फिर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने के लिए राजद नेताओं को राजभवन ले जाया गया। इस दौरान नेताओं ने कहा कि बिहार में जब से एनडीए की डबल इंजन की सरकार बनी है, तब से बिगड़ी विधि व्यवस्था और बढ़ते अपराध के कारण लोगों का जीवन यापन भयावह है। आम नागरिक असुरक्षित हैं। हत्या, लूट, छिनतई और दुष्कर्म की घटनाएं प्रतिदिन बढ़ रही हैं। सरकार का इकबाल समाप्त हो जाने के कारण अपराधी मस्त हैं। पुलिस-प्रशासन पस्त है।

आमजन त्रस्त है। मार्च में बीनू यादव, विजय कृष्ण, रामानंद यादव, भाई विरेन्द्र, रीतलाल यादव, अनिरुद्ध यादव, रेखा देवी पासवान, दीनानाथ सिंह यादव, रणविजय साहू, भाई अरुण आदि शामिल रहे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि राजद को अपराध पर प्रदर्शन करने का नैतिक अधिकार नहीं है। प्रदेश में राजद को अपराध को जन्म देने वाला माना जाता है। राजद नेताओं को अपने शासनकाल और आज हो रहे अपराध का तुलनात्मक चार्ट जरूर पढ़ना चाहिए। बिहार में अपराध राजद की ही देन है।

भागलपुर में गंगा में समाए घर, आंगनबाड़ी केंद्र

कैमूर में वाटरफॉल में फंसे 11 लोगों को एनडीआरएफ ने बचाया, 19 जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट

पटना। बिहार में बीते कुछ दिनों से मानसून फिर एक्टिव है। कई जिलों में बारिश हुई है। वहीं आज पटना समेत 19 जिलों में बारिश होने की संभावना है। लगातार बारिश से प्रदेश की नदियों का जलस्तर भी बढ़ा है। भोजपुर और बक्सर में गंगा वर्निंग लेवल के पास पहुंच गई है। वहीं भागलपुर में गंगा का कटाव डराने लगा है। कहलगांव प्रखंड के पुरानी मसाढ़ू में गंगा के कटाव जारी है। इसमें निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केंद्र का भवन, एक मकान और एक बिजली का पोल गंगा नदी में समा गया। वहीं, नदी के किनारे पर स्थित 25 से ज्यादा घरों पर भी अब कटाव का खतरा मंडराने लगा है। वहीं कैमूर में करकटगढ़ वाटरफॉल घूमने गए 11 युवक पानी में फंस गए थे। 12-15 युवक पिकनिक मनाने गए थे, अचानक से कर्मनाशा नदी में पानी बढ़ गया, धार को बढ़ती देख कुछ युवक उत्तर प्रदेश की तरफ भागे और कुछ वहीं बीच जलधार के ऊंचे टापू पर मौजूद पेड़ पर चढ़ गए थे। रात भर पेड़ में चढ़कर इन लोगों ने अपनी जान बचाई। सोमवार को एनडीआरएफ ने करीब एक घंटे की मेहनत के बाद सभी को सुरक्षित निकाल लिया। युवकों के फंसने की जानकारी उसके कुछ साथियों ने नीचे आकर जिला प्रशासन को दी। इसके बाद कैमूर प्रशासन ने उत्तर प्रदेश प्रशासन से संपर्क करके पानी को बांध में छोड़ने से बंद कराया। इससे पानी का फ्लो तो कम हो गया, लेकिन बारिश तेज होने के कारण स्थिति वही बनी रही। धार कम नहीं होने के कारण पूरी रात सभी लड़के फंसे रह गए। सोमवार को 40 की संख्या में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची हुई है। टीम की ओर से रेस्क्यू करने की कोशिश जारी है। लोगों के अनुसार वहां पर फंसे सभी लड़के रोहतास जिले के कोचस के रहने वाले है। कहलगांव में गंगा का जलस्तर बढ़ने लगा है। केंद्रीय जल आयोग के अधिकारी के अनुसार, यहां प्रति दो घंटे में गंगा एक सेंटीमीटर बढ़ रही है। रविवार शाम 6 बजे गंगा का जलस्तर 30.76 मीटर था, जो चेतावनी लेवल से 67 सेंटी मीटर ऊपर है। गंगा का जलस्तर और बढ़ने की संभावना है। इससे लोग सहमे हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कटाव इस कदर हो रहा है कि पलक झपकते गंगा नदी में घर और जमीन विलीन हो जा रहे हैं। लोग अपने मकान के जरूरी सामान सहित दरवाजे, खिड़की आदि जरूरी सामान निकाल कर पलायन की तैयारी में जुट गए हैं। बिहार के 19 जिलों में आज बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। इनमें 5 जिलों में हैवी रैन को लेकर ऑरेंज और 14 जिलों में हलकी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने किसानों और आम लोगों को इस दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है। वहीं, पिछले 24 घंटे के दौरान गोपालगंज जिला सबसे ज्यादा गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 34.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं, पटना का अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बिहार में मानसून की गतिविधि, वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ने और बादल के नीचे होने के कारण प्रदेश के कुछ जिलों में वज्रपात की आशंका हैं। इस दौरान गंडक, बागमती, पुनपुन, सोन आदि नदी के जलस्तर में वृद्धि होने की संभावना है। निचले क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या बन सकती है। पूरे बिहार में अब तक 26 प्रतिशत कम बारिश देखने को मिली है। 15 सितंबर तक 892 एमएम बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन 658.3 एमएम ही बारिश हुई है।

योगी ने बच्चे को हाथों से खिलाया चाकलेट

बहराइचः भेड़िए के हमले में मारे गए मासूमों के परिजनों से की मुलाकात

बहराइच। सीएम योगी रविवार शाम बहराइच पहुंचे। भेड़िए के हमलों से प्रभावित महसी तहसील का हवाई निरीक्षण किया। योगी ने हमले में मारे गए मासूमों के परिजनों से भी मुलाकात की। बच्चों को चाकलेट दिए। एक बच्चे को अपने हाथों से चाकलेट खिलाया। मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर महसी तहसील के सिसईया चूड़ामणि में बने हेलीपैड पर उतरा। कुछ देर में सीएम जिले के अफसरों और जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। विकास कार्यों पर भी चर्चा करेंगे। बहराइच में दो महीने में भेड़िए के हमलों में 10 लोग जान गंवा चुके हैं, जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल हो चुके हैं। वन विभाग ने अब तक 5 भेड़ियों को पकड़ लिया है, जबकि एक लंगड़ा भेड़िया अभी भी पकड़ से दूर है। योगी ने कहा- हमने केंद्र सरकार के सहयोग से 56 लाख गरीबों को आवास उपलब्ध कराया

है। कुछ लोग गर्मी के कारण घर के बाहर सोते हैं, उसमें ही जंगली जानवर को अवसर मिलता है। जिन लोगों ने दरवाजे नहीं लगवाए थे। उनकी भी मदद की गई है। स्वच्छ भारत मिशन में हर परिवार को शौचालय दिए गए। इस क्षेत्र में पेट्रोलिंग के निर्देश हैं। अफसरों से कहा है कि यदि कोई व्यक्ति आवास से वंचित है, तो मुख्यमंत्री आवास योजना से आवास दिए जाएं। मैंने इन गांवों का सर्वे किया है। जनजीवन सामान्य है। लेकिन, सतर्कता की आवश्यकता है। जब तक भेड़िया पकड़ा नहीं जाता है, वन विभाग की टीम तैनात रहेगी। सीएम ने कहा- स्थानीय प्रशासन ने बेहतर समन्वय से अच्छा काम किया है। मैं पीड़ित परिवारों से भी मिला। आगे की क्या रणनीति है, इस पर भी विचार किया गया है। हमारी सरकार ने वन्यजीव संघर्ष को आपदा की श्रेणी में रखा है। इसलिए हम पीड़ित परिवार को 5 लाख की सहायता देते हैं। जो घायल हैं, उनके बेहतर इलाज की व्यवस्था की गई है। सीएम योगी ने कहा- एक बात कॉमन देखी गई कि बारिश के सीजन में जब इन जंगली जानवरों की जगह पर पानी घुस जाता है तो वे आबादी की तरफ चले जाते हैं। तब ऐसे हमले देखने को मिलते हैं। इस बार भी जब सरयू में पानी बढ़ा और क्षेत्र में जलजमाव हो गया तो 17 जुलाई को पहली घटना देखने को मिली। एक साल के बच्चे को भेड़िए ने अपना शिकार बना लिया था। भेड़िया एक गांव में हमला नहीं करता। वह अलग-अलग गांवों में हमला करता है। एक सितंबर को आखिरी हमला हुआ था। आज 15 सितंबर है, इस बीच कोई जनहानि की सूचना नहीं मिली है। क्षेत्र में वन विभाग के 165 कर्मचारियों की टीम तैनात है। थर्मल ड्रोन 4 लगाए गए हैं। जिस रूप में भेड़िया हिंसक है, अगर वह हमला करते दिखता है तो उसे मारने के भी आदेश दिए हैं। लेकिन, यह अंतिम विकल्प है। सीएम योगी ने कहा- बहराइच जिले में नदी से सटे इस महसी विधानसभा क्षेत्र में लगभग 2 महीने से भेड़ियों का आतंक है। भेड़िए के कारण कुछ जनहानि हुई है। कुछ बच्चों को भेड़िए ने घायल भी किया है। जब पहली बार हमले की सूचना मिली तो मैंने प्रशासन को अभियान चलाने का निर्देश दिया था। वन मंत्री और अन्य अधिकारियों को अतिरिक्त टीम के साथ भेजा। पिछले 2 महीने में इस क्षेत्र में 8 जनहानि देखने को मिली, जो 20 से 25 किमी के दायरे में हुई। 5 भेड़िए पकड़े जा चुके हैं। एक अभी पकड़ा नहीं गया है। सीएम योगी बहराइच पहुंच गए हैं।

लखनऊ में युवती को शादी का झांसा देकर रेप

लखनऊ। शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को हजरतगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी घुमाने के बहाने युवती को अपने साथ ले गया था। जहां पर शादी का वादा करके उसके साथ संबंध बनाए। इस दौरान कुछ अश्लील वीडियो बना लिए। जिसके बाद ब्लैकमेल करके कई बार उसके साथ रेप किया। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है। मंगलवार को युवती ने हजरतगंज थाने में शिकायत दर्ज कराईस है। उसने बताया कि हैदर कैनाल पार्क रोड के रहने वाले शानू उर्फ एहतिशाम अहमद (28) पुत्र मुख्तार अहमद से उसकी मुलाकात जनवरी में हुई। शानू ने मिलने जुलने के दौरान युवती से नजदीकियां बढ़ानी शुरू कर दी। शानू ने शादी का प्रस्ताव दिया। जिसे युवती ने स्वीकार कर लिया। इस दौरान शानू ने मिलने के लिए बुलाया और उसके साथ जबरन संबंध बनाने लगा। इसका युवती ने विरोध किया तो जल्द शादी करने की बात कही। लंबा समय बीतने के बाद युवती ने शादी के लिए बोला तो टाल मटोल करता रहा। इस पर युवती ने दबाव बनाया तो शादी से मुकर गया। युवती ने शिकायत करने की बात कही तो उसके अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। पुलिस को मिली शिकायत के बाद आरोपी की तलाश की जा रही थी। रविवार सुबह 9:45 बजे आरोपी की हैदर कैनाल पास खड़े होने की सूचना मिली।

चिकित्सा शिविरः निरोग काया के लिए नियमित देखभाल जरूरीः डॉ राघवेंद्र सिंह

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अन्तर्गत केशवर इंटरमीडिएट कालेज के परिसर में निःशुल्क चिकित्सा कैम्प लगाकर 150 छात्र - छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच कर दवा वितरित की गई। नव सृजित ट्रस्ट द्वारा संचालित प्राकृतिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत बुद्धा एडवांस इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिकल इंस्टिट्यूट व केशवर जन सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर का शुभारंभ संयोजक डॉ राघवेंद्र सिंह व प्रधानाचार्य पुरन्दर प्रताप यादव ने फीता काटकर किया। चिकित्सकों की टीम में शामिल डॉ राम गोपाल पटेल, डॉ. किरन सिंह, डॉ. नीतू कुशवाहा, डॉ. आकांक्षा सुमन, डॉ. प्रिया सिंह ने शिक्षकों और छात्र - छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच की उचित सलाह दी। डॉ. राघवेंद्र ने कहा कि निरोग काया के ये शरीर की नियामित देखभाल आवश्यक है और स्वच्छता से व्यक्ति बीमारियों से मुक्त रहता है। सभी का स्वागत और आभार विद्यालय के प्रभारी देवेंद्र प्रताप यादव ने व्यक्त किये। इस अवसर पर शिक्षक कन्हैया वर्मा, आशिक अली, हरेंद्र यादव, जगत राज चौहान, कमलेश भारती, अमरजीत यादव, जय सिंह प्रसाद, सतवीर, मुन्नी देवी आदि मौजूद रहे।

लखनऊ में डंपर ने बच्चे को रौंदा, मौत

कई थानों की फोर्स पहुंची, भाजपा विधायक का लोगों ने किया विरोध

लखनऊ । इटौंजा में 14 साल के बच्चे को डंपर ने रौंद दिया। बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। इससे नाराज लोगों ने हंगामा कर दिया। वहीं मौके पर पहुंची एंबुलेंस पर भी लोगों ने पथराव किया। हंगामे की सूचना पर पहुंचे विधायक को भी विरोध झेलना पड़ा। लोगों ने सड़क जाम कर दिया। हंगामा बढ़ने पर कई थानों की पुलिस फोर्स बुलानी पड़ी। घटना इटौंजा थाना क्षेत्र के बगहा गांव की है। रविवार को घर के बाहर खेल रहे आकाश मौर्य (14) पुत्र राम कुमार मौर्य को तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। डंपर का अगला पहिया बच्चे के नीचले हिस्से से गुजर गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पर कुछ देर बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंची। लोगों ने बच्चे को अस्पताल ले जाने के लिए कहा। लेकिन एंबुलेंस ड्राइवर ने शव ले जाने से मना कर दिया। इससे लोग भड़क गए। उन्होंने विरोध किया तो ड्राइवर एंबुलेंस लेकर जाने लगा। इसपर नाराज लोगों ने पथराव कर दिया। वहीं हादसे के बाद चालक मौके से डंपर छोड़कर फरार हो गया। गुस्साए लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची इटौंजा पुलिस ने गुस्साए लोगों को समझने की कोशिश की। लेकिन लोगों का गुस्सा शांत नहीं हुआ। लोगों ने सड़क जाम कर दिया। हंगामे को देखते हुए कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। वहीं बच्चे की मौत की जानकारी मिलने पर बख्शी का तालाब से भाजपा विधायक योगेश शुक्ला भी मौके पर पहुंचे। लोगों ने विधायक का विरोध कर दिया। इससे विधायक मौके से चले गए। ग्रामीणों का कहना है कि यहां से अवैध रूप से खनन कर रहे लोगों की शिकायत कई बार की गई। लेकिन किसी ने सुध नहीं ली। आज ये डंपर बच्चे की मौत कारण बन गया। इसको रोका जाना

32 साल के इंस्पेक्टर की बस में सोते-सोते मौत

प्रयागराज । 32 साल के इंस्पेक्टर की चलती बस में मौत हो गई। वह लखनऊ से प्रयागराज जा रहे थे। घटना का पता उस वक्त चला, जब बस प्रयागराज पहुंची। मगर वह बस से नहीं उतरे। कंडक्टर जगाने आया तो उनका शरीर बेजान था। कंडक्टर ने हिलाया तो वह गिर गए। तुरंत सीनियर अफसरों और पुलिस को सूचना दी। आनन-फानन में उनको SRN हॉस्पिटल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर अनुराग शर्मा की मौत की खबर सुनते ही पत्नी बेहोश हो गई। परिवार में 10 और 8 साल के दो बेटे हैं। वह मूलरूप से सहारनपुर के रहने वाले थे। 2013 बैच के अनुराग अभी लखनऊ कोर्ट की सुरक्षा में तैनात थे। वह प्रयागराज क्राइम ब्रांच के साथ-साथ करेली और खुल्दाबाद थानों के प्रभारी भी रहे थे। लोकसभा चुनाव से पहले उनका ट्रांसफर लखनऊ हुआ था। परिवार अभी प्रयागराज के खुल्दाबाद में रहता है।

रविवार को छुट्टी थी। इस वजह से प्रयागराज आ रहे थे। अनुराग शनिवार देर शाम लखनऊ से मिजार्पुर जाने वाली बस में बैठे थे। प्रयागराज का टिकट लिया। थोड़ी देर बाद सो गए। रात ढाई बजे बस प्रयागराज पहुंची। उन्हें जीरो रोड बस स्टैंड पर उतरना था, लेकिन नहीं उतरे। इसके बाद कंडक्टर उनके पास आया तो घटना का पता चला। पुलिस ने बताया कि चूंकि वह सादे कपड़ों में थे, इसलिए उनकी तुरंत पहचान नहीं हो पाई। जेब से मोबाइल और आईडी मिली। इसके बाद उनकी शिनाख्त हुई।

भाजपा सरकार कर रही ऐतिहासिक विकासः पीएन पाठक

कसया, कुशीनगर। रविवार को कुशीनगर विधायक पी.एन पाठक की अगुवाई में दर्जनों गांवो में भाजपा का सदस्यता अभियान चलाकर घर-घर संपर्क कर लोगों को भाजपा का सदस्यता दिलायी। साखोपार मण्डल के गांव बाड़ी पुल साखोपार रमहवलिया भैसही सेमरा टेकुआटार मण्डल के गांव अहिरौली राजा गोबरही भठही राजा परशुरामपुर अहिरौली राय जाखनी खड्डा समेत दर्जनों गांवों में लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाई। प्रत्येक दिन दर्जनों गावो में जाकर भारी संख्या में लोगों को भाजपा की सदस्यता दिला रहें है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ऐतिहासिक विकास कर रही है, भाजपा सरकार ने अपने सभी संकल्पो को पूरा किया है। जनता का अटूट विश्वास भाजपा के साथ हैं आगे कहा कि भाजपा ने अपने सभी संकल्पों को पूरा किया है। इसलिए जनमानस का अटूट विश्वास भाजपा के साथ है। इस दौरान मण्डल अध्यक्ष किनंनरेश चौबे, विनोद कुमार गुप्ता, ग्राम प्रधान अजय जायसवाल, दिनेश अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह, अमित मालवीय, राज पाठक, अमित राव, अमित मदेशिया, चन्द्र बली गोंड, आदित्य तिवारी, शिवम मदेशिया, प्रमोद मदेशिया, राजेश जायसवाल, नितिश गोंड, आदित्य मिश्रा, सूरज वर्मा, ,शेखर सिंह, किरण सिंह, सुनिल राजभर, राजेश शर्मा, अशोक कुमार, रामगोविंद सिंह, सूयार्नाथ यादव, राकेश यादव, सर्वेश तिवारी, संजीव मौजूद रहे।

लखनऊ में पत्नी ने पति को थाने में पीटा

बहन और भाई से भी पिटवाई, बोली- मेरी जिंदगी बर्बाद कर दिया

लखनऊ । सुशांत गोल्फ सिटी थाने में एक महिला ने अपने पति को बुरी तरह से पीटा। उसने अपने भाई और बहन से भी पति की पिटाई कराई। थाना कैंपस में लोग वीडियो बनाते रहे। पुलिस ने पति और पत्नी के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की है। सुशांत गोल्फ सिटी के सेलीब्रेटी गार्डन में सुनील कुमार वैश्य रहते हैं। सुनील की उनकी पत्नी रीना से दो साल से विवाद चल रहा है। रीना का मायका बलरामपुर जिले में है। उन्होंने अपने पति सुनील के खिलाफ बलरामपुर कोर्ट में प्रताड़ना का मुकदमा दर्ज कराया है। जिसका केस चल रहा है। सुनील ने बताया कि बीते शुक्रवार (13 सितंबर) को बलरामपुर कोर्ट में मामले की तारीख लगी थी। शनिवार की सुबह रीना बलरामपुर से लखनऊ आ पहुंचीं। सेलीब्रेटी गार्डन में मेरे घर में जबरन घुसने लगीं। मैंने रीना को घर में घुसने से मना किया। इस बात को लेकर मेरे और रीना के बीच विवाद हुआ। कहासुनी के बाद दोनों थाने पर पहुंच गए। रीना की बहन और उसका भाई पहले से ही थाने पर मौजूद थे। पुलिस ने दोनों पक्ष से पूछताछ की। सुनील जैसे ही थाने से बाहर निकलने लगे। रीना उनसे लड़ाई करने लगी। उनका कॉलर पकड़ ली। पति को पीटने लगी। इतने में रीना की छोटी बहन और उसका भाई भी सुनील की पिटाई करने लगे। थाने पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने बीच बचाव किया। लेकिन रीना और उसके भाई-बहन हंगामा करते रहे। सुनील को अनाब-शनाब बोलते रहे। पुलिस वाले रीना के पक्ष को गलत बताते रहे। उनका कहना था कि थाने के भीतर हमारी मौजूदगी में मारपीट नहीं होनी चाहिए था। सुनील की पत्नी रीना थाने में हंगामा करती रहती। पुलिस वालों से समझाने के बाद भी वो नहीं मानी। पति के खिलाफ गुस्सा जाहिर करती रही। वो बार-बार एक ही बात बोल रही थी। मैं इसे नहीं छोड़ूंगी। इसने मेरी जिंदगी खराब कर दी। थाना परिसर में मौजूद लोग घटना का वीडियो बनाते रहे। करीब 40 मिनट से ज्यादा समय तक थाने में हंगामा चलता रहा। पुलिस ने पति और पत्नी दोनों के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की।

संक्षिप्त डायरी

औद्योगिक भ्रमण पर निकले छात्र

कुशीनगर। भारत सरकार के राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद नई दिल्ली के सहयोग से दिव्य ज्योति शिक्षा समिति फाजिलनगर के तत्वावधान में देवरिया जनपद के सलेमपुर विकास खण्ड के विभिन्न विद्यालयों के 120 छात्रों ने पांच दिवसीय ओद्योगिक भ्रमण किया। उक्त विकास खण्ड के विभिन्न विद्यालयों के 12 वर्ष से 18 वर्ष तक के विज्ञान वर्ग के 120 छात्रों का दल 9 सितंबर से 13 सितंब तक लिए औद्योगिक भ्रमण पर कानपुर के लिए निकले। यात्रा का मुख्य उद्देश्य छात्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के तरफ रुझान पैदा करना है। इस दौरान छात्रों ने कानपुर के विभिन्न औद्योगिक इकाईयों का भ्रमण कर निर्माण कार्य, पैकेजिंग, आदि को करीब से जाना। छात्रों ने बताया कि जो चीजें हम लोगों को किताबों में पढ़ने को मिलती थीं उसे करीब से देखकर बहुत जानकारियां मिली। यात्रा में समिति के मुख्य समन्यवक विवेक कुमार सिंह, चंद्रशेखर सिंह, रामप्रवेश, बिपिन, आलोक सहित संस्था के सदस्य तथा आदि छात्र शामिल रहे।

रोटरी क्लबः हिंदी राष्ट्र की एकता और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा

कसया, कुशीनगर। हिंदी दिवस पर रोटरी क्लब कुशीनगर द्वारा कसया के कलश गेस्ट हाउस में एक विशेष विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली ने आगामी क्लब कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की। रोटरी क्लब कुशीनगर के सचिव अजय कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुवेर्दी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय गुप्ता, उपाध्यक्ष दिनेश कुमार यादव आदि ने हिंदी भाषा के महत्व पर अपने विचार साझा किए और इसे राष्ट्र की एकता और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बताया। शशि कुमार सिंह और वैभव कुमार राव को रोटरी पिन लगाकर औपचारिक रूप से क्लब की सदस्यता दी गई।संचालन दिनेश तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष अनिल जायसवाल, संयुक्त सचिव अखिलेश शर्मा, संयुक्त कोषाध्यक्ष सदरे आलम, अंकुर तुलस्यान, गोपीचंद कसौधन, सार्जेंट एट आर्म्स विजय कृष्ण द्विवेदी, महेंद्र तिवारी 'मोनू', विशाल शर्मा, अश्वनी जायसवाल, डॉ. जेके पटेल, राजीव तिवारी, विनोद वर्मा, अरुण कुमार मौर्य, अमरेंद्र नारायण सिंह, सरवरे आलम (छोटे), वरुण कुमार यादव, गोविंद सिंह, विजय सिंह, शशि कुमार सिंह, वैभव कुमार राव, आदिल खान ने भाग लिया।

विनोद भारती को पीएचडी उपाधि मिलने पर जताई खुशी

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी कुशीनगर जिला उपाध्यक्ष विनोद भारती को पीएचडी उपाधि मिलने पर रविवार को रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय और अन्य पदाधिकारीयों द्वारा सम्मानित कर शुभकामनाएं दिया गया। ज्ञात हो कि रामकोला विधानसभा के तरकुलवा निवासी भारतीय जनता पार्टी कुशीनगर के जिला उपाध्यक्ष विनोद कुमार भारती ने डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या से 13 सितंबर 2024 को पीएचडी की उपाधि प्राप्त की।।उदित नारायण डिग्री कॉलेज पडरौना से स्नातक और परास्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या से प्रो. अमित कुमार जी के निर्देशन में हिंदी विषय में ₹21वीं सदी के हिंदी उपन्यास : किसान जीवन का परिवर्तित यथार्थ₹ शोध शीर्षक से अपनी पीएचडी की की पढ़ाई पूरी की है। जिला उपाध्यक्ष विनोद भारती को पीएचडी की उपाधि मिलने पर भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो अपने कार्यकताओं में समाज सेवा के साथ साथ उसके व्यक्तित्व विकास के लिए निरंतर प्रयास करती रहती है। इस अवसर पर पूर्व विधायक जटाशंकर मणि त्रिपाठी, जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल, जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द, आई टी विभाग जिला संयोजक नमो नारायण मौर्य, भीखम प्रसाद,प्रवीण मिश्र गुंजन,गौरव तिवारी, नवनीत तिवारी, देवेश मिश्र,धीरज पाठक, अरुण राय, प्रमोद राय, विनोद गुप्ता ने भी विनोद भारती को मिठाई खिलाकर बधाई और शुभकामनाएं दी।

लखीमपुर के थाने में नाबालिग को थर्ड डिग्री, मौत

लखीमपुर खीरी । पुलिस कस्टडी में पिटाई से नाबालिग की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस उसे चोरी के शक में घर से उठा ले गई। 4 दिन हिरासत में रख कर बुरी तरह से पीटा। बिजली के झटके दिए। 50 हजार रुपए लेकर छोड़ा। गंभीर घायल नाबालिग युवक का 6 दिन तक इलाज चला। शनिवार को उसने दम तोड़ दिया। परिजनों ने फरधान थाने के सामने शव रखकर पीलीभीत-बस्ती नेशनल हाईवे जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। करीब 8 घंटे तक हाईवे जाम रहा। परिजनों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। सपा के पूर्व विधायक रामसरन भी भारी संख्या में समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी पवन गौतम और सीओ सिटी रमेश कुमार तिवारी 4 थानों की पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। परिजनों को समझाने की कोशिश की। लेकिन परिजन दोषियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई और मुआवजे की मांग पर अड़े रहे। इस दौरान कुछ लोगों ने हंगामा किया तो पुलिस ने उन पर हल्के बल का प्रयोग किया। वहीं, रात करीब 12 बजे एसपी मौके पर पहुंचे। दोषियों पर कार्रवाई की बात कहीं तब परिजन पोस्टमॉर्टम के लिए माने। रविवार सुबह मृतक का पोस्टमॉर्टम हो गया है।

गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं। उनका वाहन मूषक है। गणों के स्वामी होने के कारण उनका एक नाम गणपति भी है। ज्योतिष में इनको केतु का देवता माना जाता है,और जो भी संसार के साधन हैं,उनके स्वामी श्री गणेशजी हैं। हाथी जैसा सिर होने के कारण उन्हें गजानन भी कहते हैं। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार किसी भी कार्य के पहले गणेशजी पूजनीय है। इसलिए इन्हें आदिपूज्य भी कहते है। आइए जानते हैं बड़े ही मनमोहक से दिखने वाले गणेश जी के भव्य और दिव्य स्वरूप के विषय में

श्री गणेश एक रूप अनेक

गणेश शब्द की व्युत्पत्ति हुई है गणानां जीवजातानां यः ईशः स्वामी सः गणेशः से। अर्थात,जो समस्त जीव जाति के ईश-स्वामी हैं वह गणेश हैं। इनकी पूजा से सभी विघ्न नष्ट होते हैं। लेकिन अन्य देवताओं की तरह गणेश जी के भी कई रूप हैं। गणेश पुराण के क्रीड़ा खंड में युग-भेद से गणेश जी के चार रूपों की व्याख्या करके उनके चार भिन्न वाहन बताए गए हैं।

सतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है,वे दस भुजा वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता युग में वाहन मोर है,छः भुजाएं हैं और नाम मयूरेश्वर है। द्वापर में वाहन चूहा (मूषक) है,भुजाएं चार हैं और नाम गजानन है। कलयुग में दो भुजाएं हैं वाहन घोड़ा है और नाम धूम्रकेतु है।

इन चारों रूपों की उपासना विधि व लीला चरित्र का विवरण गणेश पुराण में प्राप्त होता है। वर्तमान में गणेश जी का सर्वप्रसिद्ध वाहन मूषक (चूहा)माना जाता है। विभिन्न मंत्रों के ध्यान में इनके मूषक वाहन का ही संकेत पाया जाता है।

विशिष्ट वस्तुओं के पूजन भेद से गणेश जी के अनेक रूप प्रसिद्ध हैं जैसे हरिद्रा गणेश, दूर्वा गणेश, शमी गणेश, गोमेद गणेश आदि। कामना भेद से भी इनके भिन्न रूपों की उपासना की जाती है जैसे संतान प्राप्ति हेतु संतान गणपति,विद्या प्राप्ति हेतु विद्या गणपति आदि। सामान्य उपासक दैनिक उपासना में गणेश जी के प्रसिद्ध द्वादश नाम स्तोत्र, संकट नाशक स्तोत्र, गणपति अथर्वशीर्ष, गणेश कवच, शतनामस्तोत्र आदि का सुविधानुसार पाठ करके इनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। विशिष्ट उपासना के अंतर्गत गणपति अथर्वशीर्ष से इनका अभिषेक किया जाता है। गणेश पुराण एवं रुद्रयामल तंत्र में वर्णित सहस्र नामस्तोत्र की नामावली के द्वारा दूर्वा से इनका अर्चन किया जाता है। गणपति योग भी वैदिक पद्धति के द्वारा संपन्न कराया जाता है।

अलग-अलग होती है उपासना

भगवान गणेश की उपासना अनेक प्रकार से होती है। गणेशमूर्ति के अलग-अलग प्रकार की अर्चना का विधान भी अलग-अलग होता है। दो से अठारह भुजा एवं एकमुखी से दशमुखी मूर्तियों का पूजन होता है और इनसे संबंधित मंत्र,कवच,यंत्र,स्त्रोत आदि का विधान तंत्र शास्त्र के मान्य ग्रंथों,मंत्र महार्णव,मंत्रमहोदधि,शारदा तिलक,तंत्र सार आदि में अंतर पाया जाता है। गणपति पूजन में मुख्यतः दूर्वा,शमी के पत्ते और मोदक (लड्डू) अर्पित किए जाते हैं।

भगवान गणेशजी ही प्रथम पूज्य क्यों?

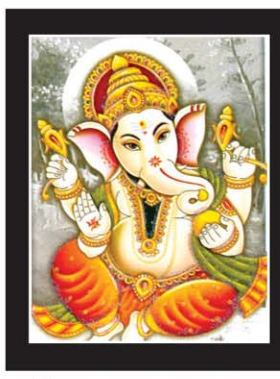

एक बार कार्तिकेय व गणेशजी में होड़ लगी कि सबसे बुद्धिमान कौन? तब भगवान भोलेनाथ जी ने कहा जो पृथ्वी के सात चक्कर लगाकर सबसे पहले लौट कर आएगा वह बुद्धिमान व प्रथम पूजनीय होगा। गणेशजी भारी भरकम थे। वाहन भी चूहा व कार्तिकेय उत्तम वजन के थे और उनका वाहन मोर। स्वामी कार्तिकेय चल पड़े। गणेशजी सोचने लगे। गणेशजी ने सोचा माता-पिता ही जन्मदाता है तो सबसे महान वही हुए। उन्हीं के सात चक्कर लगा लिए और खड़े हो गए। कार्तिकेय भी आ पहुंचे। जब निर्णय की बारी आई तो भगवान आशुतोषजी ने कहा कि गणेश बुद्धिमान व श्रेष्ठ हैं, क्योंकि माता-पिता ही समस्त तीर्थों से बड़े होते हैं। तभी से भगवान गणेशजी को सब देवताओं से पहले पूजा जाता है एवं हर मागंलिक कार्य में श्रीगणेश जी का ही पूजन स्मरण व स्थापना की जाती है। इससे हमें सीख मिलती है कि जो अपने माता-पिता की सेवा करता है, उन्हें सब तीर्थों का फल मिल जाता है। फिर वह तीर्थयात्रा करें या ना करें।

कैसे करें अनंत चतुर्दशी का व्रत...

भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को अनंत चतुर्दशी का व्रत किया जाता है। इस दिन अनंत के रूप में हरि की पूजा होती है। पुरुष दाएं तथा स्त्रियां बाएं हाथ में अनंत धारण करती हैं। अनंत राखी के समान रूई या रेशम के कुंकू रंग में रंगे धागे होते हैं और उनमें चौदह गांठे होती हैं। इन्हीं धागों से अनंत का निर्माण होता है। यह व्यक्तिगत पूजा है, इसका कोई सामाजिक धार्मिक उत्सव नहीं होता। अग्नि पुराण में इसका विवरण है। व्रत करने वाले को धान के एक प्रसर आटे से रोटियां या पूड़ी बनानी होती हैं, जिनकी आधी वह ब्राह्मण को दे देता है और शेष स्वयं प्रयोग में लाता है।

इस दिन व्रती को चाहिए कि प्रातःकाल स्नानादि नित्यकर्मों से निवृत्त होकर कलश की स्थापना करें। कलश पर अष्टदल कमल के समान बने बर्तन में कुश से निर्मित अनंत की स्थापना की जाती है। इसके आगे कुंकूम, केसर या हल्दी से रंग कर बनाया हुआ कच्चे डोरे का चौदह गांठों वाला अनंत भी रखा जाता है।

व्रत की महिमा और मंत्र

यूं तो यह व्रत नदी-तट पर किया जाना चाहिए और हरि की लोककथाएं सुननी चाहिए। लेकिन संभव ना होने पर घर में ही स्थापित मंदिर के सामने हरि से इस प्रकार की प्रार्थना की जाती है- हे वासुदेव, इस अनंत संसार रूपी महासमुद्र में डूबे हुए लोगों की रक्षा करो तथा उन्हें अनंत के रूप का ध्यान करने में संलग्न करो, अनंत रूप वाले प्रभु तुम्हें नमस्कार है। इस मंत्र से हरि की पूजा करके तथा अपने हाथ के ऊपरी भाग में या गले में धागा बांध कर या लटका कर (जिस पर मंत्र पढ़ा गया हो) व्रती अनंत व्रत को पूर्ण करता है। यदि हरि अनंत हैं तो 14 गांठें हरि द्वारा उत्पन्न 14 लोकों की प्रतीक हैं।

अनंत चतुर्दशी पर कृष्ण द्वारा युधिष्ठिर से कही गई कौण्डिन्य एवं उसकी स्त्री शीला की गाथा भी सुनाई जाती है। कृष्ण का कथन है कि अनंत उनके रूपों का एक रूप है और वे काल हैं जिसे अनंत कहा जाता है। अनंत व्रत चंदन, धूप, पुष्प, नैवेद्य के उपचारों के साथ किया जाता है। इस व्रत के विषय में कहा जाता है कि यह व्रत 14 वर्षों तक किया जाए, तो व्रती विष्णु लोक की प्राप्ति कर सकता है।

इस दिन भगवान विष्णु की कथा होती है। इसमें उदय तिथि ली जाती है। पूर्णिमा का सहयोग होने से इसका बल बढ़ जाता है। यदि मध्याह्न तक चतुर्दशी हो तो ज्यादा बेहतर है। जैसा इस व्रत के नाम से प्रतीत होता है कि यह दिन उस अंत न होने वाले सृष्टि के कर्ता ब्रह्मा की भक्ति का दिन है। इस व्रत की पूजा दोपहर में की जाती है।

जानिए क्या है गणेश पुराण में

गणेश पुराण महत्वपूर्ण ग्रंथ है। इसके पठन-पाठन से सब कार्य सफल हो जाते हैं। गणेश पुराण में पांच खंड पाए जाते हैं। संक्षेप में जानते हैं गणेश पुराण के पांचों खंडों के बारे में.....

पहला खंड-आरंभ खंड

इस खंड में ऐसी कथाएं बताई गई है जिससे हमेशा सब जगह मंगल ही होगा। इसमें सबसे पहली कथा के माध्यम से बताया है कि किस प्रकार प्रजा की सृष्टि हुई और सर्वश्रेष्ठ देव भगवान् गणेश का आविर्भाव किस प्रकार हुआ। आगे इसमें शिव के अनेक रूपों का वर्णन किया गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि कैसे शिव सृष्टि की उत्पत्ति,संहार और पालन करते हैं।

दूसरा खंड- परिचय खंड

दूसरा खंड परिचय खंड है जिसमें गणेश जी के जन्म के कथाओं का परिचय दिया गया है। इसमें अलग-अलग पुराणों के अनुसार कथा कही गई है। जैसे पद्म व लिंग पुराण के अनुसार। और अंत में गणेश की उत्पत्ति की कथा विस्तार बताई गई है।

तीसरा खंड- माता पार्वती खंड

तीसरा खंड माता पार्वती खंड है। इसमें पार्वती के पर्वतराज हिमालय के घर जन्म की कथा है और शिव से विवाह की कथा। फिर तारकासुर के अत्याचार से लेकर कार्तिकेय के जन्म की कथा भी इसमें वर्णन है। इस खंड में वशिष्ठ जी द्वारा सुनाई अरण्यराज की कथा भी है।

चौथा खंड- युद्ध खंड

यह युद्ध खंड नामक खंड है। इसके आरंभ में मत्सर नामक असुर के जन्म की कथा है जिसने दैत्य गुरु शुक्राचार्य से शिव पंचाक्षरी मंत्र की दीक्षा ली। आगे तारकासुर की कथा है। उसने ब्रह्मा की आराधना कर त्रैलोक्य का स्वामित्व प्राप्त किया। साथ ही इसमें महोदर व महासुर के आपसी युद्ध की कथा है। इसमें लोभासुर व गजानन की कथा भी है जिसमें लोभासुर ने गजानन के मूल महत्त्व को समझा और उनके चरणों की वंदना करने लगा।

पांचवां खंड- महादेव पुण्य कथा खंड

पांचवा खंड महादेव पुण्य कथा खंड है। इसमें सूत जी ने ऋषियों को कहा,आप कृपा करके गणेश,पार्वती के युगों का परिचय दीजिए। आगे इस खंड में सत्तयुग,त्रेतायुग व द्वापर युग के बारे में बताया गया है। जन्मासुर, तारकासुर की कथा के साथ इसका अंत हुआ है। इस तरह गणेश पुराण के पांच खंडों में मंगलकारी श्री गणेश के जन्म से लेकर उनकी लीलाओं और उनकी पूजा से मिलने वाले यश के बारे का संपूर्ण वर्णन किया गया है। इसके अलावा उनसे जुड़ी बहुत सी अन्य बातों को भी इसमें शामिल किया गया है।

अनंत चतुर्दशी विष्णु पूजन का दिन

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान अनंत की पूजा-अर्चना अवश्य करना चाहिए। इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्रम् का पाठ करने से अनन्य फल की प्राप्ति होती है एवं भगवान विष्णु की प्रसन्नता प्राप्त होती है। भगवान की प्रार्थना अर्जुन बनकर करें अर्थात् मानसिकता और विश?वास लगाकर (पूर्ण रूप) उनमें लगाकर प्रार्थना करने से उनका सानिध्य प्राप्त होता है। उनका आशीर्वाद मिलता है। यदि सेवा करना है तो हनुमान जी जैसी करें। हृदय में पूर्ण छवि बनी रहे कृपा प्रसाद अवश्य प्राप्त होगा। अर्जुन ने भगवान से कहा कि मैं आपके शरण में आ गया हूँ, आप मुझे आज्ञा दे मुझे क्या करना है?

भगवान ने शरणागत आए हुए अर्जुन का पूरा जीवन सुखमय कर दिया एवं अपना सानिध्य दिया। भगवान का कहना है कि जीव तू सारे धर्म को त्याग कर मेरी शरण को प्राप्त हो! मैं तुम्हें पापों से मुक्त करूँगा, तुम चिंता व्याप्त न हो। भगवान से प्रार्थना इस प्रकार करें जैसे अर्जुन ने (गीता में) की थी। अनंत चतुर्दशी में इसका बहुत बड़ा महत्व है।

ओम विश्वं विष्णुर्वषट्कारो भूतभव्यभवत्प्रभु।
भूतकृद भूवभृद भावो भूतात्मा भूतभावन।।
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गति।
अव्यय पुरुष साक्षी क्षेत्रज्ञोऽक्षर एव च।।

ऐसे अनंत देव विष्णु भगवान जो कि अनेक नाम से पूजे जाते हैं, ऐसे ईश्वर को स्मरण करने या जाप करने का यूँ तो कोई एकमात्र निर्धारित ढंग नहीं, फिर भी किसी भी कार्य को इस ढंग से किया जाए जिससे वह सहज रूप से संपन्न हो जाए। इस कार्य में जितनी ज्यादा एकाग्रता होगी उतना ही अधिक लाभ होगा।

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु का पूजन करें। सर्वप्रथम विष्णु का आवहन् करें। पूजन में सर्वप्रथम आसन अर्पित करें। तत्पश्चात् पैर धोने के लिए जल अर्पित करें। अर्घ्य अर्पित करें, आचमन करें, स्नान हेतु जल अर्पित करें। तिलक हेतु (चंदन) द्रव्य अर्पित करें, धूप-दीप दिखाएँ। प्रसाद करें। फिर आचमन हेतु जल अर्पित करें। तत्पश्चात् नमस्कार करें।

चतुमूर्ति चतुर्वाहुश्चतुर्णयहश्चतुर्गति
चतुरात्मा चतुर्भावश्चतुर्वेदविदेकपात।।
विश्व मूर्तिर्महामूर्तिर्दीप्त मूर्तिरमूर्तिमाव
अनेक मूर्तिरण्यव्यक्त शतमूति शतानन।।

ऐसे अनेक नामों से भगवान विष्णु को नमस्कार करें। विघ्न हरने वाले देवता विष्णु अपने भक्तों से जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं एवं मनोवांछित फल दे देते हैं।

ओम विश्वं विष्णुर्वषट्कारो भूतभव्यभवत्प्रभुः ।
भूतकृद्भूतभृद्भावो भूतात्मा भूतभावनः ॥
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गतिः ।
अव्ययः पुरुषः साक्षी क्षेत्रज्ञोऽक्षर एव च ॥

इस प्रकार प्रभु नारायण की प्रार्थना करने से वह अवश्य प्रसन्न होकर आपको सुख, संपदा, धन-धान्य, यश-वैभव, लक्ष्मी, पुत्र आदि सारा सुख दे देते हैं।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों का मार्केट कैप दो लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2,01,552.69 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल रही। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 54,282.62 करोड़ रुपये बढ़कर 9,30,490.20 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल ही रही। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 29,662.44 करोड़ रुपये बढ़कर 8,80,867.09 करोड़ रुपये हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 23,427.12 करोड़ रुपये बढ़कर 16,36,189.63 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 22,438.6 करोड़ रुपये बढ़कर 6,89,358.33 करोड़ रुपये पर और एचडीएफसी बैंक का 22,093.99 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 12,70,035.77 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 17,480.49 करोड़ रुपये बढ़कर 8,07,299.55 करोड़ रुपये पर और आईटीसी की 15,194.17 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 6,42,531.82 करोड़ रुपये हो गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 9,878.19 करोड़ रुपये बढ़कर 19,92,160.61 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 7,095.07 करोड़ रुपये बढ़कर 7,05,535.20 करोड़ रुपये हो गया। इस रुख के विपरीत भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत 3,004.38 करोड़ रुपये घटकर 6,54,004.76 करोड़ रुपये रह गई। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स जल्द बड़ा आईपीओ लांच करेगी

नई दिल्ली ।

दक्षिण कोरिया की एमएनसी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में अपने उत्पादों की लोकप्रियता को भुनाने के लिए एक बड़ा आईपीओ लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। कंपनी 1 से 1.5 अरब डॉलर का आईपीओ लेकर आ रही है, जिसके लिए उसने बैंक ऑफ अमेरिका, सिटीग्रुप इंक, जेपी मॉर्गन चेस और मॉर्गन स्टेनली जैसे बड़े बैंकों का चयन किया है। इस आईपीओ के जरिए एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की वैल्यूएशन लगभग 13 अरब डॉलर तक हो सकती है। भारत एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और कंपनी यहां अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आईपीओ 2024 की शुरुआत में लॉन्च हो सकता है, हालांकि इसकी तारीख और साइज में बदलाव संभव है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स अपने आईपीओ से संबंधित दस्तावेज अगले महीने स्टॉक मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कर सकती है। इसके अलावा कंपनी अन्य बैंकों, जिनमें कुछ भारतीय बैंक भी शामिल हो सकते हैं, को इस आईपीओ में जोड़ने की योजना बना रही है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने 2030 तक अपना रेवेन्यू 75 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें यह आईपीओ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत का बाजार विदेशी निवेशकों के लिए तेजी से आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है और हाल ही में हुंडई मोटर कंपनी ने भी अपने आईपीओ की योजना का खुलासा किया था।

अदाणी ग्रुप ने 6,600 मेगावाट बिजली आपूर्ति की बोली जीती, जेएसडब्ल्यू को पछाड़ा

कंपनी ने इसके लिए 4.08 रुपये प्रति यूनिट की बोली लगाई

नई दिल्ली । अदाणी समूह ने महाराष्ट्र को दीर्घावधि के लिए 6,600 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा और ताप बिजली की आपूर्ति की बोली जीत ली है। इससे राज्य को भविष्य की बिजली जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। कंपनी ने इसके लिए 4.08 रुपये प्रति यूनिट की बोली लगाई और जेएसडब्ल्यू एनर्जी और टॉरेंट पावर को पीछे छोड़ दिया। सूत्रों ने बताया कि 25 साल के लिए नवीकरणीय और ताप बिजली दोनों की आपूर्ति के लिए अदाणी समूह की बोली महाराष्ट्र द्वारा फिलहाल खरीदी जा रही बिजली की दर से एक रुपये यूनिट कम है। आशय पत्र (एलओआई) जारी होने की तारीख से 48 माह में बिजली की आपूर्ति शुरू होनी है। बोली शर्तों के अनुसार अदाणी पावर पूरी आपूर्ति अवधि के दौरान सौर बिजली की आपूर्ति 2.70 रुपये प्रति यूनिट की दर पर करेगी। वहीं कोयले से उत्पादित बिजली का दाम कोयला कीमतों के आधार पर निर्धारित (इंडेक्स्ड) किया जाएगा। महाराष्ट्र राज्य बिजली वितरण कंपनी (एमएसईडीसीएल) ने मार्च में सूरज की रोशनी से उत्पन्न 5,000 मेगावाट बिजली और कोयले से उत्पन्न 1,600 मेगावाट बिजली की खरीद के लिए एक विशिष्ट निविदा निकाली थी। इसे लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले जारी किया गया था और राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले इसे अदाणी को दे दिया गया है। इस निविदा में व्यस्त समय में बिजली की मांग को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा और ताप बिजली दोनों की आपूर्ति शामिल है।

सूत्रों के मुताबिक अदाणी पावर ने अनुबंध जीतने के लिए 4.08 रुपये प्रति यूनिट की बोली लगाई। वहीं दूसरी सबसे कम बोली 4.36 रुपये प्रति यूनिट जेएसडब्ल्यू एनर्जी की थी। यह महाराष्ट्र में पिछले साल खरीदी गई औसत बिजली कीमत 4.70 रुपये प्रति यूनिट से कम है। महाराष्ट्र बिजली नियामक आयोग (एमईआरसी) ने 2024-25 के लिए बिजली खरीद की औसत कीमत 4.97 रुपये प्रति यूनिट तय की है। इस तरह अदाणी द्वारा लगाई गई बोली इससे एक रुपये प्रति यूनिट के करीब कम है। कुल मिलाकर चार कंपनियों ने 25 साल के लिए बिजली आपूर्ति की निविदा में भाग लिया।

इस सप्ताह 24 भारतीय स्टार्टअप्स ने 229 मिलियन डॉलर फंडिंग जुटाई

- 182.65 मिलियन डॉलर के छह विकास-चरण सौदे शामिल थे

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह लगभग 24 घरेलू स्टार्टअप ने 229 मिलियन डॉलर से अधिक की फंडिंग प्राप्त की, जिसमें 182.65 मिलियन डॉलर के छह विकास-चरण सौदे शामिल थे। इस सप्ताह में 46.14 मिलियन मूल्य के 13 प्रारंभिक चरण के सौदे हुए। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार कुल मिलाकर बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप आठ सौदों के साथ आगे रहे, इसके बाद दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, हैदराबाद और कोलकाता रहे। फंडिंग की गति का नेतृत्व मोबाइल विज्ञापन नेटवर्क सॉफ्टवेयर इनमोबी ने किया, जिसने डेट फंडिंग राउंड में 100 मिलियन डॉलर जुटाए, इसके बाद एमएसएमई-केंद्रित फिनटेक ऋणदाता फ्लेक्सीलोन्स ने 35 मिलियन डॉलर हासिल किए। जहां कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा मंच ऑनसुरिटी ने 21 मिलियन डॉलर हासिल किए, वहीं आध्यात्मिक टेक स्टार्टअप एप्सफार भारत ने 18 मिलियन डॉलर जुटाए। अन्य फंडिंग के अलावा, उपभोक्ता ऋण देने वाले प्लेटफॉर्म मनीव्यू को इस सप्ताह 4.65 मिलियन और एचआरटेक प्लेटफॉर्म एचआरवन को 4 मिलियन प्राप्त हुए। पिछले आठ सप्ताहों में प्रति सप्ताह 26 सौदों के साथ औसत फंडिंग 331 मिलियन से अधिक रही। ई-कॉमर्स स्टार्टअप्स ने 5 सौदों के साथ फंडिंग का नेतृत्व किया, इसके बाद फिनटेक, हेल्थटेक और क्लीनटेक स्टार्टअप्स रहे। विलय और अधिग्रहण के बीच नाज़ारा टेक्नोलॉजीज ने पोकरबाज़ी की मूल कंपनी मूनशाइन टेक्नोलॉजी में 982 करोड़ रुपए में नियंत्रण हिस्सेदारी ले ली। गेमिंग और स्पोर्ट्स मीडिया कंपनी ने द्वितीयक लेनदेन के माध्यम से 832 करोड़ रुपए में मूनशाइन में 47.7 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया और अनिवार्य परिवर्तनीय वरीयता शेयरों के माध्यम से प्राथमिक पूंजी में 150 करोड़ रुपए लगाने की घोषणा की। ई-कॉमर्स सक्षम कंपनी गो विक ने एक वैश्विक रिटर्न प्रबंधन ऐप, रिटर्न प्राइम का अधिग्रहण किया।

राजस्थान बन रहा निवेशकों की पहली पसंदः मुख्यमंत्री भजनलाल

जयपुर ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 9 से 11 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान समिट के लिए समस्त अधिकारीगण टीम भावना के साथ कार्य करें।

उन्होंने कहा कि डोमेस्टिक एवं इंटरनेशनल इन्वेस्टर्स मीट के आयोजन से राजस्थान निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है। शर्मा हाल ही में मुख्यमंत्री आवास पर राइजिंग राजस्थान समिट की तैयारियों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को निर्देश दिए कि इस समिट के सफल आयोजन के लिए तय समय में सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं।

उन्होंने दिल्ली में आयोजित होने वाले आगामी डोमेस्टिक इन्वेस्टर्स मीट के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक तैयारियों के लिए दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने के लिए विभागीय स्तर पर प्री-समिट का आयोजन कार्ययोजना के साथ किया जाए। उन्होंने पर्यटन नगरीय विकास एवं आवासन, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, उद्योग एवं वाणिज्य व रीको, कृषि एवं पशुपालन, शिक्षा, खान एवं पेट्रोलियम, ऊर्जा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारियों को प्री-समिट के जरिये संबंधित क्षेत्र के निवेशकों के साथ बैठक आयोजित कर निवेश आकर्षित करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान की सफलता में जिला स्तर पर आयोजित होने वाले इन्वेस्टर्स मीट की अहम भूमिका होगी।

इसके लिए जिला कलक्टर्स एवं संबंधित विभाग स्थानीय स्तर पर निवेश के इच्छुक उद्यमियों से संवाद स्थापित कर बैठक आयोजित करें, जिससे निवेश धरातल पर मूर्त रूप ले सके और रोजगार के नवीन अवसर सृजित हो सकें।

मुख्यमंत्री ने बैठक में विभिन्न देशों एवं देश के विभिन्न राज्यों में जाकर निवेशकों के साथ बैठक करने वाले अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास रेया गुहा, प्रमुख शासन सचिव उद्योग एवं वाणिज्य अजिताभ शर्मा सहित विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्री समूह के संयोजक होंगे वित्त राज्यमंत्री

नई दिल्ली ।

वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर काम कर रहे मंत्री समूह (जीओएम) के संयोजक हो सकते हैं। इसमें राज्यों के सदस्य भी शामिल होंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि संदर्भ की शर्तें (टीओआर) और जीओएम के सदस्यों को अंतिम रूप देने का काम जारी है। जीओएम को यह सुझाव देना होगा कि अहितकर और विलासिता की वस्तुओं पर एकत्रित उपकर को केंद्र और राज्यों के बीच कैसे बांटा जाएगा। साथ ही जीओएम इस बदलाव को लागू करने के लिए आवश्यक कानूनी संशोधनों पर सुझाव देगा। उन्होंने कहा कि जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्रियों के समूह के सदस्यों पर निर्णय की प्रक्रिया चल रही है। लेकिन चूंकि मुद्दा उपकर के संबंध में है, जो केंद्र द्वारा एकत्र किया जाता है, और इसका बंटवारा होगा, ऐसे में जीओएम में केंद्र से भी एक सदस्य होगा। आमतौर पर जीओएम के सबसे वरिष्ठ सदस्य को इसका संयोजक बनाया जाता है। इसलिए, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री के जीएसटी मुआवजा उपकर पर जीओएम के संयोजक होने की संभावना है।

नायरा एनर्जी की ईंधन बिक्री 14 फीसदी बढ़ी, निर्यात घटा

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी की ईंधन बिक्री 2024 के वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही में 14.3 प्रतिशत बढ़ी है। हालांकि, इस दौरान कंपनी के निर्यात में गिरावट देखी गई है। नायरा ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में उसने गुजरात में अपनी वाडिनार तेल रिफाइनरी में उत्पादित समस्त डीजल का 75 प्रतिशत स्थानीय बाजार में बेचा। वहीं 60 प्रतिशत पेट्रोल की बिक्री भारतीय बाजार में हुई। पिछले कुछ वर्षों में नायरा एनर्जी ने अपने ईंधन खुदरा नेटवर्क को रणनीतिक रूप से कम पहुंच वाले बाजारों तक विस्तारित करते हुए अपने घरेलू कारोबार को तेजी से आगे बढ़ाया है। नायरा ने कहा कि अप्रैल-जून में उसकी खुदरा डीजल बिक्री 14 प्रतिशत बढ़कर 20.8 लाख टन हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में यह 18.2 लाख टन थी। इस दौरान कंपनी के संस्थागत कारोबार की वृद्धि 23 प्रतिशत रही। इसी तरह दूसरी तिमाही में कंपनी की पेट्रोल की खुदरा बिक्री 14.7 प्रतिशत बढ़कर 9.16 लाख रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 8.09 लाख टन थी। नायरा एनर्जी पूरे भारत में 6,500 से अधिक पेट्रोल पंप के साथ सबसे बड़े निजी खुदरा नेटवर्क का परिचालन करती है। घरेलू बाजार में मजबूत मांग के बीच अप्रैल-जून में नायरा का पेट्रोल निर्यात कुल पेट्रोल बिक्री में 21 प्रतिशत रह गया। एक साल पहले समान तिमाही में यह 36 प्रतिशत था। नायरा ने अप्रैल-जून में 13.6 लाख टन ईंधन का निर्यात किया। इसमें 6.5 लाख टन हिस्सा डीजल का रहा।

वेनम एफ5-एम रोडस्टर है अमेरिकी कंपनी की शानदार कार

नई दिल्ली । अमेरिकी कार निर्माता कंपनी हेनेसी स्पेशल व्हीकल्स की नवीनतम पेशकश, वेनम एफ5-एम रोडस्टर है जो कि सड़क पर फाइटर जेट जैसी खूबसूरती और अविश्वसनीय ताकत लेकर आई है। हेनेसी का दावा है कि वेनम एफ5-एम रोडस्टर अब तक की सबसे ताकतवर मैन्युअल ट्रांसमिशन कार है।यह कार केवल 12 यूनिट्स की लिमिटेड एडिशन में बनाई जा रही है, और इसकी कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये है। इसका डिजाइन पूरी तरह से कार्बन फाइबर से तैयार किया गया है, जो इसे हल्का और मजबूत बनाता है। कार की छत एक फाइटर जेट की तरह ऊपर की ओर खुलती है, और इसमें केवल एक व्यक्ति के बैठने की जगह है, जो इसकी एकल सवारी के अनुभव को विशेष बनाता है। इसकी ताकत की बात करें तो वेनम एफ5-एम रोडस्टर में 6 ट्रांसमिशन फ्यूरी वी8 इंजन है, जो 1,817 बीएचपी की शक्ति उत्पन्न करता है। इसके मुकाबले, एक डबल डेकर ट्रक का इंजन आमतौर पर 600 बीएचपी की शक्ति जनरेट करता है, जिससे यह कार ट्रक से तीन गुना ज्यादा ताकतवर साबित होती है। इसके अलावा, यह कार महज कुछ सेकंड में 357 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पकड़ सकती है, जो इसे सुपर-फास्ट बनाती है। कार के कॉकपिट को एल्यूमिनियम और कार्बन फाइबर से बनाया गया है, जिससे यह मजबूत होने के साथ-साथ हल्का भी है। गियर नॉब पर इस्तेमाल किए गए मैटेरियल की टच फिल को लेकर ड्राइवर को एक शानदार अनुभव मिलता है। हेनेसी ने पहले ही वेनम एफ5 कूप की 24 यूनिट्स बाजार में उतारी हैं, और अब वेनम एफ5-एम रोडस्टर की सभी 12 यूनिट्स बिक चुकी हैं। हेनेसी के फाउंडर और सीईओ जॉन हेनेसी ने कहा, हम दुनिया की सबसे ताकतवर मैन्युअल कार पेश करके बेहद उत्साहित हैं। हमारी योजना इसकी 30 यूनिट्स बनाने की है, और हर कार की रंग योजना विशेष रूप से हर मालिक के लिए अलग होगी।

फेड के ब्याज दर पर फैसले, वृहद आर्थिक आंकड़ तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

- विदेशी निवेशकों का प्रवाह और कच्चे तेल के भाव भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे

मुंबई ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर फैसले से तय होगी। इसके अलावा वैश्विक मोर्चे पर कई वृहद आर्थिक आंकड़े और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार को दिशा देंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह काफी उल्लेखनीय रहा। गुरुवार को निफ्टी और सेंसेक्स दोनों अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गए। उसी दिन बीएसई के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स ने पहली बार 83,000 अंक के स्तर को पार किया। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह साल का सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम होने जा रहा है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक 18 सितंबर को होगी। यह लगभग तय है कि इससे ब्याज दर में कटौती चक्र की शुरुआत होगी। अमेरिका में आम सहमति ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती को लेकर है। हालांकि कुछ बाजार भागीदार ब्याज दर में आधा प्रतिशत कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह का कदम वैश्विक बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण सकारात्मक संकेत होगा, खासकर भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए। इससे डॉलर कमजोर होगा और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में कमी आएगी, जिससे भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का प्रवाह बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जापान के मुद्रास्फीति आंकड़े शुक्रवार को आने हैं, जिसके बाद बैंक ऑफ जापान (बीओजे) की मौद्रिक नीति की घोषणा होगी।उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों का प्रवाह, भू-राजनीतिक घटनाक्रम और कच्चे तेल के दाम भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। बाजार का परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों जैसे भारत की थोक मुद्रास्फीति, अमेरिका के औद्योगिक उत्पादन, अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर निर्णय तथा अमेरिका के बेरोजगारी दावों के आंकड़ों से तय होगा। एक अन्य बाजार विश्लेषक ने कहा कि आगे की ओर देखें, तो यह सप्ताह काफी महत्वपूर्ण है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दर पर निर्णय की घोषणा 18 सितंबर को होगी। घरेलू स्तर पर बाजार भागीदारों की निगाह थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों और विदेशी कोषों के प्रवाह पर रहेगी। 13 सितंबर को समाप्त सप्ताह में एक जो प्रमुख बात रही, वह यह कि एफआईआई ने सप्ताह के सभी दिन लिवाली की। उन्होंने कहा कि दो कारण हैं कि एफआईआई ने अपनी रणनीति को बदल दिया है। अब इस बात पर आम सहमति है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक इस महीने से दरों में कटौती शुरू कर देगा, जिससे अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल घट जाएगा। इससे उभरते बाजारों में निवेश बढ़ेगा। दूसरा, भारतीय बाजार काफी जुझारू है और यदि एफआईआई यहां निवेश नहीं करते हैं, तो यह एक खराब रणनीति होगी।

बच्चों के लिए चलता है संचायिका नाम से एक बैंक

- पोस्ट ऑफिस में जमा होती हैं बचत

नई दिल्ली । राष्ट्रीय बचत संस्थान (एनएसआई) की ओर से हर साल 15 सितंबर को संचायिका दिवस के रूप में बनाया जाता है। इसका उद्देश्य बच्चों को बैंकिंग और अकाउंटिंग सिस्टम की जानकारी देने के साथ उनमें सेविंग की आदत को बढ़ावा देना है, जिससे वे अपने भविष्य में सेविंग कर अच्छे नागरिक बन देश के विकास में योगदान दे सके। संचायिका एक धन प्रणाली है। कह सकते हैं कि इसके जरिए बच्चों को बचत का ककहरा सिखाया जाता है। बचत का महत्व समझ पाते हैं। इस योजना के तहत बच्चे खाते में पैसे जमा कर सकते हैं और उस पर ब्याज प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना का विचार पहली बार 1960 के दशक में आया था। संचायिका नाम से एक बैंक भी है जो कि छात्रों द्वारा छात्रों के लिए चलाया जाता है। राष्ट्रीय बचत संस्थान की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक संचायिका बैंक में छात्रों द्वारा एकत्रित की जाने वाली राशि पोस्ट ऑफिस सेविंग्स अकाउंट मे जमा किया जाता है। इस खाते को बोर्ड ऑफ ट्रस्टी द्वारा चलाया जाता है, जिसमें स्कूल के प्रिंसिपल या हेड मास्टर और स्कूल या कॉलेज के दो छात्र होते हैं। इस खाते के लिए छात्रों से संग्रह किसी एक निश्चित दिन किया जाता है और इसकी एंट्री भी पासबुक में की जाती है और फिर पासबुक को छात्रों को लौटा दिया जाता है। इस खाते में जमा राशि पर बच्चों को ब्याज भी दिया जाता है। संचायिका दिवस को केंद्र सरकार के ज्यादातर स्कूल और कॉलेजों में मनाया जाता है। इस दिन को छात्रों में बचत की आदत शुरू करने के दिन के रूप में देखा जाता है। इससे छात्र कम उम्र में ही पैसे बचाने के महत्व को समझ जाते हैं।

बीते सप्ताह ज्यादातर तेल-तिलहन में सुधार, मूंगफली में गिरावट

- खाद्य तेलों के आयात शुल्क में वृद्धि का विशेष असर देशी तेल-तिलहनों पर नहीं दिखा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार द्वारा बीते सप्ताह खाने के तेलों का आयात शुल्क बढ़ाए जाने के बाद देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में अधिकांश तेल-तिलहनों के भाव सुधार के साथ बंद हुए। वहीं दाम ऊंचा रहने के कारण कम कारोबार तथा नई फसल की आवक के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट दर्ज हुई। खाद्य तेलों के आयात शुल्क में वृद्धि किये जाने का कोई विशेष असर देशी तेल-तिलहनों पर नहीं दिखा। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 300 रुपये बढ़कर 6,600-6,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 1,225 रुपये बढ़कर 13,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 125-125 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 2,135-2,235 रुपये और 2,135-2,250 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 180-135 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 4,900-4,950 रुपये प्रति क्विंटल और 4,675-4,810 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 1,235 रुपये, 1,525 रुपये बढ़कर क्रमशः11,850 रुपये, 11,750 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर सोयाबीन डीगम तेल का भाव 250 रुपये की गिरावट दर्शाता 8,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी गिरावट का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 225 रुपये की गिरावट के साथ 6,475-6,750 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 475 रुपये की गिरावट के साथ 11,750 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,310-2,610 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। वहीं आयात शुल्क वृद्धि के कारण कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 1,675 रुपये की तेजी के साथ 11,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 1,500 रुपये के सुधार के साथ 12,150 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 1,350 रुपये के सुधार के साथ 11,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।नाममात्र स्टॉक के बीच मांग निकलने से बिनौला तेल 950 रुपये के सुधार के साथ 11,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

बैंकों को प्रतिस्पर्धी बने रहने ग्राहकों की जरूरत अनुरूप खुद को ढालना चाहिएः सीईए

चेन्नई । मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने हाल ही में सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा है कि बैंकों को प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए ग्राहकों की बदलती जरूरतों और बाजार में आ रहे बदलावों के अनुरूप खुद को ढालना चाहिए। उन्होंने इस कार्यक्रम में आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाने में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। भारतीय अर्थव्यवस्था और बैंकिंगः वृद्धि और रुझान' विषय पर अपने संबोधन में नागेश्वरन ने उद्योग में वृद्धि और नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति के महत्व को रेखांकित किया। बैंक द्वारा जारी बयान के अनुसार सीईए ने प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए बैंकों को बदलती ग्राहक प्राथमिकताओं और बाजार की गतिशीलता के अनुरूप खुद को ढालने का आह्वान किया। उन्होंने ज्ञान साझा करने और उत्कृष्टता में निवेश करने के प्रयासों के लिए इंडियन बैंक की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने उद्यमियों को प्रशिक्षित करने के बैंक के एमएसएमई प्रेरणा कार्यक्रम को भी सराहा। इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एसएल जैन ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. नागेश्वरन द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था और बैंकिंग क्षेत्र पर इसके प्रभाव को लेकर अपने जो विचार साझा किए गए हैं, उसका सभी भागीदारों को लाभ होगा। इससे वे चुनौतियों को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स जल्द बड़ा आईपीओ लांच करेगी

नई दिल्ली ।

दक्षिण कोरिया की एमएनसी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में अपने उत्पादों की लोकप्रियता को भुनाने के लिए एक बड़ा आईपीओ लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। कंपनी 1 से 1.5 अरब डॉलर का आईपीओ लेकर आ रही है, जिसके लिए उसने बैंक ऑफ अमेरिका, सिटीग्रुप इंक, जेपी मॉर्गन चेस और मॉर्गन स्टेनली जैसे बड़े बैंकों का चयन किया है। इस आईपीओ के जरिए एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की वैल्यूएशन लगभग 13 अरब डॉलर तक हो सकती है। भारत एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और कंपनी यहां अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आईपीओ 2024 की शुरुआत में लॉन्च हो सकता है, हालांकि इसकी तारीख और साइज में बदलाव संभव है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स अपने आईपीओ से संबंधित दस्तावेज अगले महीने स्टॉक मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कर सकती है। इसके अलावा कंपनी अन्य बैंकों, जिनमें कुछ भारतीय बैंक भी शामिल हो सकते हैं, को इस आईपीओ में जोड़ने की योजना बना रही है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने 2030 तक अपना रेवेन्यू 75 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें यह आईपीओ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत का बाजार विदेशी निवेशकों के लिए तेजी से आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है और हाल ही में हुंडई मोटर कंपनी ने भी अपने आईपीओ की योजना का खुलासा किया था।

आर.के. सिन्हा

अगर हम इतिहास के पन्नों को खंगाले तो देखते हैं कि भारत के संविधान निमार्ताओं ने सभी धार्मिक समुदायों को अपने धर्म के प्रचार की छूट दी थी। क्या इसकी कोई आवश्यकता थी? बेशक, भारत में ईसाई धर्म की तरफ से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ठोस और ईमानदारी से काम किया गया है। पर कहने वाले कहते हैं कि उस सेवा की आड़ में धर्मांतरण का ही मुख्य लक्ष्य रहा है।

भारत के प्रत्येक नागरिक को किसी धर्म को मानने या ना मानने या फिर किसी भी धर्म से जुड़ने का अधिकार संविधान देता है, पर किसी प्रलोभन या गलतफहमी में योजनाबद्ध रूप से किसी तरह के धर्मांतरण को अपराध माना गया है।

इस आलोक में उत्तर प्रदेश की एक विशेष अदालत द्वारा हाल ही में अवैध धर्म परिवर्तन के मामले में दोषी करार दिये गये 12 लोगों को उम्रकैद और चार अन्य दोषियों को 10-10 वर्ष कैद की सजा सुनाना महत्वपूर्ण है। अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी करार दिया। अदालत की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक, धर्मांतरण करवाने के धंधे से जुड़े शातिर लोगों को भारतीय दंड संहिता की धारा 121 ए (राष्ट्रद्रोह) के तहत सजा सुनायी गई। विशेष लोक अभियोजक एमके सिंह के मुताबिक, उमर गौतम और मामले के अन्य अभियुक्त एक साजिश के तहत धार्मिक उन्माद, वैमनस्य और नफरत फैलाकर देशभर में अवैध धर्मांतरण का गिरोह चला रहे थे। उनके तार कई दूसरे देशों से भी जुड़े थे। इसके लिए आरोपी हवाला के जरिए विदेशों से धन भेजे जाने के मामले में भी लिप्त थे। वे आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं और दिव्यांगों को लालच देकर और उन पर अनुचित दबाव बनाकर बड़े पैमाने पर उनका धर्म परिवर्तन करा रहे थे।

उमर गौतम को मुफ्ती काजी जहांगीर आलम कासमी के साथ 20 जून 2021 को दिल्ली के जामिया नगर से गिरफ्तार किया गया था। वह एक ऐसे अवैध संगठन का संचालन कर रहा था जो उत्तर प्रदेश में मूक- बधिर छात्रों और गरीब लोगों को इस्लाम में धर्मांतरित कराने में शामिल था। इस बात की पुरजोर आशंका जताई जा रही है कि इसके लिए उसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से धन मिलता था। उमर गौतम पहले हिंदू था। लेकिन, उसने मुस्लिम धर्म स्वीकार कर लिया और धर्मांतरण कराने के अवैध धंधे में सक्रिय हो गया। उसने करीब एक हजार गैर मुस्लिम लोगों को इस्लाम में धर्मांतरित कराया और उनकी मुस्लिमों से दूसरी या तीसरी शादी कराई है।

देखिए, भारत में धर्म परिवर्तन को लेकर बहस तो होती रही है, होनी भी चाहिये। भारतीय संविधान धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जिसमें स्वेक्षा या स्वविवेक से धर्म बदलने का अधिकार भी शामिल है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 में धार्मिक स्वतंत्रता और धर्म बदलने के अधिकार की बात तो कही गई है। पर उमर गौतम और उनके साथी तो गरीब-गुरुबा लोगों को लालच और जोर-जबरदस्ती से धर्मांतरण करवा रहे थे। गौतम और उनका

गिरोह भूल गया था कि धर्म परिवर्तन सामाजिक एकता को कमजोर कर सकता है और समाज में भयंकर नफरत पैदा कर सकता है। भारत में धर्म परिवर्तन एक संवेदनशील मुद्दा है, जिसमें कानूनी, धार्मिक और सामाजिक सभी पहलू शामिल हैं।

कुछ साल पहले केरल के प्रतिष्ठित फिल्म निमार्ता निर्देशक अली अकबर और उनकी ईसाई पत्नी लूसीअम्मा ने आर्य समाज में हवन के जरिए हिन्दू धर्म अंगीकार कर लिया था। आर्य समाज के स्वामी जी द्वारा उनका नया नामकरण भी कर दिया गया है। अली अकबर को नया नाम मिला था राम सिम्हन। हिन्दू धर्म ही क्यों? यह प्रश्न पूछे जाने पर अली अकबर ने कहा था, 'क्योंकि हिंदू धर्म कोई धर्म नहीं बल्कि एक संस्कृति है। यहां नर्क में जाने का डर नहीं है। आप एक इंसान की तरह जी सकते हैं क्योंकि भगवान आपके अंदर हैं। अपने भीतर ईश्वर को देखना एक महान विचार है।' कहते हैं कि राम सिम्हन केरल में हिंदू धर्म अपनाने वाले पहले मुसलमान थे। लेकिन, यह राम सिम्हन के स्वविवेकेपूर्ण निर्णय को दशार्ता है। इसपर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिये!

एक बात बहुत साफ है कि किसी को लालच देकर या जोर जबरदस्ती धर्मांतरण करवाना तो कतई सही नहीं माना जा सकता है। समझ नहीं आता कि कुछ धर्मों से जुड़े लोग क्यों इसी फिराक में रहते हैं कि उनके धर्म से अन्य धर्मों को मानने वाले जुड़े जाएं। गुस्ताखी माफ, कई इस्लामिक और ईसाई संगठन इसी कोशिश में रहते हैं कि दूसरे धर्म को माननेवाले उनके मजहब का हिस्सा बन जाएं? यह कोई बात हुई क्या? फिर यदि बाकी धर्मों को मानने वाले लोग भी यही करने लगें, तो समाज में भाईचारा कहाँ और कैसे बचा रहेगा। अगर कोई अपने मन से उस धर्म को त्याग देता है, , जिसमें उसका जन्म हुआ है तब तो कोई बात नहीं है। उदाहरण के रूप में म्युजिक डायरेक्टर रहमान को ही लेते हैं। उन्होंने खुद ही हिन्दू धर्म को छोड़कर इस्लाम को स्वीकार कर लिया। उनके परिवार के बाकी सदस्यों ने भी इस्लाम अपना लिया। यहां तक तो सब ठीक है। पर कुछ तत्व सुदूर इलाकों में रहने वालों को अपना पाले में लाने की जुगाड़ में रहते हैं। इस सबकी तो हमारा संविधान अनुमति नहीं देता। जब गौतम जैसों पर एक्शन होता है तो कुछ कथित बुद्धजीवी अलाप करने लगते हैं। पिछले कई सालों से पंजाब से खबरें आ रही हैं कि राज्य में दलित सिखों को लालच देकर ईसाई धर्म से जोड़ा जा रहा है।

मेरे संज्ञान में एक एक सच्ची घटना है जो मैं शेयर कर रहा हूँ। । लगभग दस वर्ष पहले मुझे अपने एक स्कूल के खेल शिक्षक के बारे में पता चला कि उसने त्यागपत्र दे दिया है और अगले महीने से हमें एक खेल शिक्षक नियुक्त करना होगा। मैंने उसे बुलाया और पूछा कि तुम्हारी तकलीफ क्या है? उसने बताया कि मुझे कोई तकलीफ नहीं है। पर आप जितना वेतन मुझे दे रहे हैं, उससे दस या बीस गुना कमाने का जरिया मुझे मिल गया है। मुझे घर मरम्मत के लिये पैसों की सख़्त जरूरत थी। मुझे पता चला कि मेरे इलाके में एक नया चर्च बना है उसके पादरी जरूरतमंदों की मदद करते हैं। मैं उनके पास गया। उन्होंने कहा कि मदद करूँगा। लेकिन, तुम्हें हर रविवार चर्च आकर प्रार्थना करनी होगी। मुझे तरीका आसान सा लगा। उन्होंने मुझे सपरिवार (पति-पत्नी, मेरी विधवा माँ और दो बच्चों को) ईसाई बनने के लिये बीस हजार प्रति व्यक्ति की दर से एक लाख रुपये दिये। बाद में पता चला कि मेरे जिस पड़ोसी ने मुझे ईसाई बनने का लालच दिया और पादरी से मिलवाने ले गया उसे भी इतना ही पैसा मिला। तो मुझे लगा कि इस तरह धर्म प्रचार करके तो ज्यादा कमाया जा सकता है तो मैंने इस्तीफा दे दिया। वह आज भी धड़ल्ले से गाँव-गाँव जाकर देवभूमि उत्तराखंड को ईसाई भूमि बनाने में लगा है। पहले हाफ पैंट और टीशर्ट पहनकर साइकिल से घूमता था। अब सलीके के सूट पहनकर चमचमाती कार में घूमता है। ऐसे एक नहीं अनेक धर्म भ्रष्ट लालची लोग आपको हर इलाके में मिल जाएँगे।

यह सवाल अपने आप में बेहद महत्वपूर्ण है कि क्या भारत में धर्म प्रचार की अनुमति जारी रहनी चाहिए? कभी कभी लगता है इस मसले पर देश में बहस हो ही जाए कि क्या भारत में धर्म प्रचार की स्वतंत्रता जारी रहे अथवा नहीं? देखा जाए तो केवल धर्म पालन की स्वतंत्रता होनी चाहिये। धर्म के प्रचार-प्रसार की छूट की कोई आवश्यकता ही नहीं। धर्म कोई दुकान या व्यापार तो है नहीं जिसका प्रचार प्रसार करना जरूरी हो।

अगर हम इतिहास के पन्नों को खंगाले तो देखते हैं कि भारत के संविधान निमार्ताओं ने सभी धार्मिक समुदायों को अपने धर्म के प्रचार की छूट दी थी। क्या इसकी कोई आवश्यकता थी? बेशक, भारत में ईसाई धर्म की तरफ से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ठोस और ईमानदारी से काम किया गया है। पर कहने वाले कहते हैं कि उस सेवा की आड़ में धर्मांतरण का ही मुख्य लक्ष्य रहा है। उधर, इस्लाम का प्रचार करने वाले बिना कुछ किए ही धर्मांतरण करवाने के मौके खोजते हैं। हालांकि मुसलमानों की शिक्षण संस्था अंजुमन इस्लाम ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। ये मुंबई में सक्रिय है। अब आप देखें कि आर्य समाज, सनातन धर्म और सिखों की तरफ से देश में सैकड़ों स्कूल, कॉलेज, अस्पताल वगैरह चल रहे हैं। पर इन्होंने किसी ईसाई या मुसलमान का धर्मांतरण का कभी प्रयास नहीं किया। आपको अपने धर्म को मानने की तो अनुमति होनी चाहिए, पर अपने धर्म का प्रचार करने या धर्मांतरण करने की इजाजत तो नहीं दी जा सकती।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

आतंकवाद अब भी मुद्दा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ड़ोड़ा की एक चुनावी रैली में कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अंतिम सांस ले रहा है, और उनकी सरकार ने इस 'सुंदर क्षेत्रको नष्ट करने वाली' वंशवादी राजनीति का मुकाबला करने के लिए नया नेतृत्व पेश किया है। जम्मू क्षेत्रके ड़ोड़ा, किश्तवाड़. और रामबन तथा दक्षिण कश्मीर के जिलों अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां और कुलगाम की 24 विधानसभा सीटों पर पहले चरण में 25 सितम्बर को मतदान होगा। दूसरे चरण में 26 सीटों तथा आखिरी चरण में 40 सीटों के लिए मतदान होगा। भाजपा के उम्मीदवारों के समर्थन में ड़ोड़ा रैली को संबोधित करते हुएमोदी ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के अपनी सरकार के वादे को दोहराया और लोगों को नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और पीड़ीपी को फिर से सत्ता में लाने के प्रति आगाह किया। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के चुनाव इसलिए महत्त्वपूर्ण हो गएहैं कि राज्य का विशेष दर्जा समाप्त करने, अनुच्छेद 370 निरस्त करने और राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों-जम्मू-कश्मीर और लद्दाख-में विभाजित करने के उपरांत पहली बार जम्मू-कश्मीर की असेंबली के लिए चुनाव हो रहे हैं। जम्मू-कश्मीर को विधानसभा दी गई है, जबकि लद्दाख को प्रशासक के माध्यम से प्रशासित किया जा रहा है। चुनाव को विपक्ष अनुच्छेद 370 और जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य की बहाली के लिए रायशुमारी करार दे रहे हैं, जबकि भाजपा ने स्पष्ट कर दिया है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा, लेकिन अनुच्छेद 370 की वापसी संभव नहीं रह गई है। दिलचस्प यह है कि प्रमुख विपक्ष पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस अभी भी अनुच्छेद 370 की वापसी को चुनावी मुद्दा बनाए हुए हैं। इसके अलावा वह जम्मू-कश्मीर की सवायत्तता का अपना पुराना राग भी अलापे हुए है, और इस मुद्दे को चुनाव का प्रमुख मुद्दा बनाकर मैदान में है। अन्य विपक्षी पार्टी पीड़ीपी का भी यह प्रिय मुद्दा है। बहरहाल, भाजपा राज्य में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद राज्य में उभरे बनिस्बत शांतिपूर्ण परिदृश्य को अपनी उपलब्धि के रूप में प्रचारित कर रही है, और उसे लगता है कि उसका यह मुद्दा कारगर होगा। बेशक, 370 को निरस्त करने के बाद राज्य में शांति का माहौल बना और पत्थरबाजी की घटनाओं पर भी रोक लगी, लेकिन चुनाव की घोषणा के समय से अब तक छिटपुट आतंकी घटनाओं ने राज्य की जनता को विचलित किया है। देखा जाना है कि वह किस पार्टी के पक्ष में जनादेश देती है।

चिंतन-मनन

आत्मा का दिव्य भाव

जो व्यक्ति दिव्य पद पर स्थित है, वह न किसी से ईष्या करता है और न किसी वस्तु के लिए लालायित रहता है। जब कोई जीव इस संसार में भौतिक शरीर से युक्त होकर रहता है, तो समझना चाहिए कि वह प्रकृति के तीन गुणों में से छूट जाता है। लेकिन जब तक वह शरीर से बाहर नहीं आ जाता, तब तक उसे उदासीन रहना चाहिए। उसे भगवान की भक्ति में लग जाना चाहिए जिससे भौतिक देह से उसका ममत्व स्वतः विस्मृत हो जाए। जब मनुष्य भौतिक शरीर के प्रति सचेत रहता है तो वह केवल इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, लेकिन जब चेतना कृष्ण में स्थानान्तरित कर देता है, तो इन्द्रियतृप्ति स्वतः रुक जाती है। मनुष्य को इस भौतिक शरीर की आवश्यकता नहीं रह जाती है और न उसे भौतिक शरीर के आदेशों के पालन की आवश्यकता रह जाती है। शरीर के भौतिक गुण कार्य करेंगे, लेकिन आत्मा ऐसे कार्य से पृथक रहेगी। वह न तो शरीर का भोग करना चाहती है, न उससे बाहर जाना चाहती है। इस प्रकार दिव्य पद पर स्थित भक्त स्वयमेव मुक्त हो जाता है। उसे प्रकृति के गुणों के प्रभाव से मुक्त होने के लिए किसी प्रयास की कोई आवश्यकता नहीं रह जाती। भौतिक पद पर स्थित व्यक्ति शरीर को मिलने वाले तथाकथित मान-अपमान से प्रभावित होता है, लेकिन दिव्य पद पर आसीन व्यक्ति ऐसे मिथ्या मान-अपमान से प्रभावित नहीं होता। वह इसकी चिन्ता नहीं करता कि कोई व्यक्ति उसका सम्मान करता है या अपमान। वह उन बातों को स्वीकार कर लेता है, जो कृष्णभावनामृत में उसके कर्त्तव्य के अनुकूल हैं, अन्यथा उसे किसी भौतिक वस्तु की आवश्यकता नहीं रहती। वह प्रत्येक व्यक्ति को जो कृष्णभावनामृत के सम्पादन में उसकी सहायता करता है, मित्र मानता है और तथाकथित शत्रु से भी घृणा नहीं करता। वह समभाव वाला होता है और सारी वस्तुओं को समान धरातल पर देखता है, क्योंकि वह इसे भलीभांति जानता है कि उसे इस संसार से कुछ लेना-देना नहीं है।

चीन पर कभी यकीन नही किया जा सकता

लगातार चार साल से चले आ रहे भारत चीन के बीच तनाव के कम होने के संकेत हैं। भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंधों को लेकर हाल में घटनाक्रम बहुत तेजी से घटा है। चीन भारत सीमा से सेना का पीछे हटना बहुत अच्छा है किंतु चीन की बात पर आंख मुंदकर यकीन नही किया जा सकता। समझौते करने के बाद अपनी बात से मुकरना उसकी आदत रही है। धोखा देना चीन का चरित्र है। उसपर पूरी तरह से नजर रखनी होगी। उसकी चाल के अनुरूप हमें अपना व्यवहार और तैयारी करना होंगी। भारत चीन सीमा विवाद के सुलझने के संकेत गुरुवार को ही सेंट पीटर्सबर्ग में ब्रिक्स एनएसए लेवल की समिट के साइडलाइन्स पर हुई उस बैठक के दौरान ही दिख गए थे जो एनएसए अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई थी। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से बैठक के बाद जारी प्रेस नोट में इस बात का जिक्र था कि दोनों देशों ने बचे हुए क्षेत्रों में भी पूर्ण डिसएंगेजमेंट की दिशा में काम करने को लेकर सहमति जताई है। जानकार मानते हैं कि गतिरोध दूर करने करने की दिशा में ले जाने की प्रक्रिया एकाएक नहीं होती। इसके लिए बैकग्राउंड में काम होता रहता है।

ओआरएफ में फेलो और चीन मामलों के जानकार कल्पित मणकिकर कहते हैं कि 'ऐसा एक लंबी प्रक्रिया के तहत होता है। दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और दोनों देशों के विदेश मंत्री लगातार मुलाकात करते आ रहे हैं। पिछले चार सालों से बॉर्डर मुद्दों को सुलझाने को लेकर कोशिशें लगातार हो रही है। सेना के कमांडर स्तर पर बातें अलग से होती रही हैं। भारत और चीन दोनों की ओर से इस तरह की कोशिशें की जा रही थी। हालांकि अब जो दिख रहा है, उसके मद्देनजर इस तरह की कोशिशें क्या दिशा लेंगी, इसे लेकर अभी वेट एंड वॉच की स्थिति में ही रहा जा सकता है। बॉर्डर पर आए गतिरोध के मद्देनजर विदेश मंत्रियों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की बैठकें किए जाने का एक मैकेनिज्म तैयार किया गया है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में सीमा मुद्दे पर गुरुवार को कहा कि सैनिकों की वापसी से संबंधित मुद्दे लगभग 75 प्रतिशत तक सुलझ गए हैं लेकिन बड़ा मुद्दा सीमा पर बढ़ते सैन्यीकरण का है। जिनेवा में थिंकटैंक के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि जून 2020 में गलवन घाटी में हुए टकराव ने भारत-चीन संबंधों को समग्र रूप से प्रभावित किया।

जयशंकर ने कहा कि विवादित मुद्दों का समाधान ढूंढ़ने के लिए दोनों पक्षों में बातचीत चल रही है। हमने कुछ प्रगति की है। मोटे तौर पर सैनिकों की वापसी संबंधी करीब तीन-चौथाई मुद्दों का हल निकाल लिया गया है। लेकिन इससे भी बड़ा मुद्दा यह है कि हम दोनों ने अपनी सेनाओं को एक-दूसरे के करीब ला दिया है और इस लिहाज से सीमा का सैन्यीकरण हो रहा है।

सूत्रों का कहना है कि भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख में कुछ टकराव वाले बिंदुओं पर गतिरोध बना हुआ है। भारत कहता रहा है कि सेना के पूर्व स्थान पर पहुंचे बिना सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति नहीं होगी, चीन के साथ संबंध सामान्य नहीं हो सकते। जयशंकर ने कहा कि 2020 में जो कुछ हुआ, वह कुछ कारणों से कई समझौतों का उल्लंघन था जो अभी भी हमारे लिए पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हैं। चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बहुत बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात किया और स्वाभाविक रूप से जवाबी तौर पर हमने भी अपने सैनिकों को भेजा।

2020 की झड़प के बाद से दोनों देश सीमा पर बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, जिसे वास्तविक नियंत्रण रेखा के रूप में भी जाना जाता है। भारत द्वारा उच्च ऊंचाई वाले हवाई अड्डे तक एक नई सड़क का निर्माण चीनी सैनिकों के साथ 2020 में होने वाली घातक झड़प के मुख्य कारणों में से एक माना जा रहा है। इस बार चीनी सेना के सीमा से पीछे हटने का कारण चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य वांग काबयान भी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अशांत विश्व का सामना करते हुए, दो प्राचीन पूर्वी सभ्यताओं और उभरते विकासशील देशों के रूप में चीन और भारत को स्वतंत्रता पर दृढ़ रहना चाहिए. उन्होंने आगे कहा कि एकता और सहयोग का चयन करना चाहिए तथा एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाने से बचना चाहिए। वांग ने उम्मीद जताई कि दोनों पक्ष व्यावहारिक दृष्टिकोण के जरिए अपने मतभेदों को उचित ढंग से हल करेंगे और एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने का उचित तरीका ढूंढेंगे। चीन-भारत संबंधों को स्वस्थ, स्थिर और सतत विकास के रास्ते पर वापस लाएंगे। इतना सब हो रहा है पर जरूरी यह है कि दोनों का मई 2020 की यथास्थिति पर वापस लौटना ही समाधान है। निश्चित रूप से पीछे हटना समाधान नहीं है। यदि निश्चित रूप से समाधान के रास्ते पर चले तो भारत नुकसान में ही रहेगा। इन सब को देखकर भारत को चलना होगा। मई 2020 की स्थिति पर चीन सहमत होगा, ऐसा नही लगता।

सीमा विवाद के चार साल के दौरान समाचार आए की चीन सीमा पर नए हवाई अड्डे-सैनिक छावनी उनके लिए बंकर बना रहा है। अपने सीमा से सटे क्षेत्र में गांव विकसित कर रहा है। भारतीय क्षेत्र के स्थानों क नाम बदल रहा है। हालाकि विवाद की अवधि में भारत ने भी सीमा पर सुरक्षा ढांचा विकसित किया है। नए एयरबेस तैयार कर रहा है। ठंडे स्थानों में रहने के लिए सैनिकों को प्रशिक्षित करने के साथ ही उनके लिए बर्फ के दौरान भी रहने के लिए सौलर से गर्म करने वाले उनके टैंट बना रहा है। इस प्रक्रिया को भारत का और तेज करना होगा। सीमा रेखा के सटाकर गांव विकसित करने होंगे तोकि चीन की गतिविधि पर नजर रखी जा सके। एक तरह से चीन की प्रत्येक कार्रवाई का उत्तर उसके कदम ही से आगे बढकर देना होगा।

एक बात और चीन कभी का काबू में आ गया होगा, काश हम भारतीय सही अर्थ में देशभक्त होते। मई 2020 में चीन से विवाद होने पर भारतीयों की फेसबुक पर बड़ी देशभक्ति दिखाई दी। लगाकि अब भारत में चीन का बना सामान नही आएगा। दीपावली पर व्यापारियों के आंकड़े भी आए कि चीन से बना कोई सामान नही मंगाया गया। जबकि आंकड़े इसके विपरीत हैं। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में भारत और चीन के बीच कुल 118.4 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। वहीं, अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार 118.3 अरब डॉलर रहा। 2021-22 और 2022-23 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार अमेरिका रहा था। अब चीन है। अमेरिका से हम अस्त्र- शस्त्र जैसे महंगे सामान लेते हैं। इसलिए वहां से आयात जयादा होना चाहिए था। चीन जानता है कि भारतीय और भारतीय व्यापारी सस्ते के लालच में उसका ही माल खरीदेंगे। इसलिए वह हठधर्मी पर है, यदि चीन का आयात दस प्रतिशत भी घट गया होता तो चीन कभी का भारत के आगे झुककर समझौता करने को मजबूर हो जाता।

- अशोक मधुप(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जल संकटः एक बार फिर वही रोना

विनीत नारायण

देश के ज्यादातर हिस्से में भारी वर्षा ने हालात बेकाबू कर दिए हैं। कई बांधों में जल का स्तर खतरे के निशान से भी ऊपर चला गया है। यह पानी अगर छूट कर निकल पड़ा तो दूर-दूर तक तबाही मचा देगा। नदियों के बहाव में पुल बहे जा रहे हैं जिनमें आए दिन जान-माल की हानि हो रही है। अनेक प्रदेशों के बड़े शहरों की पॉश बस्तियों में कमर तक पानी भर रहा है। गरीब बस्तियों की तो क्या कही जाए?

देश की राजधानी दिल्ली का ही इतना बुरा हाल है कि यहां जल से भरे नालों और बिना ढक्कन के मैनहोलों में कितनी ही जान जा चुकी हैं। बेकाबू जल का भराव, बिजली के खंबों को अपनी लपेट में ले रहा है, जिनमें फैला करंट जानलेवा सिद्ध हो रहा है। नगर पालिका-महापालिकाएं सब अतिवृष्टि के सामने बेबस हैं। इसके अपने अलग कई कारण हैं। पहले तो इंजीनियरिंग डिजाइन में ही गड़बड़ी होती है। दूसरा, जल के प्रवाह को और धरती के ढलान का निर्माण करते समय गंभीरता से नहीं लिया जाता। तीसरा, जल बहने के मार्ग कचड़े से पटे होने के कारण वाटर-लॉगिंग पैदा करते हैं। ये सब 'विकास' अगर सोच-विचार कर किया जाता तो ऐसे हालात पर काबू पाया जा सकता था पर जब उद्देश्य समस्या का हल न निकालना हो कर बल्कि अपनी हित साधना हो तो विकास के नाम पर ऐसा ही विनाश होगा। अपने इसी कॉलम में शहरों में जल भराव की समस्या के एक महत्त्वपूर्ण कारण को पिछले दो दशकों में मैं कई बार रेखांकित कर चुका हूं। समस्या यह है कि हर शहर में सड़कों की मरम्मत या पुनर्निर्माण का कार्य केवल विभाग और ठेकेदार के मुनाफा बढ़ाने के उद्देश्य से किए जाते हैं, जनता की समस्या का हल निकालने के लिए नहीं। हर बार पुरानी सड़क पर नया रोड़ा-पत्थर डाल कर उसे उसके पिछले स्तर से 8-10 इंच ऊंचा कर दिया जाता है, और यह क्रम पिछले कई दशकों से चल रहा है जिसका परिणाम यह हुआ है कि आज अच्छी-अच्छी कॉलोनियों की सड़कें, उन सड़कों के दोनों ओर बने भवनों से करीब एक-एक मीटर ऊंची हो गई हैं। नतीजतन, हल्की सी बारिश में ही इन घरों की स्थित नारकीय हो जाती है क्योंकि वर्षा का जल घरों में जमा हो जाता है।

भगवान श्री कृष्ण की नगरी मथुरा हो या महाकाल की नगरी उज्जैन, आप इस समस्या का साक्षात प्रमाण देख सकते हैं। मैंने दुनिया के कई दर्जन देशों की यात्रा की है। पर ऐसा भयावह दृश्य कहीं नहीं देखा जहां हर कुछ सालों में लोगों के घर के सामने की सड़क ऊंची होती जाती है। आजादी मिलने से आज तक हम वर्षा के जल का संचय तक नहीं कर पाए। हमारे देश में वर्ष भर में बरसने वाले जल का कुल 8 फीसद का ही संचयन हो पाता है। बाकी 92 फीसद वर्षा का शुद्ध जल बह कर समुद्र में मिल जाता है। जिसका परिणाम यह होता है कि गर्मी की शुरू आत होते ही देश में जल संकट शुरू हो जाता है। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे यह संकट और भी गहरा हो जाता है। राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र जैसे अनेक प्रांतों में तमाम शहर हैं, जो अपनी आबादी की जल की मांग की आपूर्ति नहीं कर पा रहे। आज देश में जल संकट इतना भयावह हो चुका है कि एक ओर तो देश के अनेक शहरों में सूखा पड़ता है तो दूसरी ओर कई शहर हर साल बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं। वहीं चेन्नई जैसा शहर भी है, जहां भूजल पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। जहां कभी चेन्नई में 200 फुट नीचे पानी मिल जाता था आज वहां भूजल 2000 फुट पर भी पानी नहीं है।

यह चेतावनी है भारत के बाकी शहरों के लिए कि अगर समय से नहीं जागे तो आने वाले समय में ऐसी दुर्दशा और शहरों की भी हो सकती है। एक समय वो भी था जब चेन्नई में खूब पानी हुआ करता था। मगर जिस तरह वहां शहरीकरण हुआ उसने जल प्रबंधन को अस्त-व्यस्त कर दिया। अब चेन्नई में हर जगह सीमेंट की सड़क बन गई है। कही भी खाली जगह नहीं बची, जिसके माध्यम से पानी धरती में जा सके। बारिश का पानी भी सड़क और नाली से बह कर चला जाता है कहीं भी खाली जगह नहीं है, जिससे धरती में पानी जा सके। इसलिए प्रशासन ने आम लोगों से आग्रह किया है कि वे अपने घरों के नीचे तलघर में बारिश का जल जमा करने का प्रयास करें। ताकि कुछ महीनों तक उस पानी का उपयोग हो सके। चेन्नई जैसे 22 महानगरों में भूजल पूरी तरह समाप्त हो गया है। जहां अब टैंकरों, रेलगाड़ियों और पाइपों से दूर-दूर से पानी लाना पड़ता है। अगर देश और प्रांतों के नीति निर्धारक और हम सब नागरिक केवल वर्षा के जल का सही प्रबंधन करना शुरू कर दें तो भारत सुजलाम-सुफलाम देश बन जाएगा, जो ये कभी था। 'पानी बीच मीन प्यासी, मोहे सुन-सुन आवे हांसी।'

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

एक्शन-थ्रिलर से भरपूर होगी शाहिद-तृप्ति की फिल्म

निर्माता साजिद नाडियाडवाला इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सिकंदर को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें सलमान खान मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। वहीं आज कुछ ही देर पहले साजिद ने अपनी एक और एक्शन-थ्रिलर फिल्म की घोषणा अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर की है। इस फिल्म में पहली बार शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की जोड़ी नजर आएगी। इस फिल्म का निर्देशन विशाल भारद्वाज करेंगे।

एक्शन-थ्रिलर से भरपूर होगी शाहिद-तृप्ति की आगामी फिल्म

साजिद नाडियाडवाला ग्रैंडसन के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज ने उनके आगामी प्रोजेक्ट की आधिकारिक घोषणा पोस्ट की। साजिद नाडियाडवाला द्वारा समर्थित और विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित, इस फिल्म में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। साजिद ने पोस्ट में अपनी, तृप्ति, विशाल और शाहिद की तस्वीर का एक कोलाज साझा किया और पोस्ट पर लिखा, मैं बेहद ही उत्साहित हूं अपने प्रतिभाशाली निर्देशक और मेरे प्रिय मित्र विश्ला भारद्वाज के साथ जुड़ने के लिए। साथ ही पावरहाउस अभिनेता शाहिद कपूर के साथ मिलकर काम करने के लिए बेहद रोमांचित हूं।

पहले भी कमाल दिखा चुकी है विशाल और शाहिद की जोड़ी

बता दें शाहिद और विशाल इस फिल्म से पहले 2009 में फिल्म कमीने और 2014 में हैदर के साथ बड़े पर्दे पर अपना जादू चला चुके हैं, जिसमें हैदर को सर्वश्रेष्ठ संगीत, संवाद, पार्श्व गायक और सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था।

फिल्म की शूटिंग

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाने की योजना बनाई जा रही है। यह एक मिशन-आधारित एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। साजिद नाडियाडवाला इसे सबसे बड़े संभव तरीके से पेश करने के लिए उत्साहित हैं। साजिद और विशाल की जोड़ी का मानना है कि शाहिद कपूर इस भूमिका के लिए सबसे सही अभिनेता हैं। फिल्म के लिए छह बड़े एक्शन सेट बनाने की योजना चल रही है। सबकुछ सही रहा तो यह फिल्म सितंबर या फिर अक्टूबर 2024 से फ्लोर पर आएगी और इसे भारत और अमेरिका में बड़े पैमाने पर शूट किया जाएगा। फिलहाल, साजिद नाडियाडवाला सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर की शूटिंग में भी व्यस्त हैं। एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित इस हार्ड-कोर एक्शन एंटरटेनर में रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, प्रतीक बब्बर और सत्यराज महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह अगले साल ईद 2025 पर रिलीज होगी।

इन फिल्मों से बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने को तैयार हैं आलिया

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपने अब तक के करियर में एक से बढ़कर एक शानदार फिल्में की हैं। वह बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में से एक हैं। पिछले दो वर्षों में अभिनेत्री ने कई हिट फिल्में दी हैं। आलिया ने अपनी अदाकारी से दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों की ही सराहना प्राप्त की है। अभिनेत्री की आने वाली फिल्मों की लिस्ट में कई शानदार और बड़ी फिल्में शामिल हैं। आइए जानते हैं आलिया की कौन-कौन सी फिल्में आने वाली हैं।

अल्फा

आलिया भट्ट यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स 'अल्फा' का हिस्सा बन चुकी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह इसकी शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में आलिया अपने एक्शन अवतार में नजर आएंगी। उनके साथ अभिनेत्री शरवरी वाघ भी फिल्म में हैं। आलिया की इस फिल्म में बॉबी देओल विलेन की भूमिका में नजर आएंगे।

जिगरा

करण जौहर के बैनर धर्मा प्रोडक्शन के अंतर्गत बनी फिल्म 'जिगरा' का धांसू ट्रेलर हाल ही में लॉन्च हुआ है। इस फिल्म में वह एक्शन करते हुए नजर आई हैं। ट्रेलर में देखा गया कि आलिया अपने भाई के लिए खूब संघर्ष करती हैं। यह फिल्म भाई-बहन के खास रिश्ते पर होगी।

लव एंड वॉर

हाल ही में संजय लीला भंसाली ने आलिया भट्ट के साथ फिल्म का एलान किया है। इस फिल्म का नाम 'लव एंड वॉर' है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में वह रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म के अगले साल के अंत तक रिलीज होने की उम्मीद है।

ब्रह्मास्त्र 2

साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म ब्रह्मास्त्र में आलिया भट्ट ने अहम भूमिका निभाई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके दूसरे भाग पर भी काम चल रहा है। फिल्म के दूसरे भाग में भी आलिया भट्ट नजर आएंगी।

आइटम सॉन्ग को ऑब्जेक्टिफाई करती है मीडिया

प्रभु देवा और वेधिका अपनी अगली फिल्म पेट्टा रैप के प्रमोशन में जोरो-शोरों से जुटे हुए हैं। इस फिल्म में सनी लियोनी भी विशेष भूमिका निभाएंगी। वहीं, हाल ही में सनी फिल्म के प्रमोशन के लिए कोच्चि पहुंचीं। इसी दौरान उन्होंने बातचीत में आइटम सॉन्ग को ऑब्जेक्टिफाई किए जाने पर बात की। उन्होंने इसका जिम्मेदार मीडिया को ठहराया और उनसे आग्रह किया कि उन्हें ऑब्जेक्टिफिकेशन शब्द का इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए।

सनी लियोनी के मुताबिक, मीडिया ही महिलाओं के लिए ऑब्जेक्टिफिकेशन शब्द का इस्तेमाल करता है। उन्होंने कहा, केवल मीडिया ही है जो ऑब्जेक्टिफिकेशन शब्द का उपयोग कर रहा है। इन गानों की वजह से हजारों लोग सिनेमाघर में फिल्में देखने आते हैं। यह ऑब्जेक्टिफिकेशन नहीं है, यह मनोरंजन प्रदान कर रहा है और हम यहां दर्शकों को वह प्रदान करने के लिए हैं। सनी लियोनी ने अपनी बात में आगे जोड़ा, हमें इस शब्द का प्रयोग बंद करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि सिनेमा फिर से शीर्ष पर हो, अन्यथा हममें से किसी के पास नौकरी नहीं होगी। जब आप टिकट खरीदते हैं तो यह अभिनेताओं के लिए बहुत मायने रखता है। कृपया सुनिश्चित करें कि आप आने वाली हर फिल्म का समर्थन करें।

पेट्टा रैप की बात करें तो इसे मलयाली फिल्म निर्माता एस जे सिनू ने तमिल में निर्देशित है। इसमें मलयाली अभिनेता कलाभवन शाजोन, रियास खान सहित अन्य कलाकार शामिल हैं। फिल्म का निर्माण ब्लू हिल फिल्म्स के बैनर तले जॉबी सैम ने किया है। यह एक म्यूजिकल पारिवारिक ड्रामा है। वहीं, निर्देशक एस जे सिनू ने खुलासा किया कि शुरुआत में उनकी प्रभु देवा को फिल्म में मुख्य अभिनेता के रूप में लेने की कोई योजना नहीं थी। निर्देशक ने कहा, पटकथा लेखक डिनिल पीके एक मलयालम फिल्म की योजना के साथ मेरे पास आए। जब मैंने इसे पढ़ा, तो इसमें बहुत सारे डांस मूव्स और सीक्वेंस थे। हमने नहीं सोचा था कि केरल में ऐसा अभिनेता ढूंढना आसान होगा जो संपूर्ण नृत्य संगीत का हिस्सा बन सके। यही कारण है कि हमने तमिल में फिल्म बनाने का फैसला किया और प्रभु देवा को इस फिल्म के लिए चुना। फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अभिनेत्री नयनतारा का एक्स अकाउंट हुआ हैक, पोस्ट कर प्रशंसकों को किया सावधान

साउथ की सुपरस्टार अभिनेत्री नयनतारा ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि उनका एक्स अकाउंट हैक हो गया है। 'जवान' अभिनेत्री ने अपने प्रशंसकों के साथ स्थिति के बारे में बताया। अभिनेत्री ने पोस्ट करते हुए अनुरोध किया कि उनके प्रशंसक उनके अकाउंट से होने वाले किसी भी असामान्य गतिविधि या पोस्ट को अनदेखा कर दें।

पोस्ट में क्या लिखा?

नयनतारा ने पोस्ट करते हुए लिखा, 'अकाउंट हैक हो गया है। कृपया पोस्ट किए जा रहे किसी भी अनावश्यक या अजीब ट्वीट को अनदेखा करें।'यह घोषणा एक्स पर उनकी आखिरी पोस्ट के बाद हुई, जिसे इस महीने की शुरुआत में शाहरुख खान अभिनीत 'जवान' की एक साल पूरे होने के अवसर पर साझा किया गया था।

पोस्ट में जताया था आभार

पोस्ट में, नयनतारा ने फिल्म की सफलता का जश्न मनाते हुए लिखा, 'जवान के एक साल चीफ एटली की ओर से बधाई, शाहरुख खान, विजय सेतुपति, और प्रशंसकों ने इसे बहुत बड़ा बना दिया।' बता दें कि अभिनेत्री ने पिछले साल शाहरुख खान के साथ जवान में बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी।

धमाकेदार प्रोजेक्ट का हिस्सा बनेंगे सना-एल्विश

बिग बॉस ओटीटी 3 की विजेता सना मकबूल अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। सना बिग बॉस ओटीटी 3 के बाद से ही लाइमलाइट में बनी रहती हैं। सना पिछले दिनों श्रीकांत के साथ अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में थीं। अब हाल ही में, सना बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव के साथ नजर आई थीं। जब सना से पूछा गया कि क्या दोनों साथ में किसी प्रोजेक्ट में साथ नजर आएंगी। इस पर सना ने झ१कहा कि साथ नजर आए हैं तो साथ कुछ जरूरी है।

शख्स ने पूछी अब तक शादी न करने की वजह, श्रुति हासन ने जवाब से बोलती बंद की

कमल हासन की बेटी श्रुति हासन की गिनती दक्षित भारत की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में होती है। वह जल्द ही सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कुली में नजर आने वाली हैं। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर वह काफी ज्यादा उत्साहित हैं। अभिनय के अलावा श्रुति अपने बेबाक अंदाज के लिए भी काफी ज्यादा मशहूर हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने जवाब से लोगों के मुंह बंद कर दिया करती हैं। हाल ही में उनकी ओर से आयोजित एक सवाल जवाब के सत्र में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला। दरअसल, श्रुति ने लोगों से कोई भी सवाल करने के लिए एक सत्र रखा था। इस दौरान जब एक शख्स ने उनसे पूछा कि आपने अभी तक शादी क्यों नहीं की?

इस सवाल का मजेदार जवाब देते हुए श्रुति ने शख्स की बोलती बंद कर दी। अभिनेत्री ने एक खास तरह का फिल्टर यूज कर कहा, आप अभी तक मूर्ख क्यों हैं। बता दें कि हाल ही में श्रुति हासन का शांतनु हजारिका से ब्रेकअप हुआ है। श्रुति हासन और शांतनु हजारिका मुंबई में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। दोनों अक्सर एक दूसरे के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया करते थे। हालांकि, कुछ ही वर्षों में दोनों का रिश्ता टूट गया। इस साल मई के महीने में अभिनेत्री ने बताया था कि सिंगल हैं। श्रुति हासन ने इस सवाल जवाब वाले सत्र में रजनीकांत की कुली पर भी अपडेट दिया है। उन्होंने कहा, यह बहुत बढ़िया चल रहा है। पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है। इस फिल्म में वह प्रीति की लड़की की भूमिका निभाएंगी। इसके अलावा श्रुति ने कहा कि वह एक रोमांटिक-कॉमेडी करना चाहती हैं। हालांकि, उन्हें अभी तक कोई उपयुक्त स्क्रिप्ट नहीं मिली है। वर्क फ्रंट की बात करें तो कुली के अलावा वह अदिवी शेष के साथ डकैत में भी नजर आएंगी।

'जो तेरा है वो मेरा है' का हिस्सा बनकर उत्साहित हैं परेश रावल

अभिनेता परेश रावल प्रशंसकों के लिए लिए एक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म को लेकर वह काफी उत्साहित भी हैं। परेश रावल अमित सियाल और सोनाली कुलकर्णी के साथ जो तेरा है वो मेरा है नाम की फिल्म के साथ दर्शकों को गुदगुदाने की तैयारी में हैं।

जो तेरा है वो मेरा है का ट्रेलर शुक्रवार को निर्माताओं ने जारी किया, जिसका निर्देशन राज त्रिवेदी ने किया है। ट्रेलर में चाय बेचने वाले से ठग बने मितेश मेघानी (अमित सियाल) के जीवन, उसकी गलतफहमियों और मजेदार कारनामों की झलक दिखाई गई है। मितेश एक बूढ़े व्यक्ति (परेश रावल) को धोखा देकर अपने परिवार का प्यार पाने की कोशिश करता है।

फिल्म का हिस्सा बनकर उत्साहित हैं परेश रावल

इस फिल्म को लेकर अभिनेता परेश रावल काफी उत्साहित हैं। अभिनेता ने फिल्म की टीम द्वारा साझा किए गए एक प्रेस नोट में कहा, 'जो तेरा है वो मेरा है' एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है जो हास्य को खूबसूरती से दिखाता है। स्क्रिप्ट बहुत ही मजेदार थी और इस कहानी को जीवंत करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद रहा है। कॉमेडी, हालांकि, अक्सर हल्के-फुल्के अंदाज में देखी जाती है, लेकिन इसके लिए बहुत अधिक कौशल और समर्पण की आवश्यकता होती है और इस फिल्म पर काम करना इसका एक सच्चा प्रमाण है। अजय राय के नेतृत्व वाली ऐसी शानदार टीम के साथ काम करना बहुत अच्छा रहा।'

इस दिन होगी रिलीज

परेश रावल ने कहा, 'अमित सियाल, सोनाली कुलकर्णी और बाकी प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ काम करना एक परम आनंद रहा है - सेट पर हर दिन हंसी और मस्ती से भरा था। जियो स्टूडियो ने ऐसी शानदार स्क्रिप्ट चुनी हैं जिसका आनंद आप अब जियो सिनेमा पर अपने घर बैठे ले सकते हैं। मैं दर्शकों को हमारे द्वारा दिखाए गए ड्रामा का अनुभव करने और हमारी फिल्म पर उनकी प्रतिक्रियाएं सुनने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।' 'जो तेरा है वो मेरा है' जियो सिनेमा पर 20 सितंबर से प्रसारित होगी।

युध्रा के लिए सिद्धांत चतुर्वेदी ने 20 किलो वजन किया काम

सिद्धांत चतुर्वेदी इन दिनों अपनी फिल्म युध्रा को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेता एक्शन अवतार में नजर आएंगे।

खबर है कि सिद्धांत ने फिल्म के लिए 20 किलो वजन भी कम किया है और फैंस उनके इस ट्रांसफॉर्मेशन के मुरीद हो रहे हैं।

फिल्म के निर्देशक ने बताया कि हां एक जवान कडैट दिखने के लिए सिद्धांत ने वजन घटाया है। निर्देशक ने आगे बताया कि सिद्धांत ने फिल्म के लिए मार्शल आर्ट्स भी सीखा है। फिल्म युध्रा 20 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

भारतीय टीम ने अभ्यास सत्र में जमकर बहाया पसीना

चेन्नई (एजेंसी)। रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम के सभी 16 खिलाड़ियों ने बांग्लादेश के खिलाफ खेली जाने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले सोमवार को यहां चेपॉक मैदान में अभ्यास सत्र के दौरान जमकर पसीना बहाया। टीम के खिलाड़ियों ने रविवार को विश्राम के बाद अपने तीसरे अभ्यास सत्र में भाग लिया। बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला का शुरुआती मैच यहां 19 सितंबर से खेला जाएगा।

अभ्यास सत्र में बल्लेबाजी के लिए दिग्गज विराट कोहली सबसे पहले पहुंचे और उनके पास वाले नेट में युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अभ्यास कर रहे थे। इन दोनों बल्लेबाजों ने तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ ज्यादा बल्लेबाजी की। इन दोनों के बाद कप्तान रोहित, शुभमन गिल और सरफराज खान बल्लेबाजी अभ्यास के लिए पहुंचे। सरफराज दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच के बाद टीम से देर से जुड़े हैं।

रोहित ने अभ्यास सत्र के दौरान स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ ज्यादा बल्लेबाजी की। हरफनमौला रविंद्र जडेजा, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी स्थानीय गेदबाजों और थ्रोडाउन विशेषज्ञों के खिलाफ जमकर बल्लेबाजी अभ्यास की। अभ्यास पिच से गेंदबाजों को अच्छी उछाल

मिल रही थी। दो मैचों की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले से पहले भारतीय टीम दो और अभ्यास सत्र में भाग लेगी।

बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला में सूपड़ा साफ करने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है। चेन्नई की पिच आमतौर पर स्पिनरों के लिए मददगार होती है और ऐसे में इस बात की काफी संभावना है कि भारतीय टीम तीन स्पिनरों और दो तेज गेंदबाजों के साथ मैदान में उतरे। तेज गेंदबाजी का जिम्मा जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज पर होगा जबकि स्पिन विभाग में अश्विन और जडेजा के साथ कुलदीप यादव के अंतिम एकादश में जगह बनाने की संभावना है।

ऐसी स्थिति में पिछले कुछ समय से अपने हरफनमौला खेल से लगातार प्रभावित करने वाले अक्षर पटेल को बाहर बैठना पड़ सकता है। पंत दो साल के अंतराल के बाद टेस्ट टीम में वापसी के लिए तैयार है। पंत के एकादश में आने से इंग्लैंड के खिलाफ पिछली श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाले ध्रुव जुरेल को बेंच पर बैठना होगा।

रोहित शर्मा पर रहेगी नजरें, बना सकते हैं ये बड़े रिकॉर्ड्स

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा गुरुवार से चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में कुछ रिकॉर्ड्स बनाना चाहेंगे। दो मैचों की सीरीज की शुरुआत 19 सितंबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगी। दूसरा लॉन्ग-फॉर्मेट गेम 27 सितंबर को कानपुर में शुरू होगा। अपने पहले टेस्ट में हेड कोच गौतम गंभीर सीरीज जीतना चाहेंगे। भारतीय कप्तान ने मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 ??में अब तक शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने नौ मैचों और 16 पारियों में 46.66 की औसत से 700 रन बनाए हैं जिसमें तीन शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 131 है। वह अब तक प्रतियोगिता में 12वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

1. रोहित को सीरीज के दौरान दो मील के पत्थर हासिल करने हैं। पहला मील का पत्थर हासिल करने से वह देश के सबसे बेहतरीन छक्के लगाने वाले खिलाड़ी के रूप में अपनी विरासत को मजबूत कर लेंगे। टेस्ट मैचों में 84 छक्कों के साथ रोहित दुनिया के शीर्ष छह छक्के लगाने वालों में 11वें स्थान पर हैं। उन्हें दिग्गज वीरेंद्र सहवाग (91) को पछाड़कर टेस्ट क्रिकेट में टीम के सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए सिर्फ आठ और बड़े हिट की जरूरत है।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (131), न्यूजीलैंड के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ब्रेंडन मैकुलम (107) और प्रतिष्ठित ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट (100) दुनिया के शीर्ष तीन छक्के लगाने वाले खिलाड़ी हैं। अगर रोहित इन दो मैचों में लगातार छक्के लगाते हैं, तो वह टेस्ट मैचों में 100 छक्के लगाने वाले चौथे और पहले भारतीय बल्लेबाज भी बन सकते हैं।

2. 'हिटमैन' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतकों के अर्धशतक के भी करीब हैं। 483 मैचों में 48 शतकों के साथ वह 50 अंतरराष्ट्रीय शतकों तक पहुंचने से सिर्फ दो और शतक दूर हैं। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले केवल तीसरे भारतीय बल्लेबाज और ऐसा करने वाले कुल 10वें खिलाड़ी बन जाएंगे। वर्तमान में भारत से केवल सचिन तेंदुलकर (100 शतक) और विराट कोहली (80 शतक) ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतकों का अर्धशतक पार कर पाए हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारत की टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), आर अश्विन, आर जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप, जसप्रीत बुमराह, यश दयाल।

अश्विन ने चुना सबसे मूल्यवान भारतीय क्रिकेटर, रोहित-कोहली को किया नजरअंदाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपने सबसे मूल्यवान भारतीय क्रिकेटर का नाम लेते समय स्टार बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा को नजरअंदाज किया और तेज गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को यह सम्मान दिया। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद से ही बुमराह गेंद से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

वह 2023 के वनडे विश्व कप में 20 विकेट लेकर चौथे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे और फरवरी 2024 में टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में नंबर एक रैंक पर भी पहुंचे। बुमराह ने हाल ही में टी20 विश्व कप 2024 में भारत के विजयी अभियान में अहम भूमिका निभाई थी जिसमें उन्होंने 4.17 की रिकॉर्ड-तोड़ इकॉनमी रेट के साथ 8 मैचों में 15 विकेट लिए थे। उनके प्रदर्शन की बदौलत उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार दिया गया।

अश्विन ने एक यूट्यूब चैनल पर कहा, 'हम चेन्नई के लोग गेंदबाजों की बहुत सराहना करते हैं। वह 4-5 दिन पहले एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर आए थे। हमने उन्हें रजनी जैसा व्यवहार दिया। हम (चेन्नई के लोग) गेंदबाजों के साथ बहुत अच्छा व्यवहार करते हैं। उनके साथ चैंपियन जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए। मैं नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन जसप्रीत बुमराह इस समय सबसे मूल्यवान भारतीय क्रिकेटर हैं।'

पीठ की चोट से उभरने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद से बुमराह ने छह टेस्ट मैचों में 15.35 की औसत से 31 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार पांच विकेट भी शामिल हैं। टी20आई में उन्होंने 10 मैचों में 8.57 की औसत से 4.32 की शानदार इकॉनमी से 19 विकेट लिए हैं। वनडे में उन्होंने 2023 से अब तक 16 पारियों में 20.28 की औसत और 4.40 की इकॉनमी से 28 विकेट लिए हैं।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड सीरीज के लिए टेस्ट टीम की घोषणा की, 16 सदस्यीय टीम में ये प्लेयर्स शामिल

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। ओशादा फर्नांडो टेस्ट टीम में वापस आ गए हैं जिन्होंने आखिरी बार मार्च 2023 में खेला था। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा दो मैचों की टेस्ट सीरीज 18 सितंबर से शुरू होने वाली है।

फर्नांडो ने श्रीलंका 'ए' के लिए शानदार फॉर्म का प्रदर्शन किया है, इस महीने की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ 122 और 80 रन बनाए। 33 वर्षीय खिलाड़ी निशान मदुश्का की जगह लेंगे, जो तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड जाने वाली टीम का हिस्सा थे। कसुन राजिथा और निसाला थारका अन्य दो खिलाड़ी हैं जो टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं, जबकि श्रीलंका ने 15 सदस्यों को बरकरार रखा है जो दौरे के लिए इंग्लैंड गए थे। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि धनंजय डी सिल्वा कप्तान के रूप में जारी रहेंगे। उन्हें दिमुथ करुणारत्ने, एंजेलो मैथ्यूज और दिनेश चांदीमल जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ पथुम निसांका, कामिंडू मेंडिस और सदीरा समरविक्रमा जैसे होनहार युवाओं का समर्थन मिलेगा।

टीम : धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), दिमुथ करुणारत्ने, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, एंजेलो मैथ्यूज, दिनेश चांदीमल, कामिंडू मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, ओशादा फर्नांडो, असिथा फर्नांडो, विश्व फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, जेफरी वेंडरसे, मिलन रथनायके।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी : भारत ने द. कोरिया को हराकर फाइनल में बनाई जगह, चीन से होगा खिताबी मुकाबला

हुलुनबुइर (चीन) (एजेंसी)। गत चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर सोमवार को यहां पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। भारत के लिए उत्तम सिंह (13वें मिनट), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (19वें और 45वें मिनट) और जरमनप्रीत सिंह (32वें मिनट) ने गोल किए, जबकि कोरिया का एकमात्र गोल यांग जिहुन (33वें मिनट) ने किया।

भारत मंगलवार को होने वाले फाइनल में मेजबान चीन से भिड़ेगा। भारत ने लीग चरण के खेल में चीन को 3-0 से हराया। इससे पहले दिन में चीन ने पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान को शूट-आउट के जरिए 2-0 से हराया, जब दोनों टीमें निर्धारित समय के अंत में 1-1 से बराबरी पर थीं। इस बीच, पांचवें-छठे स्थान के क्लासिफिकेशन मैच में, जापान ने 60 मिनट के दौरान 4-4 की बराबरी के बाद शूट-आउट में मलेशिया को 4-2 से हराया।

हाथ में फैक्चर के बाद भी डायमंड लीग फाइनल में उतरे थे नीरज

ब्रसेल्स। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है कि ट्रेनिंग सत्र के दौरान हाथ में हुए फ्रैक्चर के बाद भी वह डायमंड लीग सत्र के फाइनल में उतरे। नीरज खिताबी मुकाबले में केवल एक सेंटीमीटर पीछे होने के कारण स्वर्ण हासिल नहीं कर पाये और उन्हें रजत से ही संतोष करना पड़ा। वह लगातार दूसरे साल 87.86 मीटर के थ्रो के साथ ही दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर कहा, 'फाइनल से पहले हुए अभ्यास सत्र के दौरान मैं चोटिल हो गया था और जांच से सामने आया कि मेरे बाएं हाथ की हड्डी में फ्रैक्चर है। यह मेरे लिए एक और दर्दनाक चुनौती थी पर अपनी टीम की सहायता से मैं ब्रसेल्स में भाग लेने में सफल रहा। उन्होंने कहा, 'यह साल का अंतिम टूर्नामेंट था पर मैं अपनी ही उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका हालांकि मुझे लगता है कि यह एक ऐसा सत्र था जिसमें मैंने बहुत कुछ सीखा। अब मैं पूरी तरह से फिट होकर वापसी करुंगा। चोपड़ा इस सत्र की शुरुआत से ही फिटनेस से परेशान रहे थे। इसी कारण वह पेरिस ओलंपिक में भी रजत ही हासिल कर पाये जबकि पिछले ओलंपिक में उन्होंने स्वर्ण जीता था।

एमएस धोनी यूएसए में मना रहे वेकेशन, फुटबॉल मुकाबला देखने पहुंचे

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी इस समय यूएसए में खाली समय का आनंद लेते देखे जा रहे हैं। अपने दोस्तों के साथ यूएसए में अमेरिकी फुटबॉल मुकाबला देखने पहुंची धोनी की एक फोटो सोल मीडिया पर वायरल हुई हैं। फैंस ने आखिरी बार धोनी को आरसीबी बनाम चेन्नई के बीच आईपीएल 2024 के मुकाबले में देखा था। चेन्नई नॉकआऊट मुकाबले में आरसीबी से हार गई थी। इस मैच के बाद से उम्मीद थी कि रांची का यह क्रिकेटर संन्यास ले लेगा, लेकिन उसने ऐसा कुछ नहीं किया। उम्मीद है कि वह आगामी आईपीएल सीजन में भी सक्रिय नजर आएंगे। धोनी आईपीएल से संन्यास पर पहले ही बोल चुके हैं कि वह वहीं करेंगे जो टीम के लिए सबसे अच्छा होगा। दूसरी ओर, आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने अभी तक प्रतियोगिता के आगामी सीजन के लिए रिटेंशन नियमों की घोषणा नहीं की है। आईपीएल के आगामी संस्करण से पहले मेगा नीलामी होनी है जहां सभी फ्रेंचाइजियों को अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों के नाम बताने हैं। चेन्नई के लिए यह सबसे बड़ी मुसीबत हो सकती है क्योंकि अगर वह महेंद्र सिंह धोनी को बनाए रखते हैं तो उन्हें अपने शीर्ष खिलाड़ियों को रिलीज करना होगा जोकि सीएसके का भविष्य है। अगर यह खिलाड़ी आईपीएल बोली में गए तो उनपर और भी टीमें दांव लगाने को तैयार रहेंगी।

गावस्कर ने टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम को किया सतर्क, कहा- बांग्लादेश के पास बेहतरीन खिलाड़ी हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम को आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश का सामना करने को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मेहमान टीम पाकिस्तान में 2-0 की ऐतिहासिक सीरीज जीत के बाद आ रही है।

भारत अपने घरेलू सत्र की शुरुआत 19-23 सितंबर तक चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच से करेगा। इसके बाद दोनों टीमें 27 सितंबर से 1 अक्टूबर तक कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में दूसरा टेस्ट खेलेंगी। पाकिस्तान में खेले गए दोनों टेस्ट मैचों में पाकिस्तान को हराकर बांग्लादेश की टीम ने दिखा दिया है कि वे एक ताकत हैं। कुछ साल पहले भी जब भारत ने बांग्लादेश का दौरा किया था, तो बांग्लादेशियों ने उन्हें कड़ी टक्कर दी थी। अब पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद वे भारत से भी भिड़ने के लिए तैयार हैं।

गावस्कर ने अपने कॉलम में लिखा, 'उनके पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं और कुछ नए होनहार खिलाड़ी हैं, जिनमें अब वह खौफ नहीं रहा जो अंतरराष्ट्रीय खेल में उनके शुरुआती दौर की खासियत थी। अब, उनके साथ खेलने वाली हर टीम जानती है कि वे अपनी सतर्कता नहीं खो सकते क्योंकि उन्हें पटखनी दी जा सकती है, जैसा कि पाकिस्तानियों ने पाया। यह निश्चित रूप से एक ऐसी सीरीज होगी जिसका बेसब्री से इंतजार किया जाएगा।'

दोनों टेस्ट मैच मौजूदा 2023-2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा हैं, जहां भारत 68.52 प्रतिशत अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है, जबकि बांग्लादेश 45.83 प्रतिशत अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज भारत के लिए 10 मैचों के कठिन टेस्ट सीजन की शुरुआत भी है, जिसमें अक्टूबर-नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की मेजबानी भी शामिल है। इसके बाद भारत 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह पक्की करने के लिए पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगा, जिसका आयोजन अगले साल 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में किया जाएगा।

गावस्कर ने कहा, 'भारत को अगले साढ़े चार महीनों में 10 टेस्ट मैच खेलने हैं और उन्हें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने का अच्छा मौका देने के लिए उनमें से कम से कम पांच जीतने की जरूरत है। इनमें से कोई भी टेस्ट आसान नहीं होगा और इसलिए हम क्रिकेट के रोमांचक समर का आनंद ले सकते हैं।'

उन्हें यह भी लगता है कि अंतरराष्ट्रीय घरेलू सत्र शुरू होने से पहले दलीप ट्रॉफी की मेजबानी करना बीसीसीआई द्वारा एक स्मार्ट कदम था, जबकि उन्होंने स्वीकार किया कि पहले दो राउंड से यह पता नहीं चला कि मैचों में बल्लेबाज कितने अच्छे थे। पूर्व क्रिकेटर ने

कहा, 'सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में ठंडा पड़ना कभी भी आसान नहीं होता है, विपक्ष की गुणवत्ता की तो बात ही छोड़िए। इस बार सभी भारतीय गेंदबाजों को आराम दिए जाने के बाद, यह देखना आसान नहीं होगा कि कौन सा बल्लेबाज अच्छा है क्योंकि वे मूल रूप से दूसरे दर्जे के गेंदबाजों के साथ खेलेंगे। इसलिए जबकि आने वाले सीजन के लिए मैच अच्छे होंगे, चयनकर्ताओं को यह पता नहीं चल पाएगा कि बल्लेबाज वास्तव में कितने अच्छे हैं।'

टी20 विश्व कप से पहले मानसिक मजबूती पर काम कर रहे हैं भारतीय खिलाड़ी : हरमनप्रीत

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी लंबे समय से मानसिक रूप से मजबूत बनने पर काम कर रहे हैं जिससे उन्हें अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में मदद मिलेगी। भारत 2020 में टी20 विश्व कप में उपविजेता रहा था। उसे छह बार के विजेता और मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, श्रीलंका और न्यूजीलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। हरमनप्रीत ने सोमवार को कहा कि भारतीय खिलाड़ी मानसिक रूप से मजबूत बनने पर काम कर रहे हैं ताकि मैच के महत्वपूर्ण अवसरों पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ''हम लंबे समय से मानसिक मजबूती पर काम कर रहे हैं। मैच के दौरान आखिरी तीन चार ओवर बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। टी20 क्रिकेट कोई छोटा प्रारूप नहीं है क्योंकि आखिरकार आप इसमें 40 ओवर खेलते हैं।'' हरमनप्रीत ने कहा, ''मैच के आखिरी चार-पांच ओवर में मानसिक रूप से मजबूत टीम बाजी मारती है। हम पिछले कुछ समय से इस पर ध्यान दे रहे हैं। अगर हम इन आखिरी पांच ओवर में मानसिक रूप से मजबूत बने रहते हैं तो फिर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं।'' भारतीय टीम के फाइनल में लचर प्रदर्शन पर चर्चा होती रही है। उसे 2020 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से 85 रन से हार का सामना करना पड़ा था जबकि वनडे विश्व कप 2017 के फाइनल में वह इंग्लैंड से केवल नौ रन से हार गई थी। यहां तक कि राष्ट्रमंडल खेल 2022 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को नौ रन से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। हरमनप्रीत ने कहा, ''हम इन पहलुओं पर काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि टूर्नामेंट में हम इन बाधाओं को पार करने में सफल रहेंगे।'' भारत टी20 विश्व कप में चार अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा और फिर छह अक्टूबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगा। भारतीय टीम नौ अक्टूबर को श्रीलंका से भिड़ेगी।यह तीनों मैच दुबई में खेले जाएंगे। भारत ग्रुप चरण में अपना आखिरी मैच 13 अक्टूबर को शारजाह में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगा।

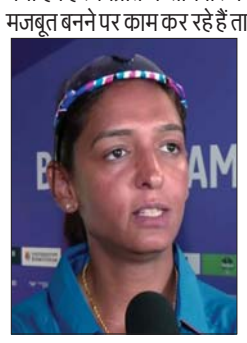

आईपीएल के अगले सत्र में रहाणे सहित ये तीन खिलाड़ी शायद ही सीएसके में नजर आयें

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से आईपीएल के अगले सत्र में बदली बदली सी नजर आयेगी। इसमे अनुभवी आजिंक्य रहाणे, शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर शायद ही नजर आयें। इस बार होने वाली नीलामी में इन्हें रिटेन (बरकरार) रखे जाने की संभावना नहीं है। इसके अलावा मुस्तफिजुर रहमान, मुकेश चौधरी, तुषार देशपांडे, शेख रशीद, मिटेस सैंटनर जैसे खिलाड़ियों को भी शायद ही रखा जाये। कहा जा रहा है कि इस बार टीम पहले के 6 खिलाड़ियों को बनाये रखेगी। सीएसके के पास अभी 25 खिलाड़ी हैं इसमें विदेशी खिलाड़ियों की संख्या 8 है। वहीं देश के ही 17 खिलाड़ी हैं। इसमें अनकैप्ड और अनकैप्ड खिलाड़ी भी शामिल हैं। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी इस साल के अंत में दिसंबर महीने में होगी तभी साफ होगा कि किसे टीम में जगह मिलती है किसे नहीं। आईपीएल 2025 के लिए होने वाली मेगा नीलामी से पहले रिटेन किये जाने वाले खिलाड़ियों की मांग टीमें कर रही हैं, ऐसे में अगर बीसीसीआई खिलाड़ियों को रिटेन करने की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 करता है तो सीएसके 6 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं। सीएसके के पास मौजूदा अभी 25 खिलाड़ी हैं।

अगस्त के लिए आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए वेलालागे और हर्षिता

ब्रसेल्स (एजेंसी)। दुबई = श्रीलंका के दुनिथ वेलालागे और हर्षिता समरविक्रमा को सोमवार को अगस्त 2024 के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। वेलालागे ने भारत के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया जबकि हर्षिता ने आयरलैंड दौरे पर प्रभावित किया।

इससे पहले सिर्फ एक बार किसी महीने में एक ही देश के दोनों पुरुष और महिला खिलाड़ियों को महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला है। इस साल जून में भारत के जसप्रीत बुमराह और उनकी हमवतन स्मृति मंधाना को महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। वेलालागे ने दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज और वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स को पछाड़कर यह पुरस्कार जीता।

वेलालागे को भारत के खिलाफ श्रीलंका के 2-0 से श्रृंखला जीतने के दौरान श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। बाएं हाथ के इस 31 वर्षीय बल्लेबाज ने नाबाद 67, 39 और दो रन की पारियां खेलने के अलावा तीसरे मैच में 27 रन देकर पांच विकेट सहित श्रृंखला में कुल सात विकेट भी चटकाए। यह पुरस्कार शुरू होने के बाद यह पांचवां मौका है जब श्रीलंका के पुरुष क्रिकेट को यह पुरस्कार मिला है। इससे पहले एंजेलो मैथ्यूज (मई 2022), प्रबाथ जयसूर्या (जुलाई 2022), वानिंदु हसरंगा (जून 2023) और कामिंदु मेंडिस (मार्च 2024) यह पुरस्कार जीत चुके हैं। वेलालागे ने कहा कि यह पुरस्कार बहुत प्रोत्साहन देने वाला है।

उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत अच्छी खबर है और इससे मुझे बहुत संतुष्टि मिली है क्योंकि यह सम्मान मुझे एक खिलाड़ी के रूप में अच्छा काम जारी रखने और मैदान में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए अपनी टीम में योगदान देने की और ताकत देगा।% वेलालागे ने कहा, 'आईसीसी से मिलने वाली इस तरह की मान्यता हमारे जैसे युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत अच्छी खबर है और इससे निश्चित रूप से युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा।%

दूसरी तरफ महिला पुरस्कार की दौड़ में हर्षिता ने ओर्ला प्रेंडरगास्ट और गैबी लुईस की आयरलैंड की जोड़ी को पछाड़ा। आयरलैंड दौरे पर हर्षिता एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में शतक जड़ने वाली श्रीलंका की सिर्फ तीसरी महिला क्रिकेटर बनीं। बाएं हाथ की 26 वर्षीय बल्लेबाज हर्षिता ने दो टी20 अंतरराष्ट्रीय में 169.66 के स्ट्राइक रेट से कुल 151 रन बनाए जिसमें पहले मैच में 45 गेंद में नाबाद 86 रन की मैच विजयी पारी भी शामिल है।

उन्होंने बेलफास्ट में तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 82.69 के स्ट्राइक रेट से 172 रन बनाए जिसमें दूसरे मैच में 105 रन की

पारी भी शामिल है। हर्षिता आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी बनने वाली श्रीलंका की सिर्फ दूसरी क्रिकेटर हैं। श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू इस साल मई और जुलाई में दो बार यह खिताब अपने नाम कर चुकी हैं।

45वां शतरंज ओलंपियाड : भारत की जीत का सिलसिला जारी, यूक्रेन और वियतनाम ने यूएसए और उज्बेकिस्तान को दी मात

बुडापेस्ट , हंगरी। बुडापेस्ट में चल रही 45वीं शतरंज ओलंपियाड में भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने अपना विजय अभियान जारी रखा। पुरुष वर्ग में भारत ने सर्बिया को 3.5-0.5 से हराया, जबकि महिला वर्ग में भारत ने फ्रांस को 3.5-0.5 से मात दी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश और विदित गुजराती ने सर्बिया के अलेक्जेंडर प्रेडके और वेलिमिर इविच के खिलाफ शानदार एंडगेम खेल दिखाते हुए जीत दर्ज की। अर्जुन एरीगैसी ने भी सर्बिया के अलेक्जांडर इंडजिक के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। भारतीय महिला टीम की हरिका द्रोणावल्ली, तानिया सचदेव और दिव्या देशमुख ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। विशेष रूप से दिव्या देशमुख का खेल रोमांच से भरा था, जहां दोनों खिलाड़ियों के पास जीत के मौके थे, लेकिन दिव्या ने अंतत: जीत अपने नाम की।

पहली बार सेना मुख्यालय पहुंचे यूनुस, जनरल ने किया स्वागत

ढाका। बांग्लादेश अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस ने पहली बार सेना मुख्यालय का दौरा किया जहां उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जानकारी दी गई। सेना मुख्यालय पहुंचने पर सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने यूनुस का स्वागत किया। यूनुस द्वारा दिए गए निर्देश सामूहिक रूप से भविष्य की कार्य योजना के निर्माण और इन्हें लागू करने के लिए प्रभावी भूमिका निभाने में बहुत मददगार होंगे। विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन, गृह सलाहकार रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल जहांगीर आलम चौधरी, रक्षा एवं राष्ट्रीय एकता के मामलों के यूनुस के विशेष सहायक रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल अब्दुल हाफिज, कैबिनेट सचिव महबूब हुसैन, नौसेना और वायु सेना के प्रमुख और कई कानून प्रवर्तन और बांग्लादेश की खुफिया एजेंसियों के प्रमुख भी वहां मौजूद थे।

ट्रंप पर हुए हमले की राष्ट्रपति बाइडेन ने की कड़ी निंदा

वाशिंगटन(ईएमएस)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले की राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा है कि हमारे देश में राजनीतिक हिंसा या किसी भी तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। साथ ही पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को गोलीबारी की घटना के दौरान सुरक्षित रखने में मदद करने के लिए सुरक्षा में तैनात अधिकारियों की प्रशंसा की। जांचकर्ताओं ने पुष्टि की है कि रविवार को रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या का प्रयास किया गया था। बाइडेन ने फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में ट्रंप के गोल्फ क्लब में गोलीबारी के बारे में जानकारी दिए जाने के बाद कहा, जैसा कि मैंने कई बार कहा है, हमारे देश में राजनीतिक हिंसा या किसी भी तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है, और मैंने अपनी टीम को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है कि सीक्रेट सर्विस के पास पूर्व राष्ट्रपति की निरंतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सभी संसाधन, क्षमता और सुरक्षात्मक उपाय हैं।

अब्राहम समझौते के चार साल पूरे... क्या आगे भी रहेगा कायम

तेल अवीव। 15 सितंबर को अब्राहम समझौते के चार साल पूरे हो गए हैं। चार साल पहले, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्रियों ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। तत्कालीन राष्ट्रपति ट्रंप ने समझौते को इतिहास की दिशा बदलने और एक नए मध्य पूर्व की सुबह के रूप में पेश किया था। इस समझौते के साथ बहरीन और यूएई ने इजरायल के साथ अपने रिश्तों को सामान्य किया, और बाद में मोरक्को भी इस समझौते में शामिल हुआ। हालांकि, समझौते के चार साल पूरे होने के बाद, इजरायल गाजा में हमास के साथ एक गंभीर संघर्ष में उलझा हुआ है। ईरान और उसके प्रॉक्सी भी इजरायल के खिलाफ लगातार हमलावर बने हुए हैं। इस संघर्ष ने अब्राहम समझौते पर दबाव डाला है, लेकिन फिर भी वर्तमान में बहरीन, यूएई, और मोरक्को के साथ इजरायल के रिश्ते बरकरार हैं। मध्य पूर्व के जानकार बताते है कि गाजा संघर्ष ने इन देशों के साथ इजरायल के रिश्तों पर तनाव पैदा किया है, लेकिन इसके बावजूद एक उम्मीद की किरण दिखाती है। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल के वरिष्ठ अधिकारियों ने युद्ध के दौरान केवल राष्ट्रपति इसाक हेर्जोग और वित्त मंत्री नील बरकत ने ही अरब देशों की यात्रा की है, जो द्विपक्षीय यात्रा नहीं थी। यूएई के सलाहकार अनवर गरगश ने हाल ही में इस स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यूएई ने एक रणनीतिक फैसला लिया है और यह दीर्घकालिक है। उन्होंने कहा कि रणनीतिक फैसलों के मार्ग में बहुत सारी बाधाएं आती हैं, और हम इस समय गाजा युद्ध जैसी एक बड़ी बाधा का सामना कर रहे हैं, लेकिन हम इस पार करने वाले है। इसके बावजूद, अब्राहम समझौते के प्रभावी रहने की उम्मीद बनी हुई है। सभी पक्ष शांति और सहयोग को प्राथमिकता दे रहे हैं, और इस संघर्ष के बावजूद मध्य पूर्व में स्थिरता की दिशा में काम जारी है।

हम गाजा के लोगों की बुनियादी ज़रूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहे- सेग्रिड

तेलअवीव। गाजा में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक वरिष्ठ अधिकारी सेग्रिड काग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस क्षेत्र में बेगुनाह लोगों को निराश किया है। सेग्रिड काग गाजा में मानवीय सहायता और पुनर्निर्माण काम की देखरेख कर रही हैं। वह इस क्षेत्र में नौ महीने पहले नियुक्त की गई थीं। उनको मानवीय मदद पहुंचाने की ज़िम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र को जो रिपोर्ट सौंपने वाली हैं वह काफ़ी निराश करने वाली है। सेग्रिड काग ने गाजा की मौजूदा स्थितियों को आपदा बताया है। उन्होंने कहा कि हम गाजा के लोगों की बुनियादी ज़रूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में उनके मन में बेहतरी की उम्मीद और संभावनाएं पैदा करना बहुत दूर की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि गाजा काम करने के लिहाज से दुनिया की सबसे असुरक्षित जगहों में से एक है। सेग्रिड के मुताबिक़ हमास-इजराइल के बीच युद्धविराम होने तक इस स्थिति में कोई भी सुधार आना बहुत मुश्किल है।

चीन में आया बेबिनका तूफान, लाखों लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया

बीजिंग। भारी बारिश के बाद की मार झेल चुके चीन में बेबिनका तूफ़ान ने दस्तक दे दी है। यह तूफ़ान सोमवार को शंघाई के तटीय इलाके से टकराया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह पिछले 75 सालों में शंघाई से टकराने वाला सबसे भीषण तूफ़ान है। इस तूफ़ान से लोगों को बचाने शंघाई में हज़ारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। चीन के मौसम विभाग ने बताया कि बेबिनका तूफ़ान सोमवार सुबह स्थानीय समयनुसार के मुताबिक करीब साढ़े सात बजे शंघाई के तटीय इलाके लिनगैंग से टकराया। सावधानी बरते हुए रविवार की शाम को ही करीब चार लाख से ज़्यादा लोगों को महानगर इलाके से बाहर निकाल लिया गया था। इसके अलावा चोनगामिंग ज़िले से भी नौ हज़ार लोगों सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। चोनगामिंग यांग्से नदी के किनारे पर स्थित द्वीप है जो शंघाई का ही एक हिस्सा है। इस तूफ़ान की वजह से चीन में सैकड़ों हवाई उड़ानों को भी रद्द कर दिया गया है। तूफ़ान के खतरे को देखते हुए कई हाईवे भी बंद कर दिए गए हैं।

म्यांमार में बाढ़ से अब तक 113 लोगों की मौत, 64 लापता

यांगून। म्यांमार में व्यापक बाढ़ के कारण 113 लोगों की मौत हुई और 64 लापता हैं। म्यांमार की राज्य प्रशासन परिषद की सूचना टीम ने इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार बाढ़ ने ने-पी-ता, काया राज्य, कायिन राज्य, बागो, मैगवे, मांडले इलाकों सहित मोन और शान राज्य तथा अयेयारवाडी क्षेत्र को प्रभावित किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 14 सितंबर की शाम तक 72,900 से अधिक घर और 78,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं, जिससे देश भर में 320,000 से अधिक लोगों को अस्थायी आश्रय गृह में पनाह लेनी पड़ी।

लास एंजिल्स में एमी अवार्ड समारोह में ड्रामा सीरीज शोगुन के लिए अन्ना सवाई को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवार्ड मिला।

मस्क ने उठाया सवाल बोले- बाइडेन और कमला पर क्यों नहीं होते हमले

पेरिस। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की दूसरी कोशिश के बाद अमेरिकी खुफिया विभाग एफबीआई मामले की जांच कर रही है। एजेंसी ने कंफर्म किया है कि ट्रंप की हत्या का प्रयास किया गया है लेकिन, मकसद अभी अस्पष्ट है। आरोपी गिरफ्तार हो चुका है। उसका पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड है। रिपोर्ट है कि आरोपी यूक्रेन समर्थक है और डेमोक्रेटिक पार्टी को सपोर्ट करता है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच टेक अरबपति एलन मस्क ने विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट से सनसनी मचा दी है। उन्होंने सवाल किया कि सिर्फ ट्रंप पर ही जानलेवा हमले क्यों हो रहे हैं? जो बाइडेन या कमला हैरिस पर हत्या का प्रयास क्यों नहीं किया जा रहा है?

टेक अरबपति एलन मस्क ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर दूसरे हत्या के प्रयास पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक एक्स यूजर ने मस्क की पोस्ट पर रिप्लाई किया था कि वे डोनाल्ड ट्रम्प को क्यों मारना चाहते हैं? इसका जवाब देते हुए, टेस्ला के सीईओ ने कहा, और कोई भी बाइडेन या कमला हैरिस की हत्या करने की कोशिश नहीं कर रहा है। इस साल जुलाई में मस्क ने आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में डोनाल्ड ट्रम्प को अपना समर्थन देने की घोषणा की थी।

नौ हफ्ते में दूसरी बार ट्रंप पर हुआ जानलेवा हमला, 300 मीटर दूरी से चली दनादन गोलियां

वाशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने फ्लोरिडा स्थित घर में गोल्फ खेल रहे थे, तभी लगभग 300 मीटर की दूरी पर कोर्स के किनारे झाड़ियों के बीच से किसी ने गोली चलाई। हमलावर ने जैसे ही गोली चलाई सुरक्षाकर्मियों ने भी जवाबी हमला कर बंदूकधारी को गिरफ्तार कर लिया। नौ हफ्ते के भीतर ट्रंप पर ये दूसरा हमला है। एफबीआई ने इसे हत्या का प्रयास बताया है। सीक्रेट सर्विस एजेंट ने हमलावर द्वारा हमला करने के बाद ही उस पर जवाबी कार्रवाई की और उसके बाद वो राइफल छोड़कर एक कार से भागने की कोशिश कर रहा था तभी उसका पीछा कर उसे दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी के पास एक बन्दूक, दो बैकपैक, एक गोप्रो कैमरा बरामद हुआ है। मार्टिन काउंटी के शेरिफ विलियम स्नाइडर ने बताया कि पकड़े जाने के बाद, आरोपी शांत था और कुछ बोला नहीं। स्नाइडर ने कहा कि मामले में अभी जांच चलेगी।

फिलहाल ये स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ये गोलीबारी ट्रंप को ही निशाना बनाकर की गई थी या कोई और कारण था। हालांकि, एफबीआई ने कहा कि प्रथम दृष्टया ये ट्रंप की ही हत्या का प्रयास लग रहा है। बता दें कि 13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया के बटलर में एक रैली के दौरान डोनाल्ड ट्रंप को गोली मार दी गई थी। हालांकि, गनीमत रही कि गोली उनके कान को छूती हुई निकल गई। खबरों के मुताबिक हिरासत में लिए गए आरोपी की पहचान रयान रोथ के रूप में हुई है। एफबीआई हत्या के प्रयास की जांच कर रही है। आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है और वो 2002 में हथियार रखने का दोषी ठहराया गया था। आरोपी रयान रोथ ट्रंप का आलोचक है और डेमोक्रेट का समर्थन करता है। हमले के बाद पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी बयान आया। उन्होंने अपने समर्थकों से अपील की कि वो किसी भी अफवाह पर भरोसा ना करें और ये जान लें कि वो पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि कुछ भी हो जाए मैं सरेंडर करने वाला नहीं हूं। घटना के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति हमला हैरिस को जानकारी दी गई। व्हाइट हाउस ने कहा कि बाइडन को यह जानकर खुशी है कि ट्रंप सुरक्षित हैं। डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति पद की प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस ने कहा कि अमेरिका में हिंसा की कोई जगह नहीं है।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे बांग्लादेश को अमेरिका देगा 20 करोड़ डॉलर

ढाका(एजेंसी)। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां के आर्थिक हालात बिगड़े हुए हैं। उन्हें सुधाने के लिए अमेरिका ने अब बांग्लादेश के लिए खजाने का दरवाजा खोल दिया है। अमेरिका बांग्लादेश को विकास संबंधी परियोजनाओं, युवाओं को सशक्त बनाने, लोकतंत्र को मजबूत करने, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने और देश में लोगों के लिए व्यापार एवं आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका करीब 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता मुहैया करेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि आर्थिक संबंध प्रभाग के अतिरिक्त सचिव एकेएम शहाबुद्दीन और यूएसएआईडी के मिशन निदेशक रीड जे. एस्क्लिमन ने अपने-अपने देश की सरकारों की ओर से ढाका में डीओएजी के छठे संशोधन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत यूएसएआईडी सुशासन, सामाजिक, मानवीय और आर्थिक क्षेत्रों में अवसरों को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश को 20.22 करोड़ अमेरिकी डॉलर देगा। यूएसएआईडी-बांग्लादेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यूएसएआईडी ने विकास संबंधी कार्यों, युवाओं को सशक्त बनाने, लोकतंत्र और शासन को मजबूत करने, स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार और पूरे देश में लोगों के लिए व्यापार एवं आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश सरकार के साथ 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस ने एक उच्च-स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर बांग्लादेश के पुनर्निर्माण, महत्वपूर्ण सुधारों को पूरा करने के संबंध में अमेरिका से सहयोग का आग्रह किया था।

चीन के एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान से उड़ान भरेंगे लड़ाकू विमान

-जे-35 स्टील्थ फाइटर जेट का किया जा रहा परीक्षण

बीजिंग (एजेंसी)। चीन अपने एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान पर तैनात करने के लिए जे-35 स्टील्थ फाइटर जेट का परीक्षण कर रहा है। फुजियान एयरक्राफ्ट कैरियर इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापुल्ट सिस्टम से लैस है, जो भारी से भारी विमानों को भी आसानी से टेकऑफ करा सकता है। इसे अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड के बराबरर माना जाता है। हालांकि यह भी समुद्री परीक्षण के दौर से गुजर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल की शुरुआत में चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) नेवी के पहले एयरक्राफ्ट कैरियर लियाओनिंग पर एक नए प्रकार के युद्धक विमान का परीक्षण किया था। नया विमान लंबे समय से प्रतीक्षित जे-35 हो सकता है। इसे एफसी-31 के नाम से भी जाना जाता है। यह चीन का नेक्स्ट जेनरेशन कैरियर बेस्ड फाइटर जेट भी है। पाकिस्तान इसी विमान का एक अलग वेरिएंट खरीदने की योजना बना रहा है। हालांकि, चीन ने पाकिस्तान को एफसी-31 बेचने को लेकर अभी मंजूरी नहीं दी है। चीन के पास वर्तमान में दो एयरक्राफ्ट कैरियर हैं, लिओनिंग, जो सोवियत युग के जहाज का एक नया रूप है और दूसरा-शेडोंग, जो 2019 में कमीशन किया गया दूसरा स्वदेशी रूप से निर्मित एयरक्राफ्ट कैरियर है।

चीन का तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान दोनों एयरक्राफ्ट कैरियर से बड़ा है। फुजियान की विस्थापन क्षमता 80 हजार टन है। वर्तमान में इस एयरक्राफ्ट कैरियर का समुद्री परीक्षण चल रहा है। यह पूरी तरह से घरेलू रूप से विकसित और निर्मित एयरक्राफ्ट कैरियर है जिसमें अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड के समान इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम लगे है। वहीं, चीन के बाकी के दो एयरक्राफ्ट कैरियर स्की जंप टेक ऑफ रैंप से लैस हैं। सिर्फ फुजियान एयरक्राफ्ट कैरियर में ही फ्लैट-टॉप फ्लाइट डेक है।

चीन अभी तक एयरक्राफ्ट कैरियरों से जे-15 विमान संचालित करता है। विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया कि चीन के पास अब सेवा के लिए तैयार एक नए प्रकार का एयरक्राफ्ट कैरियर से ऑपरेट होने वाला विमान है। रिपोर्ट ने यह भी पुष्टि की कि नया लड़ाकू विमान न केवल चीन के तीसरे एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान पर ऑपरेशनल है, जो इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापल्ट से सुसज्जित है, बल्कि पिछले दो कैरियरों लियाओनिंग और शेडोंग से भी उड़ान भर रहा है।

संविधान में संशोधन करने जा रहा उत्तर कोरिया, पडोसी देशों से बढ़ सकता है टकराव!

सोल(एजेंसी)। अपनी सनक के लिए जग जाहिर उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग-उन दक्षिण कोरिया को अपना मुख्य दुश्मन मानता है। आए दिन दोनों देशों के बीच टकराव की खबरें भी आती रहीं हैं। इसी बीच उत्तर कोरिया ने कुछ दिन पहले घोषणा कर दी कि वो संविधान में संशोधन करेगा। इसके बाद संविधान संशोधन पर काम शुरु किया गया।किम के आदेशानुसार एकीकरण संबंधी धाराएं हटा दी गईं तथा समुद्री सीमा सहित देश की क्षेत्रीय सीमाओं को नए सिरे से निर्धारित किया गया। इससे दक्षिण कोरिया से टकराव बढ़ने की आशंका जाहिर की जा रही है।

दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने पहले कहा था कि उत्तर कोरिया अपनी अगली एस।पी।ए। बैठक में 1991 में हस्ताक्षरित अंतर-कोरियाई बुनियादी समझौते को रद्द कर सकता है। बता दें कि 1991 के समझौते के तहत अंतर-कोरियाई संबंधों को एक विशेष संबंध के रूप में परिभाषित किया गया था। केसीएनए ने कहा कि देश के समाजवादी संविधान में संशोधन और उसे त्रुटि मुक्त (पूरक) करने के साथ ही उत्तर कोरिया हल्के उद्योग और बाह्य आर्थिक मामलों पर कानूनों पर विचार-विमर्श और उन्हें अपनाने तथा गुणवत्ता नियंत्रण कानून के प्रवर्तन की निगरानी के मुद्दे पर भी चर्चा करेगा।

उत्तर कोरिया अगले महीने एक महत्वपूर्ण संसदीय बैठक आयोजित करेगा। बैठक में मुख्य रूप से देश के संविधान में संशोधन किया जाएगा। यह

जानकारी सोमवार को राज्य मीडिया ने दी। इससे पहले उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन ने दक्षिण कोरिया को अपना मुख्य दुश्मन बताने के लिए संवैधानिक संशोधन का आह्वान किया था। स्थानीय मीडिया के अनुसार, 14वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली (एसपीए) का 11वां सत्र 7 अक्टूबर को प्योंगयांग में आयोजित किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी में एसपीए की बैठक में उत्तर कोरिया के नेता ने संविधान में संशोधन कर दक्षिण कोरिया को अपना प्रमुख शत्रु बताया था। वहीं, युद्ध की स्थिति में दक्षिण कोरियाई क्षेत्र पर पूर्ण कब्जा करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई थी।गौरतलब है कि एसपीए उत्तर कोरिया के संविधान के तहत राज्य सत्ता का सर्वोच्च अंग है, लेकिन वास्तव में यह सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के निर्णयों पर केवल मुहर लगाता है। इस बीच, उत्तर कोरिया द्वारा नए एसपीए प्रतिनिधियों को चुनने के लिए शीघ्र ही चुनाव कराने की संभावना है, क्योंकि उसने अगले महीने संसदीय बैठक बुलाने की घोषणा की है।

पाकिस्तान के साथ परमाणु संधि करनी होगी: प्रो. शाहिदुज्जमां

-बांग्लादेश भारत से दुश्मनी और पाकिस्तान से दोस्ती की डगर पर?

ढाका (एजेंसी)। ढाका विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर ने कुछ ऐसा बयान दिया है, जो भारत विरोधी है। बयान सुनकर ऐसा लगता है कि बांग्लादेश भारत से दुश्मनी और पाकिस्तान से दोस्ती की तरफ आगे बढ़ रहा है। ढाका यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर शाहिदुज्जमां ने एक सेमिनार के दौरा बांग्लादेश के लिए न्यूक्लियर हथियारों की बात की और भारत को एक बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा, हमें पाकिस्तान के साथ परमाणु संधि करनी होगी। पाकिस्तान, बांग्लादेश का सबसे विश्वसनीय और भरोसेमंद सुरक्षा सहयोगी है। यह वही बात है, जिस पर भारतीय हमें विश्वास नहीं कराना चाहते।उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तकनीकी सहायता के बिना भारत को रोका नहीं जा सकता। प्रोफेसर शाहिदुज्जमां ने कहा, पाकिस्तान हमेशा से बांग्लादेश का सबसे भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार रहा है, बांग्लादेश को पाकिस्तान की तरफ झुकना चाहिए। प्रोफेसर शाहिदुज्जमां ने आगे कहा, पाकिस्तानियों का दिल ईर्ष्यालु है। वे नहीं चाहते कि हम माफी मांगें लेकिन वे यह भी नहीं चाहते कि हम भारत के साथ रहें। वे हमें भारत से बचाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं।

प्रोफेसर शाहिदुज्जमां ने पाकिस्तान से परमाणु मिसाइलें हासिल करने और उन्हें भारत की सीमा पर तैनात करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि उत्तरी बंगाल और चटगांव पहाड़ी इलाकों में पाकिस्तान की गौरी शॉर्ट-रेंज मिसाइलों को तैनात करने से भारत पर निवारक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत, बांग्लादेश के कुछ हिस्सों पर कब्जा करके उसे पूर्वोत्तर राज्यों का हिस्सा बनाना चाहता है और इसे रोकने के लिए परमाणु संधि और पाकिस्तानी मिसाइलों को हासिल करने के मामले में मदद की जरूरत है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया डॉ मोहम्मद यूनुस ने पिछले दिनों अपने पड़ोसी देशों से मैत्रीपूर्ण संबंध रखने की बात कही थी। उन्होंने कहा था बांग्लादेश, भारत और अन्य पड़ोसी देशों के साथ अच्छे रिश्ते रखना चाहता है। यह 'निष्पक्षता और समानता' के आधार पर होना चाहिए। यूनुस ने अपने संबोधन में बताया कि अंतरिम सरकार के मुखिया के रूप में शपथ लेने के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सहित कई अन्य देशों के नेताओं ने उन्हें बधाई देने के लिए फोन किया था। उन्होंने कहा, हम भारत और अन्य पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं, लेकिन ये संबंध निष्पक्षता और समानता के आधार पर होने चाहिए।

मस्जिद में घुसकर मारने...भाजपा नेता नितेश राणा के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई। गणपति कार्यक्रम में अपने भाषण के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय को कथित तौर पर निशाना बनाने के लिए भाजपा विधायक नितेश राणे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि एक पुलिसकर्मी की शिकायत के आधार पर राणे और नवी मुंबई में गणपति कार्यक्रम के आयोजक के खिलाफ एनआरआई पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि संकल्प घरात नामक संस्था ने बिना अपेक्षित अनुमति के उल्वे में सात दिवसीय गणपति समारोह का आयोजन किया था और राणे मुख्य अतिथि थे। सितंबर के शुरूआत में अहमदनगर में रामगिरी महाराज के समर्थन में मोर्चा निकाला गया था। इस मोर्चे के बाद एक सभा का आयोजन किया गया था। इसमें बीजेपी विधायक नितेश राणे शामिल हुए थे। इस सभा के दौरान राणे ने मुसलमानों को खुली धमकी दी थी। उन्होंने कहा कि रामगिरी महाराज के खिलाफ किसी ने कुछ कहा तो मस्जिदों में आकर चुन-चुनकर मारेंगे। शिकायत में कहा गया है कि 11 सितंबर को कार्यक्रम के दौरान राणे ने कथित तौर पर अपने भाषण में अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाया और लोगों को भड़काया। अधिकारी ने कहा कि धारा 302 (किसी व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर शब्द बोलना), 351 (2) (आपराधिक धमकी), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

भाजपा सांसद तिवारी का केजरीवाल पर तंज... ऐसा नाटकबाज नहीं देखा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे से ऐलान के बाद से भाजपा आप पार्टी पर हमलावर है। भाजपा केजरीवाल के ऐलान को अभियान बता रही है। वहीं, भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने केजरीवाल पर बड़ा वार किया है। भाजपा सांसद तिवारी ने कहा कि भारत के इतिहास में आपको कोई भी ऐसा मुख्यमंत्री नहीं मिलेगा जिसे न्यायालय द्वारा उसके पद से हटाया गया हो। उन्होंने कहा कि और संविधान का राज है। संविधान कहता है कि अगर कोई मुख्यमंत्री जेल जाता है, तब उस फौरान इस्तीफा दे देना चाहिए ताकि पार्टी से कोई और सीएम पद संभाल सके। भाजपा नेता ने कहा कि केजरीवाल का अहंकार दिल्ली की समस्याओं से भी बड़ा है। उन्होंने दावा किया कि एक ओर से उन्हें मुख्यमंत्री पद से निलंबित कर दिया गया है क्योंकि अदालत ने कुछ प्रतिबंध लगा दिए हैं जैसे कि वह मुख्यमंत्री कार्यालय में नहीं जा सकते और किसी भी फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि मैंने सिनेमा का बहुत अभ्यास किया है लेकिन मैंने उनसे बड़ा अभिनेता नहीं देखा।

जमुई के अभिषेक को गूगल ने दिया 2 करोड़ रुपए सालाना का पैकेज

जमुई। बिहार के जमुई जिले के झाझा निवासी 24 साल के अभिषेक अब अमेरिकी कंपनी गूगल में जॉब करने वाले है। गूगल ने अभिषेक को 2 करोड़ रुपए सालाना का पैकेज दिया है। वे जॉइनिंग के लिए इसी महीने लंदन जाएंगे। गूगल से 2 साल पहले अभिषेक 1 करोड़ 8 लाख रुपए के पैकेज पर अमेजन कंपनी में थे। इस दौरान वे जर्मनी में रहे। कंप्यूटर साइंस से बीटेक करने वाले अभिषेक का कहना है कि, गूगल में जॉब करना मेरा सपना था। बचपन से ही अभिषेक को कोडिंग का शौक था। अभिषेक की शुरुआती शिक्षा झाझा के प्राइवेट स्कूल में हुई है। उनके माता-पिता ने बताया कि बचपन से ही अभिषेक को कोडिंग के प्रति काफी लगाव था। वहां कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में ही कुछ करना चाहता था। इसके लिए कोटा में रहकर अभिषेक ने तैयारी की और 2018 में एनआईटी पटना में उसका दाखिला हुआ। अभिषेक के पिता सिविल कोर्ट में वकील हैं, और मां ग्रामीण हैं। उनके बड़े भाई अमित कुमार दिल्ली में रहकर सरकारी जॉब की तैयारी कर रहे हैं। वे कहते हैं, जर्मनी जाने के बाद मुझे नए मौकों के बारे में पता चला। अब लंबे वक्त तक गूगल में ही जॉब करने का इरादा है। अभिषेक के मुताबिक, बीटेक पास करने के बाद कई कंपनियों में जॉब के लिए आवेदन किया था, लेकिन अच्छा ऑफर अमेजन से मिला। मुझे अमेजन ने एक करोड़ 8 लाख रुपए पैकेज दिया था। यहां एक साल तक जॉब करने के बाद गूगल में आवेदन किया। 5 राउंड के इंटरव्यू के बाद गूगल से मुझे जॉब ऑफर किया है। अभिषेक ने बताया कि गूगल जैसी बड़ी कंपनी में जॉब लेने का प्रोसेस सबके लिए एक ही सामान होता है। बस हमें करियर पोर्टल पर जाकर अप्लाई करना होता है। अगर हम किसी दूसरे एम्पलाई से मदद लेते हैं, तब और भी आसान हो जाता है। फिर हमारे सीवी के बेसिस पर उसे शॉर्ट लिस्ट किया जाता है और इंटरव्यू कराया जाता है।

सड़क किनारे बैठे लोगों को पिकअप ने रौंदा, 5 की मौत, 05 गंभीर

संभल। मुरादाबाद-बुलंदशहर रोड पर सड़क किनारे बैठे एक मासूम समेत नौ लोगों को तेज रफ्तार के पिकअप ने रौंदती हुई निकल गई जिसमें पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक रजपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव पक्के की मढैया के गांव में रहने वाले लोग सुबह 6-30 बजे खेतों में घूमने के बाद गांव के पास बुलंदशहर-मुरादाबाद को जोड़ने वाले अनूपशहर-संभल सड़क पर बैठे थे। संभल की तरफ से जा रही तेज रफ्तार पिकअप ने उन लोगों को रौंद दिया। ग्रामीणों का दावा है कि पिकअप चालक ने गलत साइड जाकर टक्कर मारी है। हादसे में ओमपाल, पूरन सिंह, धारामल, जमना और लीलाधर की मृत्यु हो गई। सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद वाहन भी एक पेड़ से टकरा गया। ग्रामीणों ने चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। वाहन अलीगढ़ का है। घटना के बाद ग्रामीणों ने रास्ता जाम कर दिया और अधिकारियों ने उन्हें आर्थिक मदद दिलाने का आश्वासन दिया है। निरंजन पुत्र पन्नालाल उसका छह माह का बेटा अवधेश, जमुना सिंह पुत्र भायसिंह और उनके छोटे भाई गंगा प्रसाद घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, मृतकों के शव फिलहाल रजपुरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रख दिए गए हैं। रजपुरा के थाना प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह ने बताया कि हादसे में कुल पांच लोगों की मौत हुई है, बाकी लोग गंभीर रुप से घायल उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जेडीयू बैठक में बवाल, पोस्टर में तस्वीर नहीं होने से नाराज हुए मंत्री विजेंद्र

पटना। पटना के जेडीयू प्रदेश कार्यालय में बैठक के दौरान बड़ा बवाल मच गया है। दरअसल सोमवार को जेडीयू संगठन की बड़ी बैठक बुलाई गई थी। जानकारी के मुताबिक जेडीयू कार्यालय के कर्पूरी सभागार में आयोजित बैठक के दौरान बिहार सरकार में मंत्री और जेडीयू के वरिष्ठ नेता विजेंद्र प्रसाद यादव नाराज हो गए। नाराजगी का कारण विजेंद्र प्रसाद यादव को पहले बैठक की सूचना नहीं दिए जाने और पोस्टर में तस्वीर नहीं लगाने को लेकर वह नाराज हो गए। पत्रकारों ने जब उनसे इस बारे में सवाल किया तो उन्होंने गुस्से में कहा कि हमको काहे बुलाए हैं। हम जनता दल यू में नहीं हूं। बता दें, सूत्रों के मुताबिक बैठक को लेकर लगाए पोस्टर में विजेंद्र प्रसाद यादव की तस्वीर गायब थी जिस वजह से वह नाराज हो गए और उन्होंने इस तरह का बयान दिया है। बता दें, जेडीयू की इस बैठक में पार्टी के सभी पदाधिकारी और प्रकोष्ठ के नेता मौजूद थे। इस दौरान जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, वशिष्ट नारायण सिंह, मंत्री बिजेंद्र यादव, अशोक चौधरी सहित कई नेता मौजूद थे।

चीता परियोजना की दूसरी वर्षगांठ पर आज वन्यजीव अस्पताल का उद्घाटन

नई दिल्ली। चीता परियोजना की दूसरी वर्षगांठ पर कूनो राष्ट्रीय उद्यान 17 सितंबर को एक वन्यजीव अस्पताल के उद्घाटन सहित कई कार्यक्रम आयोजित करेगा। यह परियोजना वर्ष 2022 में शुरू की गई थी, जिसके बाद से अब तक आठ वयस्क चीतों और पांच शावकों की मौत हो चुकी है।

अचानक ही नीतीश कुमार की पार्टी ने बुला ली नेताओं की बड़ी बैठक, क्या बिहार में कुछ बड़ा होने वाला है?

पटना (एजेंसी)। अगले साल बिहार में विधानसभा के चुनाव होने हैं। सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जदयू कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। यही कारण है कि आज पार्टी की बड़ी बैठक हुई है। इस बैठक के बाद जनता दल यूनाइटेड के कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद संजय झा ने कहा कि आज की बैठक नए मंडल अध्यक्षों, विधानसभा प्रभारियों के साथ थी जिनकी नियुक्ति की गई है। यह उन सभी से खास तौर पर पार्टी या सरकार के कामकाज को लेकर मुलाकात थी। अगले साल चुनाव हैं, इस पर चर्चा हुई कि जमीन पर क्या हो रहा है।

झा ने कहा कि बिहार देश का एकमात्र राज्य है जहां नीतीश कुमार जी ने जातीय जनगणना करायी। रिपोर्ट प्रकाशित हुई और उस पर जो भी कार्रवाई होनी थी, उन्होंने वह कार्रवाई की। अगर केंद्र सरकार ऐसा कुछ लाती है तो हम उसका स्वागत करते हैं। बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि ये बैठक पार्टी के भीतर कार्यकर्ताओं के लिए थी। अध्यक्ष ने नई कमेटी बनाई है तो निश्चित तौर पर कमेटी को प्रदेश स्तर पर बैठकर अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा करनी थी। उन्होंने कहा कि हमने एससी एसटी पर काम किया है, हमने अति पिछड़ों पर काम किया है, हमने जातीय जनगणना पर काम किया है, हमारा महिला सशक्तिकरण पर काम है, हमारा शिक्षा पर काम है इन सब पर काम है, हमारे विरोधी हम पर कैसे हमला कर रहे हैं वो सभी मुद्दे थे चर्चा की।

राजनीतिक रणनीतिकार की भूमिका से स्वयं राजनेता

की भूमिका में आए प्रशांत किशोर ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'जन सुराज' एक महीने से भी कम समय में राजनीतिक पार्टी बनने जा रही है और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में सभी 243 सीट पर चुनाव लड़ेगी। पूर्णिया जिले में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए किशोर ने कहा कि राज्य में कम से कम एक करोड़ लोगों के सक्रिय समर्थन से पार्टी का गठन दो अक्टूबर को किया जाएगा और इसे किसी सेगठबंधन करने की कोई आवश्यकता नहीं होगी।

राहुल गांधी की जीभ काटकर लाओ...11 लाख का इनाम पाओ

-शिंदे गुट के विधायक का विवादित बयान

मुंबई। शिवसेना(शिंदे गुट) विधायक संजय गायकवाड ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के लिए विवादित बयान दिया। आरक्षण के मुद्दे पर शिंदे गुट के विधायक गायकवाड ने राहुल गांधी का जीभ काटने वाले को 11 लाख इनाम देने का ऐलान किया है। शिवसेना विधायक ने कहा कि राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव में संविधान खतरे में है का ऐसा फेक नरेटिव फैलाकर वोट हासिल किया था। अब खुद राहुल गांधी देश से आरक्षण खत्म करने की वकालत कर रहे हैं। वह पिछड़े, आदिवासियों को दिए जा रहे आरक्षण को 100 प्रतिशत खत्म करना चाहते हैं। सभा में गायकवाड ने कहा कि मैं कहता हूं जो राहुल गांधी की जीभ काटेगा मैं उस शख्स को 11 लाख दूंगा। शिवसेना नेता के इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। शिवसेना विधायक ने कहा कि वे राहुल गांधी के लिए यह बयान लोकप्रियता हासिल करने के लिए नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछड़े और ओबीसी समाज की दुर्दशा को देखकर उन्होंने यह बयान दिया है। उन्होंने दावा किया राहुल गांधी की ओर से आरक्षण खत्म करने की बात से उनके मन में गुस्सा है और इस कारण यह बात जुबान पर आ गई। उन्होंने कहा कि अमेरिका में राहुल गांधी ने कांग्रेस का असली चेहरा उजागर किया है। कांग्रेस ने बयान की आलोचना कर राहुल गांधी के लिए खतरनाक बताया है। बता दें कि दो दिन पहले केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने भी राहुल गांधी पर हमला किया था। उन्होंने बिहार के भागलपुर में राहुल गांधी को बम बनाने वाला और नंबर वन आतंकवादी बताया था। इसके जवाब में कांग्रेस ने कहा कि राहुल गांधी के लिए बीजेपी नेताओं के दिल में नफरत है, इसलिए वह गंदी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

एक राष्ट्र एक चुनाव को 2029 से पहले लागू कर देगी मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर लंबे समय से चर्चा होती आ रही है। लेकिन इस बार केंद्र की एनडीए सरकार ने तय कर लिया है कि वर्तमान सरकार का कार्यकाल पूरा हो इससे पहले एक राष्ट्र एक चुनाव लागू करना है। यानी 2029 से पहले ये व्यवस्था लागू हो जाएगी। उच्च पदस्थ सूत्रों का दावा है कि इसके लिए प्राथमिक तौर पर तैयारियां शुरू हो गई हैं और यह भी माना जा रहा है कि सरकार को अपने सहयोगियों के समर्थन से इस सुधार के लिए पर्याप्त समर्थन मिलने की उम्मीद है।

भारत 1881 से हर दशक में जनगणना करता आ रहा है। इस दशक की जनगणना का पहला चरण 1 अप्रैल, 2020 को शुरू होना था, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। इस पर भी काम चल रहा है। जल्द से जल्द इस काम को पूरा करना होता ताकि एक राष्ट्र एक चुनाव की नीति को आसानी से तैयार किया जा सके।इस साल की शुरुआत में पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाले पैनल द्वारा एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद एक राष्ट्र, एक चुनाव की प्रक्रिया जोर पकड़ रही है। पैनल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को रिपोर्ट प्रस्तुत किया और लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव एक साथ कराने की अवधारणा का जोरदार समर्थन किया। रविवार को शीर्ष सूत्रों द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया कि सरकार ने जनगणना की तैयारी भी शुरू कर दी है, लेकिन सर्वेक्षण में जाति कॉलम को शामिल करने के बारे में अभी तक निर्णय नहीं लिया गया है।एक राष्ट्र, एक चुनाव के समर्थकों का तर्क है कि इससे शासन व्यवस्था प्रभावशाली होगी। इस साल अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में पीएम मोदी ने राजनीतिक दलों से इस पहल का समर्थन करने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि लगातार चुनाव से विकास कार्य प्रभावित होते हैं। एक साथ चुनाव की अवधारणा भाजपा के चुनाव घोषणा पत्र में एक प्रमुख संकल्प था।

कांग्रेस की सोच... मुस्लिमों को खुश रखकर हमेशा सत्ता में रहेंगे

- मंगलुरु की घटना पर भाजपा का आरोप

मंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मंगलुरु में दो पूजा स्थलों पर पथराव की घटना सामने आने के बाद सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई। गौरतलब है कि रविवार देर रात मंगलुरु के कटिपल्ला शहर में पथराव हुआ था, लेकिन त्वरित कार्रवाई के कारण स्थिति नियंत्रण में आ गई और क्षेत्र में किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। पुलिस ने बताया कि पूजा स्थल की खिड़कियों के शीशे टूट गए है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर मंगलुरु में विरोध प्रदर्शन किया है। भारी पुलिस कर्मी तैनात किए गए है।

कर्नाटक के मंत्री एमसी सुधाकर ने कहा कि मंगलुरु हमेशा से एक हॉट स्पॉट रहा है। मंगलुरु में सांप्रदायिक मुद्दों के आधार पर राजनीति होती है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है। क्योंकि हर छोटे मुद्दे पर आप देखते हैं कि आरएसएस से जुड़े किसी व्यक्ति ने या किसी और ने क्या ट्वीट किया है। उन्होंने कहा कि हम हर किसी को नियंत्रित नहीं कर सकते। हर धर्म में कुछ कुकर्मी लोग होते है। इसतरह के शरारती तत्व ही ये सब मुद्दे पैदा कर रहे हैं।

वहीं भाजपा के डॉ. सीएन अश्वथ नारायण ने कहा कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में फेल साबित हुई है। वे समाज को सांप्रदायिक आधार पर बांटना चाहते हैं। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि निर्दोष लोग प्रभावित न हों और असली दोषियों पर मामला दर्ज किया जाए। हम समाज के हर वर्ग से बात करने को तैयार है। बीजेपी नेता नारायण गौड़ा ने कहा कि यह एक खुफिया विफलता थी। पुलिस से कहा गया कि वे कार्रवाई न करें और चीजों को होने दें। कांग्रेस सरकार सोचती है कि अगर वे मुस्लिम समुदाय को खुश रहे तब सत्ता में बन रहेंगे।

हरियाणा में रोमांचक हुआ चुनाव, 36 सीटों पर एक ही जाति के उम्मीदवार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस ने जीत के लिए जातिगत समीकरणों का सहारा लिया है। 90 में से 36 सीटों पर दोनों दलों ने एक ही जाति के उम्मीदवार उतारे हैं। इनमें से 14 सीटों पर जाट बनाम जाट तो 15 सीटों पर ओबीसी बनाम ओबीसी मुकाबला होगा। बता दें कि हरियाणा में पांच अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे और नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित होंगे।जातिगत समीकरणों के अनुसार प्रदेश में कोई भी चुनावी किला फतह करने में ओबीसी (33 प्रतिशत आबादी), जाट (25 प्रतिशत) और दलित (21 प्रतिशत) की भूमिका सबसे अधिक होती है। इसके मद्देनजर कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 28 जाट उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि भाजपा ने 16 सीटों पर जाट प्रत्याशियों पर भरोसा जताया है।

फिरोजपुर झिरका में भाजपा ने नसीम अहमद और कांग्रेस ने मामन खान तो पुन्हाना में भाजपा ने ऐजाज खान और कांग्रेस ने मोहम्मद इलियास को आमने-सामने किया है। जगाधरी में भाजपा के कंवरपाल गुर्जर के मुकाबले कांग्रेस ने अकरम खान, नूंह में भाजपा के संजय सिंह के मुकाबले कांग्रेस ने आफताब अहमद और हथीन में भाजपा के मनोज रावत के मुकाबले में कांग्रेस ने मुहम्मद इजरायल को मैदान में उतारा है। भाजपा ने सबसे ज्यादा 22 उम्मीदवार ओबीसी से बनाए हैं, जबकि कांग्रेस ने इस वर्ग से 20 प्रत्याशी चुनावी रण में उतारे हैं। 17 विधानसभा सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। इनको छोड़कर किसी दल ने सामान्य सीट पर दलित समुदाय को टिकट नहीं दिया है। बल्लभगढ़ से भाजपा के मूलचंद शर्मा और कांग्रेस की पराग शर्मा तो गन्नौर में भाजपा के देवेंद्र कौशिक और कांग्रेस के कुलदीप शर्मा में टक्कर है। चार सीटों पर पंजाबी आमने-सामने हैं, जिनमें थानेसर से भाजपा के सुभाष सुधा और कांग्रेस के अशोक अरोड़ा, हांसी में भाजपा के विनोद भयाना व कांग्रेस के राहुल मक्कड़, पानीपत शहरी में भाजपा के प्रमोद विज और कांग्रेस के वरिंदर शाह और रोहतक में पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर तथा कांग्रेस के भारत भूषण बत्रा भिड़ रहे हैं।

370 को खत्म कर पीएम मोदी ने गुर्जर, बकरवाल, दलितों को उनका अधिकार दिलाया: शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए अपनी चुनावी रैलियों की शुरुआत से पहले अनुच्छेद 370 को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा, पीएम मोदी ने अनुच्छेद 370 को समाप्त करके जम्मू के पिछड़ों, गुर्जर, बकरवाल, दलितों और पहाड़ियों को उनके अधिकार दिलाने का महत्वपूर्ण काम किया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, आईआईटी, एम्स और आईआईएम जैसे संस्थानों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना हो या रेल और सड़क तंत्र को विश्वस्तरीय बनाना हो, मोदी सरकार जम्मू वासियों की हर आकांक्षा की पूर्ति कर रही है।

भाजपा के चाणक्य शाह की जम्मू-कश्मीर में सोमवार को तीन चुनावी रैलियां निर्धारित हैं, जिसमें पैडर नागसेनी, किश्तवाड़ और रामबन शामिल हैं। शाह इन रैलियों के माध्यम से भाजपा के लिए समर्थन जुटाने का प्रयास करने वाले है। भाजपा प्रवक्ता और मीडिया सेंटर प्रभारी अरुण कुमार गुप्ता ने बताया कि गृह मंत्री शाह 16 सितंबर को इन तीन स्थानों पर रैलियों को संबोधित करने वाले है। इससे पहले, शाह ने 6 और 7 सितंबर को भाजपा का घोषणापत्र जारी किया था, इसमें उनकी पार्टी की नीतियों और योजनाओं की जानकारी दी गई थी।

प्रधानमंत्री मोदी भी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के प्रचार में शामिल होने वाले है। पीएम मोदी 25 सितंबर को दूसरे चरण और 1 अक्टूबर को तीसरे चरण के मतदान से पहले चुनावी रैलियों को संबोधित करने वाले है। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 20 सितंबर को जम्मू में प्रचार करने वाले है।

अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद यह पहली बार है जब जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। इस चुनाव में अनुच्छेद 370 और आतंकवाद जैसे मुद्दे प्रमुख चर्चा का विषय बने हुए हैं। भाजपा का कहना है कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से घाटी में विकास की बयार बह रही है, जबकि कांग्रेस का दावा है कि इस कदम से केंद्र सरकार ने घाटी के लोगों के हितों पर प्रहार किया है।

मानवता का कैंसर है पाकिस्तान, बिना ऑपरेशन इलाज संभव नहीं: सीएम योगी

वेस्ट त्रिपुरा/लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पाकिस्तान मानवता का कैंसर है, जो पूरी दुनिया के लिए नासूर बन चुका है। आजादी के समय का कांग्रेस नेतृत्व और जोगेंद्र नाथ मंडल अगर मिलकर मुस्लिम लीग की साजिश को विफल कर देते तो यह नासूर अस्तित्व में नहीं होता। उन्होंने कहा कि जब तक पाकिस्तान का ऑपरेशन नहीं होगा, तब तक इलाज संभव नहीं है। पाकिस्तान का उपचार शुरू हो चुका है। अब पाक अधिकृत कश्मीर के लोग भारत में शामिल होना चाहते हैं। बलूचिस्तान भी पाकिस्तान से अलग होना चाहता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 16 सितम्बर को त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा के साथ सिद्धेश्वरी मंदिर का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि संत ईश्वरीय सत्ता के प्रतिनिधि के रूप में इस धराधाम पर आकर कार्य कर रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में संत अगर किसी कार्य में जुड़ जाएंगे तो उसे सफल होना ही है। संतों के सानिध्य में हमें धर्म जागरण के अभियान को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। सीएम योगी ने कहा कि हमें मिलकर कार्य करना होगा और इस बात का ध्यान रखना है कि विधर्मियों को अवसर नहीं देना है। बांग्लादेश जैसे स्थिति की पुनरावृत्ति यहां न होने पाए, इसके लिए ऐसी शक्तियों को हमें समाप्त करना है। हमें देश और धर्म को सुरक्षित रखना है।सीएम योगी ने कहा कि यहां के राजा में शक्ति एवं सामर्थ्य था, इसलिए त्रिपुरा स्वतंत्र एवं सुरक्षित रहा। यहां के राजा ने जनता को एकजुट करके त्रिपुरा को विधर्मियों एवं विदेशी आक्रांताओं से बचाए रखा। उन्होंने कहा कि जो सामर्थ्यवान होगा और ताकत का एहसास अपने दुश्मनों को कराएगा, वो हमेशा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जो अपनी ताकत खोकर अपने दुश्मन और मित्र को समझने में भूल करेगा, उसी प्रकार का खामियाजा भुगतेगा जैसा आज बांग्लादेश में हो रहा है। सीएम योगी ने कहा कि बांग्लादेश के हालात पर हमें चिंतन करने की आवश्यकता है कि इसके लिए कौन लोग जिम्मेदार हैं। सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ इस बात को जानता था कि अगर हम कांग्रेस के द्वारा चलाई गई दुर्वयसंधि का शिकार होते रहेंगे तो कांग्रेस देश का विभाजन कराएगी, हिंदुओं का कत्लेआम कराएगी, उन्हें जातियों में बांटकर लड़ाएगी और भारत की परंपरा-संस्कृति को नष्ट एवं भ्रष्ट कर देगी। आरएसएस की बात सच साबित हुई और कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए देश का विभाजन कराया। उन्होंने कहा कि 1905 में बंगभंग आंदोलन के दौरान अगर बंगाल विरोध नहीं करता तो सबको पता है कि उस समय देश में क्या होता। सीएम योगी ने कहा कि आरएसएस-विश्व हिंदू परिषद अपनी सेवा का प्रोपेगेंडा और सौदेबाजी नहीं करते हैं।सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं संघ आज केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में विद्याभारती के माध्यम से हजारों शिक्षण संस्थानों एवं सेवा के प्रकल्पों का संचालन कर रहा है। विश्व हिंदू परिषद पूरे देश में जनजातीय क्षेत्रों में एक लाख से अधिक गांवों में एकल विद्यालय का संचालन कर रहा है। श्रीराम वनवासी कल्याण आश्रम के माध्यम से विश्व हिंदू परिषद ने 1984 में गोरखपुर में जनजातीय छात्रावास प्रारंभ किया था, जिसमें नॉर्थ ईस्ट के बच्चे जाकर शिक्षा प्राप्त करते थे। उन्होंने कहा कि अब भारत का समय है इसलिए आज हम लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को दुनिया की एक बड़ी ताकत बनाने की ओर अग्रसर हैं। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनने से पांच सदी का इंतजार समाप्त हुआ है। कुछ लोगों को मंदिर के बन जाने से बुरा लग रहा है, जिन्हें बुरा लग रहा है उनका हम क्या कर सकते हैं। हम भारत की बहुसंख्यक जनता की आस्था को सम्मान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या, मथुरा और काशी सनातन धर्म की आस्था के तीन प्रमुख स्तंभ हैं। ये तीनों स्थल जैसे आज पूज्य हैं, उसी रूप में आगे भी बढ़ते हुए दिखाई देंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है।

सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म सर्वे भवन्तु सुखिन-की बात करता है, लेकिन ये तभी संभव है, जब हम सुरक्षित रहेंगे।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में आज पूरा देश एक भारत श्रेष्ठ भारत के लिए कार्य कर रहा है। आज त्रिपुरा में सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल है। आज से सात-आठ वर्ष पहले यह संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि एक ओर यहां की डबल इंजन की सरकार त्रिपुरा के सर्वांगीण विकास के लिए डबल स्पीड से कार्य कर रही है तो वहीं दूसरी ओर त्रिपुरा में धार्मिक क्षेत्र में भी प्रगति हो रही है। सीएम योगी ने कहा कि त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश में पहले पर्व और त्योहार के दौरान दंगे होते थे। आज हमने उत्तर प्रदेश में दंगाइयों के लिए बुल्डोजर और भक्तों को प्रभु श्रीराम का मंदिर दे दिया है। उन्होंने कहा कि हम सबको ध्यान रखना होगा कि धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः यानी अगर हम धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म आपकी भी रक्षा करेगा। वहीं अगर अपने स्वार्थ के लिए हम अपने धर्म का बलिदान करेंगे तो धर्म भी आपके साथ उसी प्रकार का व्यवहार करेगा। 'यतो धर्मस्ततो जयः' सनातन धर्म की यही शिक्षा है।